INSIGHTSIAS

SIMPLIFYING IAS EXAM PREPARATION

# INSTA STATIC QUIZ COMPILATIONS

## IN HINDI

## September 2022

INSIGHTSIAS

# Art and Culture

**1) निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:**

**1. उन्होंने वास्तुकला की वेसर शैली विकसित की।**

**2. उनके संरचनात्मक मंदिर ऐहोल, बादामी और पट्टाडकल में मौजूद हैं।**

**3. उनका प्रशासन अत्यधिक केंद्रीकृत था।**

**उपरोक्त कथन सबसे सटीक रूप से किसे संदर्भित करता हैं?**

**a) चोल**

**b) चालुक्य**

**c) चेर**

**d) पांड्य**

**उत्तर: b)**

**प्रशासन: चालुक्य प्रशासन पल्लवों और चोलों के विपरीत अत्यधिक केंद्रीकृत था। चालुक्यों के अधीन ग्राम स्वायत्तता अनुपस्थित थी।**

**वास्तुकला:** चालुक्य कला के महान संरक्षक थे। उन्होंने संरचनात्मक मंदिरों के निर्माण में वेसर शैली का विकास किया। हालाँकि, वेसर शैली राष्ट्रकूटों और होयसलों के अधीन ही अपनी पराकाष्ठा पर पहुँची थी।

चालुक्यों के अधीन गुफा मंदिर की वास्तुकला भी प्रसिद्ध थी। उनके गुफा मंदिर अजंता, एलोरा और नासिक में स्थित हैं।

**बादामी में चालुक्य चित्रकला के सर्वोत्तम नमूने देखे जा सकते हैं।**

**2) निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए।**

**1. यह गुजरात के कालबेलिया समुदाय की महिलाओं द्वारा किया जाने वाला एक लोक नृत्य है।**

**2. 'बीन' इस नृत्य शैली का लोकप्रिय वाद्य यंत्र है।**

**3. यूनेस्को ने इस नृत्य को मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की प्रतिनिधि सूची में शामिल किया है।**

**उपरोक्त में से कौन सा/से कथन सही है/हैं?**

**a) 1, 2**

**b) 2, 3**

**c) 1, 3**

**d) 1, 2, 3**

**उत्तर: b)**

**कालबेलिया:**

यह एक भावमय लोक नृत्य है जो राजस्थान के कालबेलिया समुदाय की महिलाओं द्वारा किया जाता है। वेशभूषा और नृत्य आंदोलन सर्प के समान होती हैं। **'बीन'** (सपेरों द्वारा बजाया जाने वाला सुषिर वाद्य) इस नृत्य का लोकप्रिय संगीत वाद्ययंत्र है। **यूनेस्को ने 2010** में मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की प्रतिनिधि सूची में कालबेलिया लोक गीतों और नृत्यों को शामिल किया था।

**3) निम्नलिखित में से कौन चोल युग के चित्रों की प्रमुख विशेषताएं हैं?**

**1. वे अक्सर मंदिर के पैनल पर किए जाते थे।**

**2. वे भगवान शिव से संबंधित कथाओं और पहलुओं को दर्शाते हैं।**

**3. इनमें मनुष्यों और पौधों का चित्रण अनुपस्थित हैं।**



INSIGHTSIAS

सही उत्तर कूट चुनिए:

a) 1, 2
b) 2, 3
c) 1, 3
d) 1, 2, 3

उत्तर: a)

चोल चित्रों में मनुष्यों और पौधों का चित्रण किया गया है।

4) कश्मीर मंदिर वास्तुकला के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए।

1. प्रमुख गांधार स्थलों से कश्मीर की निकटता ने इस क्षेत्र को एक मजबूत गांधार प्रभाव प्रदान किया है।
2. वास्तुकला की दृष्टि से कश्मीर का करकोटा काल सबसे महत्वपूर्ण है।
3. मंदिर में एक पानी की टंकी स्थापित करने की परंपरा थी।

उपरोक्त में से कौन सा/से कथन सही है/हैं?

a) 1, 2
b) 2, 3
c) 1, 3
d) 1, 2, 3

उत्तर: d)

प्रमुख गांधार स्थलों (जैसे तक्षशिला, पेशावर और उत्तर-पश्चिम सीमा) से कश्मीर की निकटता ने इस क्षेत्र को पांचवीं शताब्दी सीई तक एक मजबूत गांधार प्रभाव प्रदान किया है।

**वास्तुकला की दृष्टि से कश्मीर का करकोटा काल सबसे महत्वपूर्ण है।** सबसे महत्वपूर्ण मंदिरों में से एक पंड्रेथन है, जिसे आठवीं और नौवीं शताब्दी के दौरान बनाया गया था। मंदिर से जुड़ी एक पानी की टंकी की परंपरा को ध्यान में रखते हुए, यह मंदिर एक तालाब के बीच में बने एक चबूतरे पर बनाया गया है। यद्यपि कश्मीर में हिंदू और बौद्ध दोनों के अनुयायी होने के प्रमाण मिलते हैं, यह मंदिर एक हिन्दुओं से संबंधित है, संभवतः शिव को समर्पित है। इस मंदिर की वास्तुकला लकड़ी की इमारतों की सदियों पुरानी कश्मीरी परंपरा के अनुरूप है।

5) निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए।

1. इस वेद को ब्रह्मवेद के नाम से भी जाना जाता है
2. यह ज्यादातर मानव समाज की शांति और समृद्धि से संबंधित है
3. यह कई बीमारियों के उपचार पर केंद्रित है

उपरोक्त कथनों संबंधित हैं

a) ऋग्वेद
b) सामवेद
c) अथर्ववेद
d) यजुर्वेद

उत्तर: c)

अथर्ववेद:



INSIGHTSIAS

इस वेद को ब्रह्म वेद के रूप में भी जाना जाता है और इसे क्रमशः अथर्व और अंगिरा नामक दो ऋषियों से संबंधित माना जाता है। जहाँ यह ज्यादातर मानव समाज की शांति और समृद्धि से संबंधित है और एक आदमी के दैनिक जीवन के सभी पहलुओं को शामिल करता है, वहीं यह विशेष रूप से कई बीमारियों के उपचार पर केंद्रित है। यह लगभग **99 रोगों** के उपचार से संबंधित है।

**1) वेदांत दर्शन के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए।**

**1. यह उपनिषदों में वर्णित जीवन दर्शन का समर्थन करता है।**

**2. वेदांत सिद्धांत पुनर्जन्म के सिद्धांत को अस्वीकार करता है।**

**उपरोक्त में से कौन सा/से कथन सही है/हैं?**

a) केवल 1

b) केवल 2

c) 1 और 2 दोनों

d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: a)

**वेदांत दो शब्दों से बना है- 'वेद' और 'आंत', यानी वेदों का अंत। यह दर्शन उपनिषदों में वर्णित जीवन दर्शन का समर्थन करता है।**

यह तर्क आत्मा और ब्रह्म को एक ही मानता है और यदि कोई व्यक्ति स्वयं का ज्ञान प्राप्त कर लेता है, तो वह स्वतः ही ब्रह्म को समझ लेता है और मोक्ष प्राप्त कर लेता है। यह तर्क ब्रह्म और आत्मा को अविनाशी और शाश्वत बना देता है।

वेदांत सिद्धांत कर्म के सिद्धांत को भी मानता है। **यह सिद्धांत पुनर्जन्म में विश्वास करता है। उन्होंने यह भी तर्क दिया कि एक व्यक्ति को पिछले जन्म से अगले जन्म में अपने कार्यों का खामियाजा भुगतना पड़ता है।**

**2) महाजनपदों के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए।**

**1. प्रारंभिक बौद्ध और जैन ग्रंथों में सोलह राज्यों का उल्लेख है जिन्हें महाजनपद के नाम से जाना जाता है।**

**2. सभी महाजनपदों पर राजाओं का शासन था।**

**3. प्रत्येक महाजनपद की एक राजधानी होती थी, जिसे अक्सर किलेबंद किया जाता था।**

**उपरोक्त में से कौन सा/से कथन सही है/हैं?**

a) 1, 2

b) 1, 3

c) 2, 3

d) 1, 2, 3

उत्तर: b)

**प्रारंभिक बौद्ध और जैन ग्रंथों में सोलह राज्यों का उल्लेख है जिन्हें महाजनपद के नाम से जाना जाता है।**

**सोलह महाजनपद:**

प्रारंभिक बौद्ध और जैन ग्रंथों में अन्य बातों के अलावा, सोलह राज्यों का उल्लेख है जिन्हें महाजनपद के रूप में जाना जाता है। **कुछ महाजनपद वज्जी, मगध, कोशल, कुरु, पांचाल, गांधार और अवंती हैं। स्पष्ट रूप से, ये सबसे महत्वपूर्ण महाजनपदों में से थे।**

जहाँ अधिकांश महाजनपद राजाओं द्वारा शासित थे, कुछ, जिन्हें गण या संघ के रूप में जाना जाता था, कुलीन वर्ग थे, जहाँ कई पुरुषों द्वारा शक्ति साझा की जाती थी, जिन्हें **अक्सर सामूहिक रूप से राजा कहा जाता था।**

**प्रत्येक महाजनपद की एक राजधानी होती थी, जिसे अक्सर किलेबंद किया जाता था।**

**3) जैन धर्म के अनुसार निम्न में से किसे त्रिरत्न माना जाता है।**

1. सम्यक् आजीविका
2. सम्यक् ज्ञान
3. सम्यक् आचरण
4. सम्यक् भाषण
5. सम्यक् विश्वास

सही उत्तर कूट का चयन कीजिए:

a) 1, 2, 4
b) 1, 3, 4
c) 2, 3, 5
d) 1, 3, 5

उत्तर: c)

जैन धर्म के तीन सिद्धांत, जिन्हें त्रिरत्न (तीन रत्न) भी कहा जाता है:

- सम्यक् विश्वास
- सम्यक् ज्ञान
- सम्यक् आचरण

सम्यक् विश्वास महावीर की शिक्षाओं और ज्ञान में विश्वास करना है।
सम्यक् ज्ञान इस सिद्धांत की स्वीकृति है कि कोई ईश्वर नहीं है और यह कि जगत सृष्टिकर्ता के बिना विद्यमान रही है और सभी वस्तुओं में आत्मा होती है।
**सम्यक् आचरण पाँच महावृत्त के पालन को संदर्भित करता है:**

- जीवन को नष्ट न करना
- झूठ नहीं बोलना
- चोरी नहीं करना
- संपत्ति का अधिग्रहण नहीं करना
- अनैतिक जीवन न जीना।

4) महावीर की शिक्षाओं के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए।

1. महावीर के अनुसार, निर्जीव वस्तुओं में भी आत्मा और चेतना की अलग-अलग मात्रा मौजूद होती हैं।
2. महावीर ने वेदों के अधिकार को खारिज कर दिया और वैदिक कर्मकांडों पर आपत्ति जताई।
3. वह कृषि को सबसे शुद्ध और विश्वसनीय व्यवसाय मानते थे।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

a) केवल 1
b) 1, 2
c) 1, 3
d) 2, 3

उत्तर: d)

महावीर के अनुसार, निर्जीव वस्तुओं में भी आत्मा और चेतना की अलग-अलग मात्रा मौजूद होती हैं। ये घायल होने पर दर्द महसूस करते हैं।
यहां तक कि कृषि कार्य को भी पापमय माना जाता था क्योंकि यह पृथ्वी, कृमि और जानवरों को चोट पहुंचाता है।

इसी तरह वैराग्य और त्याग के सिद्धांत को भी उपवास, निर्वस्त्रता और आत्म-यातना के रूप में माना गया है।

**5) वेसर वास्तुकला शैली के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए।**
**1. वेसर वास्तुकला शैली में, खंभों, दरवाजों और छतों को जटिल नक्काशी से सजाया गया है।**
**2. नागर शैली का प्रभाव जटिल नक्काशी और मूर्तियों, विमान के डिजाइन और वेसर मंदिरों के सीढ़ीदार शिखर में दृष्टिगत होता है।**
**3. द्रविड़ शैली का प्रभाव वक्राकार शिखर और वेसर मंदिरों के वर्गाकार आधार में दृष्टिगत होता है।**
**उपरोक्त में से कौन सा/से कथन सही है/हैं?**
**a) 1, 2**
**b) केवल 1**
**c) 1, 3**
**d) 1, 2, 3**

**उत्तर: b)**

इसे कर्नाटक वास्तुकला शैलीके रूप में भी जाना जाता है, इसे सातवीं शताब्दी ईस्वी के मध्य में चालुक्य शासकों के तहत बनवाया किया गया था। इसकी कुछ विशेषताएं
निम्न हैं:
विमान और मंडप पर बल:
खुला प्रदक्षिणापथ
खंभों, दरवाजों और छतों पर जटिल नक्काशिया

**नागर शैली का प्रभाव वक्रीय शिखर और वेसर मंदिरों के वर्गाकार आधार पर दृष्टिगत होता है।**

द्रविड़ शैली का प्रभाव जटिल नक्काशी और मूर्तियों, विमान के डिजाइन और वेसर मंदिरों के सीढ़ीदार शिखर में दृष्टिगत होता है।

**उदाहरण: डंबल में डोड्डाबसप्पा मंदिर, ऐहोल में लदखान मंदिर, बादामी के मंदिर आदि।**

# Economy

**1) कभी-कभी समाचारों में चर्चित फैंटम एफडीआई (Phantom FDI ) किसे वर्णित करता है:**
**a) हरित क्षेत्र परियोजनाओं में किया गया निवेश**
**b) उच्च निवल मूल्य वाले व्यक्तियों द्वारा किया गया निवेश**
**c) शेल कंपनी के जरिए किए जाने वाला निवेश**
**d) उपरोक्त में से कोई नहीं**

**समाधान: सी)**

**फैंटम एफडीआई** - "शेल कंपनी के जरिए किए जाने वाला निवेश" जिसके द्वारा कोई वास्तविक व्यावसायिक गतिविधि नहीं की जाती है।

**2) एक खुली अर्थव्यवस्था में सरकारी हस्तक्षेप के बिना, व्यापार घाटे को किसके द्वारा वित्तपोषित किया जा सकता है?**
**a) विदेशी संस्थागत निवेश**

**b) मौद्रिक विस्तार**

**c) घरेलू खपत**

**d) उपरोक्त सभी**

**उत्तर: a)**

**भुगतान की कुल शेष राशि में चालू खाता (व्यापार, अदृश्य, प्रेषण आदि शामिल हैं) के साथ-साथ पूंजी खाता भी शामिल है।**
एफडीआई, एफआईआई जैसे पूंजी प्रवाह व्यापार घाटे को पाटने और बीओपी को संतुलित करने में मदद करते हैं।

उच्च खपत व्यय आयात बिल को और बढ़ा देगा और व्यापार घाटे का कारण बनेगा। और, इससे मौद्रिक विस्तार होगा - जो मांग को और बढ़ाएगा और इस प्रकार अल्पावधि में आयात बीओपी में वृद्धि होगी।

**3) एक बंद अर्थव्यवस्था में निम्नलिखित में से कौन सी विशेषता होने की संभावना है?**

**a) राजकोषीय घाटा शून्य होगा।**

**b) सरकार को करेंसी प्रिंट करने का अधिकार नहीं होगा।**

**c) केंद्रीय बैंक मुद्रा आपूर्ति को नियंत्रित नहीं करेगा।**

**d) भुगतान संतुलन शून्य होगा।**

**उत्तर: d)**

एक बंद अर्थव्यवस्था आत्मनिर्भर होती है, जिसका अर्थ है कि कोई आयात और निर्यात नहीं किया जाता है। इसका लक्ष्य उपभोक्ताओं को वह सब कुछ प्रदान करना है जो उन्हें अर्थव्यवस्था की सीमाओं के भीतर चाहिए। एक बंद अर्थव्यवस्था एक खुली अर्थव्यवस्था के विपरीत होती है, जिसमें एक देश बाहरी क्षेत्रों के साथ व्यापार करता है।

**इसलिए, यदि कोई पूंजी या वस्तुओं/सेवाओं का आयात, निर्यात नहीं किया जाता है, तो बीओपी शून्य होगा।**

**इस मामले में, राजकोषीय घाटा शून्य नहीं होना चाहिए क्योंकि एक विकासशील देश गरीबी और बेरोजगारी से निपटने के लिए विस्तारवादी राजकोषीय नीति अपना सकता है।**

**4) एक कठोर मुद्रा (Hard currency) वह है जो**

**a) विदेशी मुद्रा बाजार में प्रचुर मात्रा में विद्यमान हो**

**b) उच्च स्तर की तरलता के साथ थोड़े समय के दौरान अपेक्षाकृत स्थिर हो**

**c) अंतरराष्ट्रीय बाजार में संचरण के सापेक्ष उसके मूल्य में कोई परिवर्तन नहीं होता हो**

**d) विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) में परिवर्तनीय नहीं हो**

**उत्तर: b)**

यह एक अंतरराष्ट्रीय मुद्रा है जिसमें सबसे अधिक विश्वास दिखाया जाता है और हर अर्थव्यवस्था को इसकी आवश्यकता होती है। दुनिया की सबसे मजबूत मुद्रा वह है जिसमें उच्च स्तर की तरलता होती है, यानी लोग इसमें दिखाए गए उच्च आत्मविश्वास के कारण इसे बेचने या खरीदने के लिए आसानी से तैयार होते हैं।

**5) 'फिएट मनी' के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए।**

**1. यह एक मुद्रा है जिसे सरकार ने वैध मुद्रा घोषित किया है।**

**2. हाइपरइन्फ्लेशन के दौरान इसका मूल्य बढ़ जाता है।**

**3. यह एक भौतिक वस्तु द्वारा समर्थित होती है।**

**उपरोक्त में से कौन सा/से कथन सही नहीं है/हैं?**

**a) केवल 1**

**b) 2, 3**

**c) 1, 3**

**d) 1, 2, 3**

**उत्तर: b)**

फिएट मनी वह मुद्रा है जिसे सरकार ने कानूनी निविदा घोषित किया है, लेकिन यह एक भौतिक वस्तु द्वारा समर्थित नहीं होती है। फिएट मनी का मूल्य आपूर्ति और मांग के बीच के संबंध से निर्धारित होता है। क्योंकि फिएट मनी भौतिक भंडार से जुड़ी नहीं होती है, **इससे संबंधित जोखिम हाइपरइन्फ्लेशन के कारण बेअसर हो जाता है।**

**1) नकद आरक्षित अनुपात संदर्भित करता है**

**a) शुद्ध मांग और समय देयताओं का हिस्सा जिसे बैंकों को अपने नकद भंडार के हिस्से के रूप में रखना होता है**

**b) बैंकों के भंडार में नकद आरक्षण का अनुपात**

**c) शुद्ध मांग और समय देयताओं का हिस्सा जिसे बैंकों को आरबीआई के पास नकद जमा के रूप में रखना होता है**

**d) शुद्ध मांग और समय देयताओं का हिस्सा जिसे बैंकों को तरल संपत्ति के रूप में रखना होता है**

**उत्तर: c)**

**नगद आरक्षित अनुपात (Cash Reserve Ratio: CRR)** का तात्पर्य भारत में एक अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक के कुल निवल मांग और मीयादी देयता (NDTL) के अंश से है, जिसे भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) के पास नकद जमा के रूप में बनाए रखना होता है। यह देश के सभी बैंकों पर समान रूप से लागू होता है, चाहे किसी भी बैंक की वित्तीय स्थिति या आकार कुछ भी हो। इसके विपरीत, कुछ देश उदाहरण के लिए चीन 'बड़े' और 'छोटे' बैंकों के लिए अलग-अलग आरक्षित आवश्यकताओं को निर्धारित करता है।

RBI अधिनियम 1934 के अनुसार, सभी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों (जिसमें सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के बैंक, विदेशी बैंक, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक और सहकारी बैंक शामिल हैं) को RBI के पास सीआरआर आवश्यकता के लिए पाक्षिक आधार पर नकदी संतुलन बनाए रखना आवश्यक होता हैं।

**2) निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए।**

**1. नाममात्र जीडीपी की गणना इस तरह की जाती है कि वस्तुओं और सेवाओं का मूल्यांकन कुछ स्थिर कीमतों पर किया जाता है।**

**2. यदि वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद में परिवर्तन होता है, तो इसका तात्पर्य है कि उत्पादन की मात्रा में परिवर्तन हो रहा है।**

**3. सांकेतिक जीडीपी और वास्तविक जीडीपी का अनुपात हमें इस बात का अंदाजा देता है कि कीमतें आधार वर्ष से चालू वर्ष में कैसे परिवर्तित हो रही हैं।**

**उपरोक्त में से कौन सा/से कथन सही है/हैं?**

**a) 1, 2**

**b) 1, 3**

**c) 2, 3**

**d) 1, 2, 3**

**उत्तर: c)**

विभिन्न देशों के सकल घरेलू उत्पाद के आंकड़ों (और अन्य व्यापक आर्थिक चर) की तुलना करने के लिए या अलग-अलग समय पर एक ही देश के सकल घरेलू उत्पाद के आंकड़ों की तुलना करने के लिए, हम मौजूदा बाजार मूल्यों पर मूल्यांकन किए गए जीडीपी पर भरोसा नहीं कर सकते। तुलना के लिए हम वास्तविक जीडीपी की मदद लेते हैं। **वास्तविक जीडीपी की गणना इस तरह की जाती है कि वस्तुओं और सेवाओं का मूल्यांकन कुछ स्थिर कीमतों (या स्थिर कीमतों) पर किया जाता है।**

चूंकि ये कीमतें स्थिर रहती हैं, यदि वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद में परिवर्तन होता है, तो हम यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि यह उत्पादन की मात्रा है जो परिवर्तन के दौर से गुजर रही है। दूसरी ओर, नाममात्र सकल घरेलू उत्पाद, मौजूदा प्रचलित कीमतों पर सकल घरेलू उत्पाद का मूल्य होता है।

**3) ओपन मार्केट ऑपरेशंस के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए**

**1. ओपन मार्केट ऑपरेशंस से तात्पर्य खुले बाजार में सरकार द्वारा जारी बांडों की खरीद और बिक्री से है।**

**2. आरबीआई द्वारा बांड की बिक्री से अर्थव्यवस्था में कुल भंडार में वृद्धि होती है और इस प्रकार मुद्रा आपूर्ति में वृद्धि होती है।**

**उपरोक्त में से कौन सा/से कथन सही नहीं है/हैं?**

**a) केवल 1**

**b) केवल 2**

**c) 1 और 2 दोनों**

**d) न तो 1 न ही 2**

**उत्तर: b)**

ओपन मार्केट ऑपरेशंस से तात्पर्य खुले बाजार में सरकार द्वारा जारी बांडों की खरीद और बिक्री से है। यह खरीद और बिक्री सरकार की ओर से केंद्रीय बैंक को सौंपी जाती है। आरबीआई (निजी व्यक्तियों या संस्थानों को) द्वारा एक बांड की बिक्री से भंडार की मात्रा में कमी आती है और इसलिए धन की आपूर्ति होती है।

**4) निम्नलिखित में से कौनसा रुपये का मूल्यह्रास (rupee depreciation) का परिणाम नहीं है?**

**a) निर्यात का प्रतिस्पर्धी होना**

**b) आयात की लागत में वृद्धि होना**

**c) विदेश से प्राप्त विप्रेषण में कमी**

**d) विदेश यात्राओं का महंगा होना**

**उत्तर: c)**

रुपये का मूल्यह्रास आयातकों या उन लोगों को बुरी तरह प्रभावित करता है जो छुट्टियों के लिए विदेश जाना चाहते हैं क्योंकि उन्हें समान सेवा या उत्पाद प्राप्त करने के लिए अधिक स्थानीय मुद्रा की आवश्यकता होती है।

जब रुपये में गिरावट आती है तो भारत के निर्यातकों को फायदा होता है। (जैसे: सॉफ्टवेयर कंपनियां, सीफूड निर्यातक आदि)

**रुपये के मूल्यह्रास से प्रवासी भारतीयों को लाभ होता है क्योंकि जो लोग विदेश में काम कर रहे हैं उन्हें अपनी मातृभूमि में धन भेजने से अधिक लाभ होगा।**

**5) निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए।**

**1. बांड एक निश्चित अवधि में मौद्रिक प्रतिफल देने वाले कागजात हैं।**

**2. धन की आकस्मिक मांग सीधे ब्याज दर से संबंधित है।**

**उपरोक्त में से कौन सा/से कथन सही है/हैं?**

**a) केवल 1**

**b) केवल 2**

**c) 1 और 2 दोनों**
**d) न तो 1 न ही 2**

**उत्तर: a)**

**आमतौर पर, बांड एक निश्चित अवधि में मौद्रिक प्रतिफल देने वाले कागजात हैं।** ये कागजात सरकारों या फर्मों द्वारा जनता से पैसा उधार लेने के लिए जारी किए जाते हैं और इनका बाजार में व्यापार किया जा सकता है।

जब ब्याज दर बहुत अधिक होती है, तो हर कोई भविष्य में इसके गिरने की उम्मीद करता है और इसलिए बॉन्ड-होल्डिंग से पूंजीगत लाभ की उम्मीद करता है। इसलिए लोग अपने पैसे को बांड में बदल देते हैं। इस प्रकार, पैसे की आकस्मिक मांग कम है। जब ब्याज दर नीचे आती है, तो अधिक से अधिक लोग भविष्य में इसके बढ़ने की उम्मीद करते हैं और उनमें पूंजीगत हानि की आशंका होती है। **इस प्रकार, वे पैसे की उच्च आकस्मिक मांग को जन्म देते हुए अपने बांड को पैसे में बदल देते हैं। इसलिए पैसे की आकस्मिक मांग ब्याज दर से विपरीत रूप से संबंधित होती है।**

**1) वाणिज्यिक पत्र (सीपी) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए।**
**1. वाणिज्यिक पत्र (सीपी) एक वचन पत्र के रूप में जारी किया गया एक सुरक्षित मुद्रा बाजार साधन है।**
**2. सीपी को अंकित मूल्य से छूट पर जारी किया जाता है जैसा कि जारीकर्ता द्वारा निर्धारित किया जाता है।**
**3. सभी कॉरपोरेट स्वत: ही सीपी जारी करने के पात्र हैं।**
**उपरोक्त में से कौन सा/से कथन सही है/हैं?**
**a) 1, 2**
**b) केवल 2**
**c) 2, 3**
**d) 1, 3**

**उत्तर: b)**

वाणिज्यिक पत्र (सीपी) एक असुरक्षित मुद्रा बाजार साधन है जिन्हें एक वचन पत्र के रूप में जारी किया जाता है।
सीपी को अंकित मूल्य से छूट पर जारी किया जाता है जैसा कि जारीकर्ता द्वारा निर्धारित किया जाता है।

**वाणिज्यिक पत्र जारी करने के लिए विशेषाधिकार प्राप्त करने के लिए कॉर्पोरेट्स को निम्नलिखित शर्तों को पूरा करना होता हैं:**
नवीनतम लेखापरीक्षित तुलन-पत्र के अनुसार, कंपनी की वास्तविक निवल संपत्ति 4 करोड़ से कम नहीं होनी चाहिए।
कंपनियों के पास बैंकों या किसी वित्तीय संस्थान (FI) द्वारा 'स्वीकृत कार्यशील पूंजी सीमा' होनी चाहिए।
वित्तीय संस्थानों या बैंकों को 'उधार खाते' को एक मानक परिसंपत्ति के रूप में वर्गीकृत करना चाहिए।

**2) राहन वक्र (Rahn Curve) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए।**
**a) यह वर्णन करता है कि किसी विशेष वस्तु या सेवा पर घरेलू व्यय घरेलू आय के सापेक्ष कैसे भिन्न होता है।**
**b) यह बेरोजगारी और जॉब रिक्तता दर के बीच संबंधों का एक ग्राफिकल प्रदर्शन है।**
**c) यह एक ग्राफ है जो यह दर्शाता है कि सरकारी खर्च का एक स्तर आर्थिक विकास को अधिकतम करता है।**
**d) यह समय के साथ किसी भी सीमित संसाधन की संभावित उत्पादन दर की भविष्यवाणी करने की एक विधि है।**

**उत्तर: c)**

राहन वक्र आर्थिक सिद्धांत को चित्रित करने के लिए उपयोग किया जाने वाला एक ग्राफ है, **जिसे अमेरिकी अर्थशास्त्री रिचर्ड डब्ल्यू. रहन द्वारा 1996 में प्रस्तावित किया गया था,** जो यह इंगित करता है कि सरकारी खर्च का एक स्तर आर्थिक विकास को अधिकतम कर सकता है। इस सिद्धांत का उपयोग शास्त्रीय उदारवादियों द्वारा समग्र सरकारी खर्च और कराधान में कमी के तर्क के लिए किया जाता है। उल्टे-यू-आकार का वक्र यह दर्शाता है कि सरकारी खर्च का इष्टतम स्तर जीडीपी का 15-25% है।

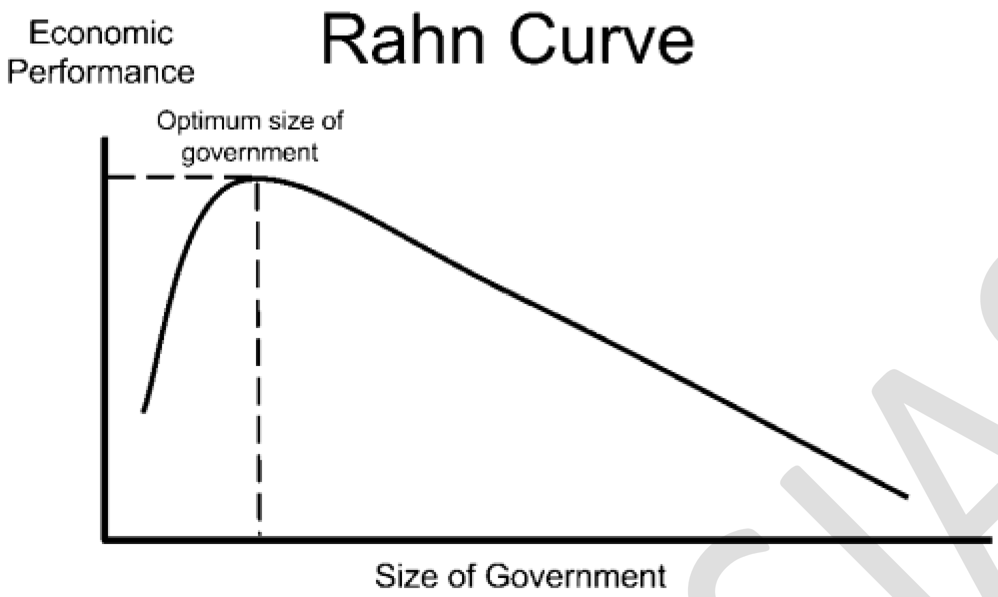


**3) समाचारों में प्राय: चर्चित 'स्टैगफ्लेशन (Stagflation)' अर्थव्यवस्था में किन परिस्थितियों में उत्पन्न हो सकती है**

**1.** मुद्रास्फीति
**2.** निम्न आर्थिक विकास
**3.** उच्च रोजगार

सही उत्तर कूट चुनिए:
**a) 2, 3**
**b) 1, 2**
**c) 1, 3**
**d) 1, 2, 3**

उत्तर: **b)**

स्टैगफ्लेशन की विशेषता धीमी आर्थिक विकास और अपेक्षाकृत उच्च बेरोजगारी - या आर्थिक स्थिरता है- जो एक ही समय में बढ़ती कीमतों (यानी मुद्रास्फीति) के साथ होती है। स्टैगफ्लेशन को वैकल्पिक रूप से सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में गिरावट के साथ संयुक्त मुद्रास्फीति की अवधि के रूप में भी परिभाषित किया जा सकता है।

**4) निम्नलिखित में से कौन सा कथन मेजेनाइन फाइनेंसिंग (Mezzanine financing) शब्द का सबसे अच्छा वर्णन करता है?**
**a)** यह कंपनियों द्वारा अल्पावधि ऋण के लिए उपयोग किया जाने वाला एक वित्तीय साधन है।
**b)** यह उच्च विकास वाले स्टार्ट-अप में निवेश करने के लिए उद्यम पूंजी द्वारा उपयोग किया जाने वाला एक वित्तपोषण तंत्र है।
**c)** यह एक वित्तीय साधन है जो ऋण और इक्विटी वित्तपोषण का एक मिश्रण है
**d)** उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर: **c)**

मेजेनाइन फाइनेंसिंग ऋण और इक्विटी वित्तपोषण का एक मिश्रण है जो ऋणदाता को डिफ़ॉल्ट के मामले में कंपनी में ऋण को आमतौर पर, उद्यम पूंजी कंपनियों और अन्य वरिष्ठ उधारदाताओं के भुगतान के बाद इक्विटी ब्याज में बदलने का अधिकार देता है। **जोखिम के संदर्भ में, इसमें जोखिम ऋण से अधिक और इक्विटी कम होता है।**

**5) कारक आय (Factor Income) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए।**
**1. कारक आय वह आय है जो उत्पादन के कारकों से प्राप्त होती है।**
**2. किसी देश के सभी सामान्य निवासियों की कारक आय को राष्ट्रीय आय कहा जाता है।**
**3. इसका उपयोग आय वितरण में असमानताओं को उजागर करने के लिए किया जा सकता है।**
**उपरोक्त में से कौन सा/से कथन सही है/हैं?**

**a) 1, 2**
**b) 1, 3**
**c) 2, 3**
**d) 1, 2, 3**

**उत्तर: d)**

**कारक आय वह आय है जो उत्पादन के कारकों (वस्तु और सेवाओं के उत्पादन के लिए आवश्यक सामान्य इनपुट) से प्राप्त होती है।**
भूमि के उपयोग पर होने वाली आय को लगान कहा जाता है, श्रम से उत्पन्न आय को मजदूरी कहा जाता है, और पूंजी से उत्पन्न आय को लाभ कहा जाता है।
**किसी देश के सभी सामान्य निवासियों की कारक आय को राष्ट्रीय आय के रूप में संदर्भित किया जाता है, जबकि कारक आय और वर्तमान अंतरण को एक साथ निजी आय के रूप में संदर्भित किया जाता है।**

**व्यापक आर्थिक विश्लेषण में कारक आय का सबसे अधिक उपयोग किया जाता है, जिससे सरकारों को सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) और सकल राष्ट्रीय उत्पाद (जीएनपी) के बीच अंतर निर्धारित करने में मदद मिलती है।**
इसका उपयोग आय वितरण में असमानताओं को उजागर करने के लिए भी किया जा सकता है।

# History

**1) निम्नलिखित में से कौन सा खाद्यान्न हड़प्पा सभ्यता में व्यापक रूप से पाया जाता था?**

**1. गेहूं**

**2. चावल**

**3. जौ**

**4. चना**

**सही उत्तर कूट चुनिए:**

**a) 1, 3, 4**

**b) 1, 2**

**c) 2, 3, 4**

**d) 1, 2, 3, 4**

हड़प्पावासी मछली सहित कई प्रकार के पशु और पौधे जैसे उत्पादों का सेवन करते थे। पुरातत्वविदों ने अनाज और बीजों की खोज से इनकी आहार प्रथाओं का पता लगाया है। हड़प्पा स्थलों में पाए जाने वाले अनाज में गेहूं, जौ, मसूर, चना और तिल शामिल हैं। बाजरा गुजरात के स्थलों से पाया गया है। चावल कुछ ही स्थानों पर मिले हैं।

**2) मध्यकालीन भारतीय शासकों के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही है?**

**a) मुहम्मद बिन तुगलक के बाद उसके चाचा ने सेना को संभाला।**

**b) बलबन ने अपनी सेना में घोड़ों की दाग प्रथा की शुरुआत की।**

**c) फिरोज शाह तुगलक ने दासों का एक अलग विभाग स्थापित किया।**

**d) अलाउद्दीन खिलजी ने सबसे पहले एक अलग सैन्य विभाग की स्थापना की।**

**उत्तर: c)**

फिरोज शाह तुगलक ने अनाथों और विधवाओं की देखभाल के लिए **दीवान-ए-खैरात (दान विभाग) नामक एक नए विभाग** की स्थापना की। दार-उल-शफा जैसे मुफ्त अस्पताल और गरीब मुसलमानों के लिए मैरिज ब्यूरो भी स्थापित किए गए। उसने गुलामों का विभाग या दीवान-ए-बंदगान का भी निर्माण किया।

मुहम्मद बिन तुगलक का उत्तराधिकारी उसका **चचेरा भाई (चाचा नहीं) फिरोज शाह तुगलक था।**

अला-उद-दीन खिलजी ने विशेष रूप से युद्धों के लिए उपयोग किए जाने वाले घोड़ों के लिए दाग प्रथा (प्रत्येक सैनिक के लिए एक पहचान पत्र प्रणाली) की शुरुआत की। **दाग और चेहरा सेना में 2 महत्वपूर्ण सुधार थे।**

**दीवान-ए-अर्ज** की स्थापना बलबन ने की थी। दीवान-ए-अर्ज मूल रूप से एरिज-ए-ममालिक द्वारा प्रबंधित सैन्य विभाग था। वह शाही सेना के नियमन और संरक्षण के लिए जवाबदेह था।

**3) चौथ और सरदेशमुखी करों की कल्पना किसके समय में की गई थी**

**a) माधवराव**

**b) शिवाजी**

**c) बालाजी बाजीराव**

**d) जहांगीर**

**उत्तर: b)**

**चौथ और सरदेशमुखी शिवाजी के समय में लगाए गए कर थे।**

चौथ कुल राजस्व का **1/4** भाग था जिसे गैर-मराठा क्षेत्रों से मराठा आक्रमण से बचने के बदले में वसूला जाता था।। बदले में कर का भुगतान करने वाले राज्य को दुश्मन राज्य के खिलाफ मराठा सेना से गैर-आक्रामकता का आश्वासन मिलता था।
'सरदेशमुखी' एकत्रित 'चौथ' पर लगाया जाने वाला अतिरिक्त **10% कर** था। अतिरिक्त कर का कारण राजा द्वारा कर संग्रह पर वंशानुगत अधिकारों का दावा करना था।

**4) निम्नलिखित में से परिषदों में कौन-सी स्वराजवादी गतिविधियों की उपलब्धियाँ थीं?**

**1. उन्होंने मोंटफोर्ड योजना के खोखलेपन को उजागर किया।**

**2. विठ्ठलभाई पटेल केंद्रीय विधान सभा के अध्यक्ष चुने गए।**

**3. सार्वजनिक सुरक्षा विधेयक की विफलता।**

**सही उत्तर कूट चुनिए:**

**a) 1, 2**

**b) 1, 3**

**c) 2, 3**

**d) 1, 2, 3**

**उत्तर: d)**

**उपलब्धियां**

(i) गठबंधन सहयोगियों के साथ, उन्होंने बजटीय अनुदान से संबंधित मामलों पर भी कई बार सरकार को वोट दिया और स्थगन प्रस्ताव पारित किया।

(ii) उन्होंने स्वशासन, नागरिक स्वतंत्रता और औद्योगीकरण पर शक्तिशाली भाषणों के माध्यम से विरोध किया।

(iii) विठ्ठलभाई पटेल 1925 में केंद्रीय विधान सभा के अध्यक्ष चुने गए।

(iv) एक उल्लेखनीय उपलब्धि 1928 में सार्वजनिक सुरक्षा विधेयक को निष्फल किया, जिसका उद्देश्य अवांछित और विद्रोही विदेशियों को निर्वासित करने के लिए सरकार को सशक्त बनाना था।

(v) अपनी गतिविधियों से, उन्होंने तत्कालीन राजनीतिक शून्यता को भर दिया जब राष्ट्रीय आंदोलन को इसकी तत्काल आवश्यकता थी।

(vi) उन्होंने मोंटफोर्ड योजना के खोखलेपन को उजागर किया।

(vii) उन्होंने प्रदर्शित किया कि परिषदों का रचनात्मक उपयोग किया जा सकता है।

**5) निम्नलिखित में से कौन भारत सरकार अधिनियम, 1919 की विशेषताएं थीं?**

**1. महिलाओं को वोट देने का अधिकार दिया गया।**

**2. एक द्विसदनीय व्यवस्था शुरू की गई थी।**

**3. गवर्नर विधेयकों को वीटो कर सकता था और अध्यादेश जारी कर सकता था।**

**4. गवर्नर-जनरल ने प्रांतों में "आरक्षित" विषयों पर पूर्ण नियंत्रण बनाए रखा।**

**सही उत्तर कूट चुनिए**

**a) 1, 2, 3**

**b) 1, 3, 4**

**c) 2, 3, 4**

**d) 1, 2, 3, 4**

**उत्तर: d)**

**मोंटफोर्ड सुधारों की मुख्य विशेषताएं**

**(1) प्रांतीय सरकार-द्वैध शासन की शुरुआत:**

**(ए) कार्यकारी:**

द्वैध शासन, यानी, दो-कार्यकारी पार्षदों और लोकप्रिय मंत्रियों का शासन शुरू किया गया था। गवर्नर को प्रांत में कार्यकारी प्रमुख बनाया गया।

विषयों को दो विषयों में विभाजित किया गया था: "आरक्षित" विषय जिसमें कानून और व्यवस्था, वित्त, भूमि राजस्व, सिंचाई आदि जैसे विषय शामिल थे और शिक्षा, स्वास्थ्य, स्थानीय सरकार, उद्योग, कृषि, उत्पाद शुल्क, आदि जैसे "स्थानांतरित" विषय में शामिल थे।

"आरक्षित" विषयों को राज्यपाल द्वारा नौकरशाहों की कार्यकारी परिषद के माध्यम से प्रशासित किया जाना था, और "स्थानांतरित" विषयों को विधान परिषद के निर्वाचित सदस्यों में से नामित मंत्रियों द्वारा प्रशासित किया जाना था।



INSIGHTSIAS

मंत्रियों को विधायिका के प्रति जिम्मेदार होना था और यदि विधायिका द्वारा उनके खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पारित किया गया था, तो उन्हें इस्तीफा देना पड़ा था, जबकि कार्यकारी पार्षद विधायिका के प्रति जिम्मेदार नहीं थे।

प्रांत में संवैधानिक तंत्र की विफलता के मामले में राज्यपाल "स्थानांतरित" विषयों के प्रशासन को भी अपने हाथ में ले सकता है।

भारत के राज्य सचिव और गवर्नर जनरल आरक्षित विषयों के संबंध में हस्तक्षेप कर सकते थे, जबकि स्थानांतरित विषयों के संबंध में उन्हें हस्तक्षेप करने का अधिकार प्राप्त नहीं था।

**(बी) विधानमंडल:**

प्रांतीय विधान परिषदों का और अधिक विस्तार किया गया तथा 70% सदस्यों का चुनाव किया जाना था।
सांप्रदायिक और वर्गीय मतदाताओं की व्यवस्था को और मजबूत किया गया।
महिलाओं को भी वोट देने का अधिकार दिया गया।
विधान परिषदें कानून बना सकती थीं लेकिन गवर्नर की सहमति की आवश्यकता होती थी। गवर्नर विधेयकों पर वीटो कर सकता था और अध्यादेश जारी कर सकता था।
विधान परिषदें बजट को अस्वीकार कर सकती हैं लेकिन यदि आवश्यक हो तो गवर्नर इसे पुनः बहाल कर सकता था।
विधायकों को अभिव्यक्ति की आजादी थी।

**(2) केंद्र सरकार- बिना उत्तरदायी सरकार के:**

**(ए) कार्यपालिका:**

गवर्नर-जनरल को मुख्य कार्यकारी प्राधिकारी बनाया गया।
प्रशासन के लिए दो सूचियाँ बनाई गई - केंद्रीय और प्रांतीय।
वायसराय की 8 सदस्यीय कार्यकारी परिषद में तीन भारतीयों को शामिल किया गया।
गवर्नर-जनरल ने प्रांतों में "आरक्षित" विषयों पर पूर्ण नियंत्रण बनाए रखा।
गवर्नर जनरल को अनुदानों में कटौती करने का अधिकार था, वह केंद्रीय विधायिका द्वारा लौटा दिये गए बिलों को प्रमाणित कर सकता था तथा अध्यादेश जारी कर सकता था।

**(बी) विधानमंडल:**

एक द्विसदनीय व्यवस्था की शुरुआत की गई थी।
राज्य परिषद का कार्यकाल 5 वर्ष का था और इसमें केवल पुरुष सदस्य थे, जबकि केंद्रीय विधान सभा का कार्यकाल 3 वर्ष था।
सदस्य प्रश्न पूछ सकते थे और पूरक स्थगन प्रस्ताव पारित कर सकते थे और बजट के एक हिस्से पर मतदान कर सकते थे, लेकिन 75% बजट पर अभी भी मतदान नहीं किया जा सकता था।
कुछ भारतीयों ने वित्त सहित महत्वपूर्ण समितियों में अपना स्थान बनाया।

**1) रैयतवाड़ी व्यवस्था के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए।**

**1. इसे थॉमस मुनरो ने लागु किया था।**

**2. इसमें किसानों को स्वामित्व अधिकार दिए गए थे।**

**3. इसे ब्रिटिश भारत के मद्रास, बॉम्बे, असम के कुछ हिस्सों और कूर्ग प्रांत में लागु किया गया था।**

**उपरोक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?**

**a) 1, 2**
**b) 1, 3**
**c) 2, 3**
**d) 1, 2, 3**

**उत्तर: d)**

**रैयतवारी व्यवस्था ब्रिटिश भारत में एक भू-राजस्व प्रणाली थी, जिसे 1820 में सर थॉमस मुनरो द्वारा कैप्टन अलेक्जेंडर रीड द्वारा प्रशासित प्रणाली के आधार पर शुरू किया गया था।** यह व्यवस्था जमींदारी व्यवस्था के ठीक विपरीत थी। इस व्यवस्था में किसानों को स्वामित्व अधिकार दिया जाता था। इसे पहली बार मद्रास प्रेसीडेंसी में लागु किया गया था। बाद में इसे बॉम्बे, बंगाल के कुछ हिस्सों, असम, कुर्ग आदि में लागु कर दिया गया।

**2) इल्बर्ट बिल विवाद को भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन के इतिहास में एक महान विभाजक माना जाता है। क्योंकि**

**1. भारतीय और यूरोपीय के बीच नस्लीय भेदभाव**

**2. सरकार द्वारा स्थानीय भाषा के समाचार पत्रों का दमन और उनका राष्ट्रीयकरण**

**3. विशेषकर उत्तर-पश्चिमी सीमा पर भारतीय सीमाओं पर सुरक्षा चूक**

**सही उत्तर कूट का चयन कीजिए:**

**a) केवल 1**

**b) 1, 2**

**c) 2, 3**

**d) 1, 3**

**उत्तर: a)**

**लॉर्ड रिपन भारत में प्रचलित दो कानूनों को समाप्त करना चाहता था।**

कानून प्रणाली के अनुसार, किसी यूरोपीय व्यक्ति की केवल एक यूरोपीय न्यायाधीश या एक यूरोपीय मजिस्ट्रेट द्वारा ही सुनवाई की जा सकती थी।

सी.पी. इल्बर्ट (लॉ मेंबर) ने 1883 में न्यायपालिका में इस भेदभाव को समाप्त करने के लिए एक विधेयक पेश किया। लेकिन यूरोपीय लोगों ने इस विधेयक का अत्यधिक विरोध किया।

यहां तक कि उन्होंने एक लाख पचास हजार रुपये का फंड जुटाया और डिफेंस एसोसिएशन नामक एक संगठन की स्थापना की।

उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि भारतीय न्यायाधीशों और मजिस्ट्रेटों द्वारा सुनवाई करने के बजाये भारत में अंग्रेजी शासन को समाप्त करना बेहतर था।

इंग्लैंड में प्रेस में यह मुद्दा प्रकाशित हुआ। इसलिए, रिपन ने भारत और इंग्लैंड में अंग्रेजी को संतुष्ट करने के लिए बिल में संशोधन किया।

**3) 1911 में बंगाल विभाजन को किसके द्वारा रद्द कर दिया गया था**

**a) लॉर्ड मिंटो**

**b) लॉर्ड हार्डिंग**

**c) लॉर्ड चेम्सफोर्ड**

**d) लॉर्ड कर्जन**

**उत्तर: b)**

जुलाई 1905 में कर्जन ने अविभाजित बंगाल प्रेसीडेंसी के विभाजन की घोषणा की। 1905 में कर्जन ब्रिटेन चला गया, लेकिन यह आंदोलन कई वर्षों तक जारी रहा। अंततः 1911 में लॉर्ड हार्डिंग द्वारा अथक विरोध के कारण विभाजन को रद्द कर दिया गया।

**4) 1720 में, ब्रिटिश सरकार ने कैलिको अधिनियम निर्मित किया था। यह किससे संबंधित है?**

**a) भारतीयों को सिविल सेवा में प्रवेश करने से रोकना**

**b) कंपनी के अधिकारियों को निजी व्यापार से रोकना**

**c) भारत से आयातित मुद्रित सूती वस्त्रों के उपयोग पर प्रतिबंध।**

**d) कंपनी मामलों में अंग्रेजी भाषा का अनिवार्य उपयोग**

**उत्तर: c)**

**कैलिको अधिनियम ने इंग्लैंड में अधिकांश सूती वस्त्रों के आयात पर प्रतिबंध लगा दिया,** इसके बाद अधिकांश सूती वस्त्रों की बिक्री पर प्रतिबंध लगा दिया। यह आर्थिक संरक्षणवाद का एक रूप था, जो मुख्य रूप से भारत (विशेषकर बंगाल) के जवाब में था, जिसका तत्कालीन विश्व सूती कपड़ा बाजारों पर प्रभुत्व था। यह अधिनियम औद्योगिक क्रांति का अग्रदूत था, जब ब्रिटेन ने अंततः 19वीं शताब्दी में दुनिया के अग्रणी कपड़ा निर्माता के रूप में भारत को पीछे छोड़ दिया।

**5) 1945 में शिमला सम्मेलन की वेवेल योजना निम्नलिखित में से किससे संबंधित थी?**

**1. भारत का विभाजन**

**2. कार्यकारी परिषद में किसी भी जाति और धर्म के आधार पर कोटा समाप्त करना**

**3. वायसराय की कार्यकारी परिषद का भारतीयकरण**

**सही उत्तर कूट चुनिए:**

**a) 1, 2**

**b) 2, 3**

**c) केवल 1**

**d) 1, 2, 3**

**उत्तर: c)**

योजना के अनुसार, वायसराय और कमांडर-इन-चीफ को छोड़कर परिषद के सभी सदस्य भारतीय होंगे। इसके अनुसार, परिषद में हिंदू और मुस्लिम का समान प्रतिनिधित्व होगा। **इसने भारत के भविष्य के संविधान का प्रस्ताव रखा, न कि इसके विभाजन का।**

# Governance

**1) निम्नलिखित में से कौन सा सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों द्वारा बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की विफलता का कारण हो सकता है?**

**1. अप्रभावी शासन**

**2. लागत में वृद्धि**

**3. इष्टतम इनपुट-आउटपुट अनुपातजिसे शायद ही कभी देखा जाता है जिससे अधिक पूंजीकरण होता है**

**4. अंतर-मंत्रालयी/विभागीय समन्वय का अभाव**

**सही उत्तर कूट चुनिए:**

**a) 1, 2, 3**

**b) 1, 3, 4**

**c) 2, 3, 4**

**d) 1, 2, 3, 4**

**उत्तर: d)**

सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों की विफलता का प्राथमिक कारण कोई रहस्य नहीं है। लागत में वृद्धि, अन्य बातों के साथ-साथ, प्रमुख कारणों में से एक है। कुछ मामलों में, परियोजना के पूरा होने का समय अधिक हो जाता है, **जिससे परियोजना की लागत इतनी बढ़ जाती है कि या तो परियोजना शुरू होने के समय ही अव्यवहार्य हो जाती है या इसके ब्रेक ईवन पॉइंट में देरी हो जाती है।**

इसके अलावा, अधिकांश सरकारी ढांचागत परियोजनाओं में इष्टतम इनपुट-आउटपुट अनुपात जिसे शायद ही कभी देखा जाता है, जिससे उनका अधिक पूंजीकरण होता है। श्रम सुधारों को लागू करने में देरी, अंतर-मंत्रालयी/विभागीय समन्वय की कमी, खराब निर्णय लेने, अप्रभावी शासन और अत्यधिक सरकारी नियंत्रण सार्वजनिक ढांचागत संपत्तियों की विफलता के अन्य कारण हैं।

**2) निम्नलिखित में से कौन से कर्मचारी केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण (CAT) के अंतर्गत आते है?**
**a) संसद के सचिवीय कर्मचारी**
**b) उच्चतम न्यायालय के अधिकारी और सेवक**
**c) रक्षा बलों के कर्मचारी**
**d) उपर्युक्त में से कोई नहीं**

**उत्तर: d)**

**केन्द्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण (CAT) की स्थापना 1985 में दिल्ली में प्रधान पीठ और विभिन्न राज्यों में अतिरिक्त पीठों के साथ की गई थी।** CAT भर्ती और इसके अंतर्गत आने वाले लोक सेवकों से संबंधित सभी सेवा मामलों के संबंध में मूल अधिकारिता का प्रयोग करता है। इसका अधिकार क्षेत्र अखिल भारतीय सेवाओं, केंद्रीय सिविल सेवाओं, केंद्र के तहत सिविल पदों और रक्षा सेवाओं के सिविल कर्मचारियों तक है। हालाँकि, रक्षा बलों के कर्मचारी, सर्वोच्च न्यायालय के अधिकारी और सेवक तथा संसद के सचिवीय कर्मचारी इसके दायरे में नहीं आते हैं।

**3) निम्नलिखित में से कौनसे नागरिक चार्टर के लाभ हैं?**
**1. सेवाएं प्रदान करने वाले व्यक्तियों और संगठनों पर जवाबदेही बनाना**
**2. करदाताओं के पैसे की निगरनी करना**
**3. सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार करता है**
**4. यह निर्दिष्ट करना कि मानकों को पूरा न करने पर क्या अपेक्षा की जाए और कैसे कार्य किया जाए**
**सही उत्तर कूट चुनिए:**
**a) 1, 2, 3**
**b) 1, 3, 4**
**c) 1, 2, 3, 4**
**d) 2, 3, 4**

**उत्तर: c)**

**नागरिक चार्टर के मूल सिद्धांत और इसका महत्व**

**इसे पहली बार 1991 में यूके में एक राष्ट्रीय कार्यक्रम के रूप में अपनाया और कार्यान्वित किया गया था।** नागरिक चार्टर का मूल उद्देश्य सार्वजनिक सेवा वितरण के संबंध में नागरिक को सशक्त बनाना है।
**नागरिक चार्टर आंदोलन में मूल रूप से छह सिद्धांत तैयार किए गए थे:**
**(i) गुणवत्ता** :सेवा की गुणवत्ता में सुधार करना,
**(ii) विकल्प :** जहां कहीं संभव हो;
**(iii) मानक :** बताएं कि क्या प्रत्याशा है तथा किस प्रकार प्रतिक्रिया करे, यदि मानक पूरे नहीं हों;
**(iv) मूल्य :** करदाताओं के धन के संदर्भ में;
**(v) जवाबदेही :** वैयक्तिक और संगठन तथा
**(vi) पारदर्शिता :** नियमावली/प्रक्रियाएं/स्कीमें/शिकायत।

**4) कभी-कभी समाचारों में चर्चित 'दर्पण (DARPAN) पहल' संबंधित है?**

**a) स्कूली शिक्षा की गुणवत्ता और प्रशासन में सुधार करना**

**b) विकास गतिविधियों में संलग्न सभी स्वैच्छिक संगठनों/गैर सरकारी संगठनों के लिए एक मंच प्रदान करना।**

**c) देश भर में टीकाकरण कवरेज का विस्तार करना**

**d) आपदा की तैयारी, और स्वास्थ्य आपात स्थितियों के दौरान प्रतिक्रिया करना**

**उत्तर: b)**

**NGO-DARPAN** एक ऐसा मंच है जो देश में गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ)/स्वैच्छिक संगठनों (वीओ) और प्रमुख सरकारी मंत्रालयों/विभागों/सरकारी निकायों के बीच इंटरफेस स्थापित करता है।

इसे गैर सरकारी संगठनों / स्वैच्छिक संगठनों और भारत सरकार के बीच एक स्वस्थ साझेदारी बनाने और बढ़ावा देने के लिए प्रधान मंत्री कार्यालय की एक पहल के रूप में शुरू किया गया है। **अब यह देश में एनजीओ/वीओ के संबंध में डेटा और पारदर्शिता बनाए रखने के लिए नीति आयोग द्वारा पेश किया जाने वाला एक ई-गवर्नेंस एप्लिकेशन है।**

**5) ई-कोर्ट परियोजना के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए।**

**1. ई-कोर्ट परियोजना एक एकीकृत मिशन मोड परियोजना है, जो राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस योजना का हिस्सा है।**

**2. इसकी संकल्पना 'भारतीय न्यायपालिका में सूचना और संचार प्रौद्योगिकी के कार्यान्वयन के लिए राष्ट्रीय नीति और कार्य योजना' के आधार पर की गई है।**

**3. इसकी निगरानी और वित्त पोषण केंद्रीय गृह मंत्रालय करता है।**

**उपरोक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?**

**a) 1, 2**

**b) 1, 3**

**c) 2, 3**

**d) 1, 2, 3**

**उत्तर: a)**

राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस योजना के हिस्से के रूप में, ई-कोर्ट परियोजना भारतीय न्यायपालिका के आईसीटी विकास के लिए 2007 से कार्यान्वयन के तहत एक एकीकृत मिशन मोड परियोजना है, जो 'भारतीय न्यायपालिका में सूचना और संचार प्रौद्योगिकी के कार्यान्वयन के लिए राष्ट्रीय नीति और कार्य योजना' पर आधारित है।

**यह एक अखिल भारतीय परियोजना है, जिसकी निगरानी और वित्त पोषण न्याय विभाग, कानून और न्याय मंत्रालय द्वारा देश भर के जिला न्यायालयों के लिए किया जाता है।**

**1) 2020 का सामाजिक सुरक्षा कोड निम्नलिखित में से किसे सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के दायरे में लाता है, जिसमें उनका बीमा और स्वास्थ्य भी शामिल है?**

**1. असंगठित क्षेत्र**

**2. गिग वर्कर्स**

**3. प्लेटफार्म कार्यकर्ता**

**सही उत्तर कूट चुनिए:**

**a) केवल 1**

**b) 1, 2**

**c) 1, 3**

d) 1, 2, 3

उत्तर: d)

2020 का सामाजिक सुरक्षा कोड असंगठित क्षेत्र, गिग वर्कर्स और प्लेटफॉर्म वर्कर्स को उनके बीमा और स्वास्थ्य सहित सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के दायरे में लाता है।

**2) उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए।**

**1. यह अधिनियम किसी वस्तु या सेवा की गुणवत्ता या मात्रा के बारे में गलत जानकारी देने और भ्रामक विज्ञापन देने जैसे अपराधों को मान्यता देता है।**

**2. अधिनियम के तहत केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण का गठन किया गया है, जो एक सलाहकार निकाय है।**

**3. केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण का नेतृत्व उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय करेंगे।**

**उपरोक्त में से कौन सा/से कथन सही है/हैं?**

**a) केवल 1**

**b) 1, 2**

**c) 1, 3**

**d) 1, 2, 3**

उत्तर: a)

**केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (Central Consumer Protection Authority: CCPA)?**

उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 की धारा 10 (1) के तहत प्राधिकरण का गठन किया गया है। इसके द्वारा उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 1986 को प्रतिस्थापित किया गया है, और उपभोक्ता की चिंताओं को दूर करने हेतु इसके दायरे कोम विस्तृत किया गया। नए अधिनियम के तहत वस्तु या सेवा की गुणवत्ता और मात्रा के बारे में गलत जानकारी प्रदान करने एवं भ्रामक विज्ञापनों जैसे अपराधों की पहचान की जाती है। यह वस्तु और सेवाओं को "नुकसानदायक, खतरनाक या असुरक्षित" (dangerous, hazardous or unsafe) पाए जाने पर कार्रवाई किए जाने को भी निर्दिष्ट करता है।

**नए अधिनियम द्वारा गठित CCPA का उद्देश्य अनुचित व्यापार प्रथाओं, और झूठे एवं भ्रामक विज्ञापनों जो, जनता और उपभोक्ताओं के हितों के लिए हानिकारक हैं, पर रोक लगाकर उपभोक्ता के अधिकारों की रक्षा करना है।**

CCPA को उपभोक्ता अधिकारों या अनुचित व्यापार प्रथाओं के उल्लंघन से संबंधित मामलों में पूछताछ करने या जांच करने, या प्राप्त शिकायत पर, या केंद्र सरकार के निर्देश पर जांच करने की शक्तियां प्राप्त होंगी।

**3) उपभोक्ता मामलों के विभाग निम्नलिखित किनके कार्यान्वयन के लिए जिम्मेदार है**

**1. भारतीय मानक ब्यूरो अधिनियम, 2016**

**2. बाट और माप के मानक**

**3. आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955**

**4. प्रतीक और नाम (अनुचित प्रयोग की रोकथाम) अधिनियम, 1952**

**5. कालाबाजारी की रोकथाम**

**सही उत्तर कूट चुनिए:**

**a) 1, 2, 3, 5**

**b) 2, 3, 5**

**d) 2, 3, 4**

**d) 1, 2, 3, 4, 5**

उत्तर: d)

**उपभोक्ता मामले विभाग, उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के तहत दो विभागों में से एक है। जून 1997 में इसे एक अलग विभाग के रूप में गठित किया गया था।**

**विभाग को निम्नलिखित कार्य सौंपा गया है**
उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 का कार्यान्वयन।
भारतीय मानक ब्यूरो अधिनियम, 2016 का कार्यान्वयन
बाट और माप के मानकों का कार्यान्वयन - कानूनी माप विज्ञान अधिनियम, 2009।
डिब्बाबंद वस्तुओं का विनियमन।
आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 (1955 का 10) (आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति, मूल्य और वितरण पर किसी अन्य विभाग द्वारा विशेष रूप से कार्रवाई नहीं की गई)।
कालाबाजारी की रोकथाम और आवश्यक वस्तु की आपूर्ति का रखरखाव अधिनियम, 1980 (1980 का 7)।
कीमतों की निगरानी और आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता।
प्रत्यक्ष बिक्री
लीगल मेट्रोलॉजी में प्रशिक्षण।
प्रतीक और नाम (अनुचित प्रयोग की रोकथाम) अधिनियम, 1952।
विशिष्टताओं, मानकों और कोडों को निर्धारित करना और अंतिम उपयोग के लिए जैव-ईंधन का गुणवत्ता नियंत्रण सुनिश्चित करना।
उपभोक्ता सहकारिता
नेशनल टेस्ट हाउस।

**4) निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए।**
**1. भारत में सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम 2000 के अनुसार, किसी भी संदेश सेवा के व्यवस्थापक जैसे कि व्हाट्सएप को समूह में किसी सदस्य द्वारा की गई पोस्ट के लिए उत्तरदायी ठहराया जा सकता है।**
**2. प्रत्यधिकृत दायित्व का अर्थ है, एक व्यक्ति पर दूसरे व्यक्ति के गलत कार्यों के लिए लगाया गया उत्तरदायित्व।**
**3. प्रत्यधिकृत दायित्व केवल दीवानी मामलों पर लागू होता है न कि आपराधिक मामलों पर।**
**उपरोक्त में से कौन सा/से कथन सही है/हैं?**
**a) 1, 2**
**b) केवल 2**
**c) 2, 3**
**d) 1, 2, 3**

उत्तर: b)

**एक विशेष दंडात्मक कानून के अभाव में, एक समूह के सदस्य द्वारा आपत्तिजनक पोस्ट के लिए एक व्हाट्सएप ग्रुप के एडमिन को उत्तरदायी नहीं ठहराया जा सकता है।** ऐसा कोई कानून नहीं है जिसके द्वारा किसी संदेश सेवा के व्यवस्थापक को समूह में किसी सदस्य द्वारा की गई पोस्ट के लिए उत्तरदायी ठहराया जा सकता है। IT अधिनियम के तहत WhatsApp व्यवस्थापक मध्यस्थ नहीं हो सकता है।

**व्यापक अर्थ में प्रत्यधिकृत दायित्व, एक व्यक्ति पर दूसरे व्यक्ति के गलत कार्यों के लिए लगाया गया उत्तरदायित्व है। यह अक्सर नागरिक कानून के संदर्भ में होता है - उदाहरण के लिए, रोजगार के मामलों में।** एक आपराधिक संदर्भ में, प्रत्यधिकृत दायित्व (Vicarious liability) किसी व्यक्ति को किसी अन्य व्यक्ति द्वारा किए गए गलत कार्यों के लिए अपराध या आपराधिक दायित्व प्रदान करता है।

**5) "दुर्लभ बीमारियों के लिए राष्ट्रीय नीति, 2021" के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए।**
**1. डब्ल्यूएचओ दुर्लभ बीमारी को प्रति 10,000 लोगों पर 1 से कम की आवृत्ति के रूप में परिभाषित करता है।**

**2. राष्ट्रीय आरोग्य निधि के तहत दुर्लभ बीमारियों के इलाज के लिए केंद्र सरकार द्वारा वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी।**
**3. नीति के तहत दुर्लभ बीमारियों के इलाज की लागत को कवर करने के लिए क्राउडफंडिंग तंत्र का उपयोग का प्रावधान करती है।**
**उपरोक्त में से कौन सा/से कथन सही है/हैं?**

**a) 1, 2**

**b) केवल 2**

**c) 2, 3**

**d) 1, 2, 3**

**उत्तर: c)**

**डब्ल्यूएचओ दुर्लभ बीमारी को प्रति 10,000 लोगों पर 6.5-10 से कम की आवृत्ति के रूप में परिभाषित करता है।**

**दुर्लभ रोगों के लिए राष्ट्रीय नीति, 2021:**

राष्ट्रीय आरोग्य निधि की छाता योजना के तहत **20 लाख रुपये** केंद्र सरकार द्वारा उन दुर्लभ बीमारियों के इलाज के लिए प्रदान की जाएगी, जिनके लिए एक बार इलाज की आवश्यकता होती है। ऐसी वित्तीय सहायता के लाभार्थी केवल बीपीएल परिवारों तक सीमित नहीं होंगे, बल्कि लगभग **40% आबादी** तक विस्तारित होंगे, जो केवल सरकारी तृतीयक अस्पतालों में उनके इलाज के लिए प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के मानदंडों के अनुसार पात्र हैं।

सरकार दुर्लभ बीमारियों के रोगियों की उपचार लागत में योगदान करने के लिए स्वैच्छिक व्यक्तियों और कॉर्पोरेट दाताओं के लिए एक डिजिटल प्लेटफॉर्म स्थापित करके वैकल्पिक वित्त पोषण तंत्र बनाने का प्रयास करेगी।

इलाज के लिए स्वैच्छिक क्राउड-फंडिंग का प्रावधान।

**1) निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए।**

**1. ड्रग (मूल्य नियंत्रण) आदेश (Drug Price Control Order: DPCO) के तहत, राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (National Pharmaceuticals Pricing Authority: NPPA) दवा कंपनियों को आवश्यक दवाओं की कीमतें बढ़ाने से रोकता है।**

**2. ड्रग मूल्य नियंत्रण आदेश दवाओं की कीमतों को विनियमित करने के लिए आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 के तहत भारत सरकार द्वारा जारी एक आदेश है।**

**3. देश में विपणन की जाने वाली सभी दवाएं मूल्य नियंत्रण के अधीन नहीं हैं।**

**उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?**

**a) 1, 3**

**b) केवल 2**

**c) 2, 3**

**d) 1, 2, 3**

**उत्तर: c)**

1. **राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (National Pharmaceuticals Pricing Authority: NPPA) ने अपनी आपातकालीन शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए कंपनियों को दिसंबर के अंत तक हेपरिन (रक्त को पतला करने वाली एक महत्वपूर्ण दवा) की कीमत 50% तक बढ़ाने की अनुमति दी है।**

2. **दवा की कीमतें नियंत्रण आदेश एक आदेश है जो दवाओं की कीमतों को विनियमित करने के लिए आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 (Essential Commodities Act, 1955) की धारा 3 के तहत भारत सरकार द्वारा जारी किया गया है।**
3. यह आदेश परस्पर मूल्य नियंत्रित दवाओं की सूची, दवाओं की कीमतों के निर्धारण की प्रक्रिया, सरकार द्वारा निर्धारित कीमतों के कार्यान्वयन की विधि, प्रावधानों आदि के उल्लंघन के लिए दंड प्रदान करता है।
4. **क्या देश में सभी दवाओं की कीमत नियंत्रित हैं?**

आवश्यक दवाओं के निर्धारण के लिए प्राथमिक आधार के रूप में देश के लिये 'आवश्यक दवाओं की राष्ट्रीय सूची (National List of Essential Medicines: NLEM) 2011' को अपनाया गया है, जो मूल्य नियंत्रण के उद्देश्य से अनुसूचित दवाओं की सूची का निर्माण करता है। DPCO 2013 में 27 उपचारात्मक समूहों (therapeutic groups) के तहत 600 से अधिक अनुसूचित ड्रग फार्मूलेशन शामिल हैं। हालांकि, यदि सार्वजनिक हित में आवश्यक हो तो अन्य दवाओं की कीमतों को विनियमित किया जा सकता है।

**2) राष्ट्रीय संस्थान रैंकिंग फ्रेमवर्क (NIRF) निम्नलिखित में से किस पैरामीटर पर शिक्षा संस्थानों का मूल्यांकन करता है?**

**1. शिक्षण, सीखना और संसाधन**

**2. अनुसंधान और पेशेवर अभ्यास**

**3. स्नातक परिणाम**

**4. आउटरीच और समावेशिता**

**सही उत्तर कूट चुनिए:**

**a) 1, 2, 3**

**b) 1, 2**

**c) 1, 2, 4**

**d) 1, 2, 3, 4**

**उत्तर: d)**

रैंक प्रदान करने के लिए, सभी शिक्षा संस्थानों का मूल्यांकन पांच मानकों पर किया जाता है: शिक्षण, सीखने और संसाधन, अनुसंधान और पेशेवर अभ्यास, स्नातक परिणाम, आउटरीच और समावेशिता, और धारणा।

**3) जेनेटिक इंजीनियरिंग मूल्यांकन समिति (GEAC) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए।**

**1. जेनेटिक इंजीनियरिंग मूल्यांकन समिति (GEAC) विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय में कार्य करती है।**

**2. यह पर्यावरण के दृष्टिकोण से अनुसंधान और औद्योगिक उत्पादन में खतरनाक सूक्ष्मजीवों और पुन: संयोजकों के बड़े पैमाने पर उपयोग से संबंधित गतिविधियों के मूल्यांकन के लिए जिम्मेदार है।**

**3. इसकी अध्यक्षता जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी) के एक प्रतिनिधि द्वारा की जाती है।**

**उपरोक्त में से कौन सा/से कथन सही है/हैं?**

**a) 1, 2**

**b) केवल 2**

**c) 2, 3**

**d) 1, 2, 3**

**उत्तर: b)**

**जेनेटिक इंजीनियरिंग मूल्यांकन समिति (GEAC) पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (MoEF&CC) में कार्य करती है।** नियम, 1989 के अनुसार, यह पर्यावरण के दृष्टिकोण से अनुसंधान और औद्योगिक उत्पादन में खतरनाक सूक्ष्मजीवों और पुनः संयोजकों के बड़े पैमाने पर उपयोग से संबंधित

गतिविधियों के मूल्यांकन के लिए जिम्मेदार है। समिति प्रायोगिक क्षेत्र परीक्षणों सहित पर्यावरण में आनुवंशिक रूप से इंजीनियर (जीई) जीवों और उत्पादों को अनुमोदित करने से संबंधित प्रस्तावों के मूल्यांकन के लिए भी जिम्मेदार है।

**GEAC की अध्यक्षता MoEF&CC के विशेष सचिव/अतिरिक्त सचिव करते हैं और जैव प्रौद्योगिकी विभाग (DBT) के एक प्रतिनिधि द्वारा सह-अध्यक्षता की जाती है।**

**4) प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (PMFBY) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए।**

**1. PMFBY एक केंद्र-राज्य योजना है जिसका उद्देश्य किसानों को फसल के नुकसान से बचाना है।**

**2. योजना के तहत किसान प्रीमियम का केवल 1.5 से 5 प्रतिशत ही वहन करते हैं।**

**3. संस्थागत वित्त प्राप्त करने वाले किसानों के लिए यह योजना अनिवार्य कर दी गई है।**

**उपरोक्त में से कौन सा/से कथन सही है/हैं?**

**a) केवल 1**

**b) 1, 2**

**c) 1, 3**

**d) 1, 2, 3**

**उत्तर: b)**

**2016-17 के खरीफ सीजन में शुरू की गई PMFBY एक केंद्र-राज्य योजना है जिसका उद्देश्य किसानों को फसल के नुकसान से बचाना है।** केंद्र और राज्य सरकारें प्रीमियम राशि का 95 प्रतिशत से अधिक भुगतान करती हैं जबकि किसान प्रीमियम का **1.5-5 प्रतिशत वहन करता है।** चूंकि प्रौद्योगिकी का व्यापक उपयोग किसानों के दावों को एक निर्धारित समय अवधि के भीतर निपटाने के लिए किया जाता है, इसलिए किसानों को नुकसान की रिपोर्ट ऑनलाइन भरने की आवश्यकता होती है, जिसे मुआवजे की राशि सीधे उनके खातों में भुगतान करने से पहले बीमा कंपनियों द्वारा मान्य की जाती है।

**2020 से पहले, संस्थागत वित्त प्राप्त करने वाले किसानों के लिए यह योजना अनिवार्य थी, लेकिन इसे बदल दिया गया और सभी किसानों के लिए स्वैच्छिक बना दिया गया।**

**5) निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए।**

**1. खादी और ग्रामोद्योग आयोग (KVIC) सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय के तहत एक शीर्ष संगठन है जो खादी और अन्य ग्रामीण उद्योगों के विकास संबंधी पहलों के प्रचार और कार्यान्वयन के लिए जिम्मेदार है।**

**2. खादी और ग्रामोद्योग आयोग (KVIC) प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (PMEGP) के कार्यान्वयन के लिए नोडल एजेंसी है।**

**3. पारंपरिक उद्योगों के उन्नयन और उत्थान के लिए कोष की योजना (SFURTI) का उद्देश्य पारंपरिक उद्योगों और कारीगरों को समूहों में संगठित करना है ताकि उन्हें प्रतिस्पर्धी बनाया जा सके और उनकी दीर्घकालिक स्थिरता के लिए सहायता प्रदान की जा सके।**

**उपरोक्त में से कौन सा/से कथन सही है/हैं?**

**a) 1, 2**

**b) 1, 3**

**c) 2, 3**

**d) 1, 2, 3**

**उत्तर: d)**

KVIC सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय के तहत एक शीर्ष संगठन है जो खादी और अन्य ग्रामीण उद्योगों के विकास संबंधी पहलों के प्रचार और कार्यान्वयन के लिए जिम्मेदार है।

**PMEGP सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय (MoMSME) द्वारा प्रशासित एक केंद्रीय क्षेत्र की योजना है। 2008-09 में शुरू की गई, यह एक क्रेडिट-लिंक्ड सब्सिडी योजना है जो सूक्ष्म उद्यमों की स्थापना के माध्यम से स्वरोजगार को बढ़ावा देती है।**

**कार्यान्वयन:**

- **राष्ट्रीय स्तर-** खादी और ग्रामोद्योग आयोग (KVIC) नोडल एजेंसी के रूप में।

- **राज्य स्तर-** राज्य केवीआईसी निदेशालय, राज्य खादी और ग्रामोद्योग बोर्ड (केवीआईबी), जिला उद्योग केंद्र (डीआईसी) और बैंक।

पारंपरिक उद्योगों के उन्नयन और उत्थान के लिए कोष की योजना (SFURTI) क्लस्टर विकास को बढ़ावा देने के लिए MSME मंत्रालय की एक पहल है। खादी के लिए क्लस्टर विकास को बढ़ावा देने के लिए खादी और ग्रामोद्योग आयोग (KVIC) नोडल एजेंसी है। इसका उद्देश्य पारंपरिक उद्योगों और कारीगरों को समूहों में संगठित करना है ताकि उन्हें प्रतिस्पर्धी बनाया जा सके और उनकी दीर्घकालिक स्थिरता के लिए सहायता प्रदान की जा सके।

# Polity

**1) निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए।**

**1. जनगणना के अनुसार सीमांकित प्रत्येक गाँव की अपनी एक समर्पित ग्राम सभा और ग्राम पंचायत होनी चाहिए।**

**2. कोई भी व्यक्ति जो किसी विशेष गाँव से लोकसभा चुनाव में मतदान करने का पात्र है, ग्राम पंचायत चुनावों में भी मतदान कर सकता है।**

**उपरोक्त कथनों में से कौन-सा/सही है/हैं?**

a) केवल 1

b) केवल 2

c) 1 और 2 दोनों

d) न तो 1 न ही 2

उत्तर: b)

ग्राम सभा उन सभी वयस्कों की एक सभा है जो पंचायत के क्षेत्र में निवास करते हैं। यह केवल एक गाँव या कुछ गाँव का समूह हो सकती है। कुछ राज्यों में, प्रत्येक गाँव के लिए गाँव की बैठक आयोजित की जाती है।

कोई भी व्यक्ति, जो **18 वर्ष या अधिक आयु** का है और जिसे वोट देने का अधिकार है, वह ग्राम सभा का सदस्य होता है। इन वयस्कों को लोकसभा (LS) चुनावों में वोट देने का अधिकार भी होता है।

**2) भारत में पंचायती राज व्यवस्था में 73वें संवैधानिक संशोधन अधिनियम द्वारा क्या आवश्यक परिवर्तन किये गए थे?**

**1. पंचायतों को अधिनियम द्वारा गठित किया गया था क्योंकि वे स्वतंत्र भारत में मौजूद नहीं थीं।**

**2. पंचायती राज व्यवस्था को संवैधानिक दर्जा प्रदान किया गया।**

**3. इसने पंचायतों के आकार को निर्धारित किया और पंचायतों को कार्यकारी शक्ति प्रदान की।**

**सही उत्तर कूट का चयन कीजिए:**

a) 1, 2

b) केवल 2

c) 1, 3

d) 1, 2, 3

उत्तर: b)

1959 में पंचायती राज व्यवस्था स्थापित करने वाला राजस्थान पहला राज्य था। अन्य राज्यों ने भी इसका अनुसरण किया।

यद्यपि अधिकांश राज्यों ने 1960 के दशक के मध्य तक पंचायती राज संस्थाओं का निर्माण किया था, लेकिन एक राज्य से दूसरे राज्य में संख्या के संबंध में, समति और परिषद की सापेक्ष स्थिति, कार्यकाल, संरचना, कार्य, वित्त के संबंध में भिन्नता मौजूद थी।

**73वें अधिनियम ने सभी प्रणालियों को एक समान संरचना में सामंजस्य स्थापित किया और PRI को संवैधानिक दर्जा प्रदान किया।**

पंचायत को क्षेत्र के वार्डों से चुना जाता है, और इसका आकार संविधान द्वारा निर्धारित नहीं किया जाता है।



INSIGHTSIAS

**3) राज्य विधानमंडल नगरपालिका में निम्नलिखित में से किस व्यक्ति के प्रतिनिधित्व को निर्धारित कर सकता है?**

**1. लोकसभा और राज्य विधान सभा के सदस्य उन निर्वाचन क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करते हैं जिनमें पूर्ण या आंशिक रूप से नगरपालिका क्षेत्र शामिल है।**

**2. नगर पालिका क्षेत्र के भीतर रहने वाले शिक्षक और स्नातक**

**3. नगरपालिका प्रशासन में विशेष ज्ञान या अनुभव रखने वाले व्यक्ति**

**सही उत्तर कूट का चयन कीजिए:**

**a) 1, 3**
**b) 2, 3**
**c) केवल 1**
**d) 1, 2, 3**

**उत्तर: a)**

**यह प्रावधान नगरपालिका प्रशासन को संवर्ध के लिए किया गया है और इसमें निम्नलिखित शामिल हो सकते हैं:**
नगर पालिका की बैठकों में मतदान के अधिकार के बिना नगरपालिका प्रशासन के क्षेत्र में विशेष ज्ञान या अनुभव रखने वाले व्यक्ति।
निर्वाचन क्षेत्रों (जिनमें पूर्ण या आंशिक रूप से नगरपालिका क्षेत्र शामिल है) का प्रतिनिधित्व करने वाले लोकसभा और राज्य विधान सभा के सदस्य।
नगरपालिका क्षेत्र के भीतर मतदाताओं के रूप में पंजीकृत राज्यसभा और राज्य विधान परिषद के सदस्य।
समितियों के अध्यक्ष (वार्ड समितियों के अलावा)।

**4) छावनी बोर्डों (Cantonment' boards) के संदर्भ में, निम्नलिखित में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?**

**1. इन्हें छावनी क्षेत्र में नागरिक आबादी के लिए नगरपालिका प्रशासन प्रदान करने के लिए स्थापित किया गया है।**

**2. ये आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण में काम करते हैं।**

**सही उत्तर कूट का चयन कीजिए:**

**(a) केवल 1**

**(b) केवल 2**

**(c) 1 और 2 दोनों**

**(d) न तो 1 न ही 2**

**उत्तर: a)**

इन्हें छावनी क्षेत्र में नागरिक आबादी के लिए नगरपालिका प्रशासन प्रदान करने के लिए स्थापित किया गया है।

इन्हें **2006 के छावनी अधिनियम** के प्रावधानों के तहत स्थापित किया गया है - यह एक केंद्र सरकार द्वारा अधिनियमित कानून है। ये केंद्र सरकार के **रक्षा मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण** में काम करते हैं।

**5) 97वां संविधान संशोधन अधिनियम संबंधित है**

**1. सहकारी समितियों को संवैधानिक दर्जा और संरक्षण प्रदान करना**

**2. सहकारी समितियों को अनुच्छेद 19 के तहत मौलिक अधिकार बनाना**

**3. सहकारी समितियों को प्रोत्साहित करने हेतु नये राज्य नीति के निदेशक तत्व को जोड़ा गया**

**सही उत्तर कूट का चयन कीजिए:**

**a) 1, 2, 3**
**b) 1, 3**
**c) 1, 2**
**d) 2, 3**

**उत्तर: a)**

2011 के 97वें संवैधानिक संशोधन अधिनियम ने सहकारी समितियों को संवैधानिक दर्जा और संरक्षण प्रदान किया। इस संदर्भ में, इसके द्वारा संविधान में निम्नलिखित तीन परिवर्तन किए गए:

1. इसने सहकारी समितियों को मौलिक अधिकार बनाने का अधिकार बनाया **(अनुच्छेद 19)**।
2. इसने सहकारी समितियों के संवर्धन हेतु नये राज्य नीति के निदेशक तत्व को जोड़ा गया **(अनुच्छेद 43-B2)**।
3. इसने संविधान में एक नया **भाग IX-B जोड़ा** जो "सहकारी समितियों" **(अनुच्छेद 243-ZH से 243-ZT)** से संबंधित है।

**1) NOTA मतदान विकल्प कसके निर्वाचन में लागू होता है**

**1. राज्य विधानसभा चुनाव**

**2. लोकसभा चुनाव**

**3. राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति का निर्वाचन**

**सही उत्तर कूट का चयन कीजिए:**

**a) 1, 2**
**b) 1, 3**
**c) 1, 2, 3**
**d) केवल 1**

**उत्तर: a)**

"उपरोक्त में से कोई नहीं" (या NOTA) को 2009 के बाद से अधिकांश चुनावों में भारत के मतदाताओं के लिए एक विकल्प के रूप में लागू किया गया है।
**PUCL बनाम यूनियन ऑफ इंडिया वाद 2013** में सुप्रीम कोर्ट ने लोकसभा और संबंधित राज्य विधानसभाओं के लिए प्रत्यक्ष चुनाव के संदर्भ में NOTA के उपयोग का निर्देश दिया था।

**2) भारत के निर्वाचन आयोग के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए**

**1. संविधान ने निर्वाचन आयोग के सदस्यों के कार्यकाल को निर्दिष्ट नहीं किया है।**

**2. संविधान ने सेवानिवृत्त होने वाले निर्वाचन आयुक्तों को सरकार द्वारा आगे किसी भी नियुक्ति से वंचित कर दिया है।**

**3. मुख्य निर्वाचन आयुक्त और अन्य निर्वाचन आयुक्तों के बीच मतभेद से संबंधित मामले का फैसला मुख्य निर्वाचन आयुक्त द्वारा किया जाता है।**

**उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?**

**a) केवल 1**
**b) 1, 2**
**c) 1, 3**
**d) 1, 2, 3**

**उत्तर: a)**

**संविधान के अनुच्छेद 324 में निर्वाचन आयोग की संरचना के संबंध में प्रावधान किए गए हैं।**

निर्वाचन आयोग में मुख्य निर्वाचन आयुक्त और अन्य निर्वाचन आयुक्तों शामिल होंगें जिनकी संख्या राष्ट्रपति समय-समय पर निर्धारित कर सकता है।
निर्वाचन आयुक्तों और क्षेत्रीय आयुक्तों की सेवा और कार्यकाल की शर्तें राष्ट्रपति द्वारा निर्धारित की जाएंगी।
मुख्य निर्वाचन आयुक्त और / या दो अन्य निर्वाचन आयुक्तों के बीच मतभेद संबंधी
मामलों का आयोग द्वारा बहुमत से निपटारा किया जायेगा।

**3) यूपीएससी के स्वतंत्र कामकाज के लिए निम्नलिखित में से कौन से प्रावधान किये गए हैं?**

**1. अध्यक्ष को केवल सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश के समान तरीके से और आधार पर राष्ट्रपति द्वारा पद से हटाया जा सकता है।**

**2. यूपीएससी का पूरा खर्च भारत की संचित निधि पर भारित होता है।**

**3. अध्यक्ष भारत सरकार या राज्य में सेवानिवृति के बाद रोजगार के लिए पात्र नहीं है।**
**सही उत्तर कूट चुनिए:**

**a) 1, 2**
**b) 1, 3**
**c) 2, 3**
**d) 1, 2, 3**

**उत्तर: c)**

**संघ लोक सेवा आयोग के स्वतंत्र और निष्पक्ष कामकाज की सुरक्षा और सुनिश्चित करने के लिए संविधान ने निम्नलिखित प्रावधान किए हैं:**

(ए) यूपीएससी के अध्यक्ष या सदस्य को संविधान में उल्लिखित तरीके से और आधार पर ही राष्ट्रपति द्वारा पद से हटाया जा सकता है। इसलिए, उन्हें कार्यकाल की सुरक्षा प्राप्त है।

(बी) अध्यक्ष या सदस्य की सेवा की शर्तें, हालांकि अध्यक्ष द्वारा निर्धारित की जाती हैं, उनकी नियुक्ति के बाद कोई परिवर्तन नहीं किया जा सकता है।

(सी) यूपीएससी के अध्यक्ष और सदस्यों के वेतन, भत्ते और पेंशन सहित पूरा खर्च भारत की संचित निधि पर भारित होता है। इस प्रकार, वे संसद के मतदान के अधीन नहीं हैं।

(डी) यूपीएससी के अध्यक्ष (पद पर बने रहने पर) भारत सरकार या राज्य में सेवानिवृति के बाद रोजगार के लिए पात्र नहीं है।

(ई) यूपीएससी का एक सदस्य (पद पर बने रहने पर) यूपीएससी या राज्य लोक सेवा आयोग (एसपीएससी) के अध्यक्ष के रूप में नियुक्ति के लिए पात्र है, लेकिन भारत सरकार या राज्य में किसी अन्य रोजगार के लिए पात्र नहीं है।

**(च) यूपीएससी के अध्यक्ष या सदस्य (अपना पहला कार्यकाल पूरा करने के बाद) उस कार्यालय में पुनर्नियुक्ति के लिए पात्र नहीं हैं (यानी, दूसरे कार्यकाल के लिए पात्र नहीं हैं)।**

**4) निम्नलिखित में से कौन-सा/से संवैधानिक प्रावधान सरकार से कुछ संवैधानिक निकायों की स्वतंत्रता को सुनिश्चित करते हैं?**

**1. कार्यकाल की सुरक्षा**

**2. निश्चित सेवा शर्तें**

**3. भारत की समेकित निधि पर भारित व्यय**
**सही उत्तर कूट का चयन कीजिए:**

**a) केवल 1**
**b) 1, 2, 3**
**c) 2, 3**
**d) 1, 2**

**उत्तर: b)**

संविधान इन निकायों की विभिन्न प्रावधानों जैसे कार्यकाल की सुरक्षा, निश्चित सेवा शर्तों, भारत की समेकित निधि पर भारित व्यय और इसी तरह की स्वतंत्रता सुनिश्चित करता है।

उदाहरण के लिए, मुख्य निर्वाचन आयुक्त को केवल सिद्ध कदाचार या अक्षमता के आधार पर पद से हटाया जा सकता है, जो कि सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश के समान है।

**नियुक्ति के बाद CEC की सेवा शर्तों को परिवर्तित नहीं किया जा सकता है, और EC / क्षेत्रीय आयुक्तों को हटाने के लिए CEC की सिफारिश की आवश्यकता होती है।**

**5) निम्नलिखित में से किस निकाय की नियुक्ति समितियों में राज्यसभा में विपक्ष के नेता शामिल होता है?**

**a) राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग**
**b) केंद्रीय सतर्कता आयोग**
**c) केंद्रीय सूचना आयोग**
**d) NITI Aayog के सीईओ**

**उत्तर: a)**

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग एक वैधानिक (और संवैधानिक नहीं) निकाय है। इसकी स्थापना 1993 में संसद द्वारा बनाए गए मानवाधिकार अधिनियम, 1993 कानून के तहत की गई थी।

अध्यक्ष और सदस्यों को राष्ट्रपति द्वारा **6 सदस्यीय समिति द्वारा नियुक्त किया जाता है, जिसमें लोकसभा अध्यक्ष, राज्य सभा के उपाध्यक्ष, दोनों सदनों में विपक्ष का नेता और केंद्रीय गृह मंत्री शामिल होते हैं, जिसका अध्यक्ष प्रधानमंत्री होता है।**

**1) भारतीय संविधान की प्रस्तावना के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए।**

**1. 1949 में संविधान सभा द्वारा अपनाई गई मूल प्रस्तावना ने भारत को "संप्रभु समाजवादी धर्मनिरपेक्ष लोकतांत्रिक गणराज्य" घोषित किया था।**

**2. प्रस्तावना संविधान के उद्देश्यों को बताती है, और संविधान में अनुच्छेदों की व्याख्या के दौरान सहायता के रूप में कार्य करती है।**

**3. संविधान के 42वें संशोधन ने "राष्ट्र की एकता" को "राष्ट्र की एकता और अखंडता" में बदल दिया गया।**

**उपरोक्त में से कौन सा/से कथन सही है/हैं?**

**a) 1, 2**

**b) 1, 3**

**c) 2, 3**

**d) 1, 2, 3**

**उत्तर: c)**

प्रस्तावना संविधान के दर्शन और उद्देश्यों की व्याख्या करती है। संविधान में, यह इसके निर्माताओं की मंशा, इसके निर्माण के पीछे के इतिहास और राष्ट्र के मूल मूल्यों और सिद्धांतों को प्रस्तुत करती है।

**प्रस्तावना 13 दिसंबर, 1946 को संविधान सभा में जवाहरलाल नेहरू द्वारा पेश किए गए उद्देश्य प्रस्ताव पर आधारित है। प्रस्ताव 22 जनवरी, 1947 को अपनाया गया था।**

हालांकि यह अदालत में लागू करने योग्य नहीं है, प्रस्तावना संविधान की विषय-वस्तु को बताती है, और जब भाषा अस्पष्ट हो तो अनुच्छेदों की व्याख्या के दौरान सहायता के रूप में कार्य करती है।

1949 में संविधान सभा द्वारा अपनाई गई मूल प्रस्तावना ने भारत को "संप्रभु लोकतांत्रिक गणराज्य" घोषित किया था। आपातकाल के दौरान अधिनियमित 1976 के 42वें संशोधन द्वारा, "समाजवादी" और "धर्मनिरपेक्ष" शब्द जोड़े गए; प्रस्तावना अब "संप्रभु समाजवादी धर्मनिरपेक्ष लोकतांत्रिक गणराज्य" की स्थापना करती है।

**1976 में पारित संविधान में 42वें संशोधन ने "संप्रभु लोकतांत्रिक गणराज्य" शब्दों को "संप्रभु समाजवादी धर्मनिरपेक्ष लोकतांत्रिक गणराज्य" से बदल दिया। इसने "राष्ट्र की एकता" को "राष्ट्र की एकता और अखंडता" में भी बदल दिया।**

**2) लोकसभा अध्यक्ष के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए।**

**1. यदि लोकसभा के सभी सदस्यों के दसवें हिस्से द्वारा पारित प्रस्ताव द्वारा उसे हटा दिया जाता है तो अध्यक्ष को अपना पद खाली करना पड़ता है।**

**2. जब भी लोकसभा भंग होती है, अध्यक्ष अपना पद खाली कर देता है और नवनिर्वाचित लोकसभा की बैठक में एक नया अध्यक्ष चुना जाता है।**

**3. वह संसद सदस्यों और उसकी समितियों की शक्तियों और विशेषाधिकारों का संरक्षक है।**

**उपरोक्त में से कौन सा/से कथन सही नहीं है/हैं?**

**a) केवल 1**

**b) 1, 2, 3**

**c) 1, 2**

**d) 2, 3**

**उत्तर: b)**

**आमतौर पर अध्यक्ष लोकसभा के कार्यकाल के दौरान अपने पद पर बना रहता है। हालाँकि, उन्हें निम्नलिखित तीन मामलों में से किसी एक में अपना पद पहले खाली करना होगा:**

1. यदि वह लोकसभा का सदस्य नहीं रहता है;
2. यदि वह उपाध्यक्ष को पत्र लिखकर त्यागपत्र देता है; तथा
3. यदि उसे लोकसभा के सभी सदस्यों के बहुमत से पारित प्रस्ताव द्वारा हटा दिया जाता है। ऐसा प्रस्ताव 14 दिन की अग्रिम सूचना देने के बाद ही पेश किया जा सकता है।

**जब भी लोकसभा भंग होती है, अध्यक्ष अपना पद खाली नहीं करता है और नव-निर्वाचित लोकसभा की बैठक तक बना रहता है।**

अध्यक्ष लोकसभा का अध्यक्ष और उसका प्रतिनिधि होता है। वह लोकसभा, संपूर्ण सदन और उसकी समितियों के सदस्यों की शक्तियों और विशेषाधिकारों का संरक्षक है।

**3) भारत के संविधान में उल्लिखित राज्यपाल के पद के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:**
**1. उनका पद संवैधानिक रूप से केंद्र सरकार के नियंत्रण में और अधीनस्थ होता है।**
**2. किसी विशेष राज्य का राज्यपाल उस राज्य से संबंधित नहीं होना चाहिए।**
**3. भारत के राष्ट्रपति को उस राज्य के राज्यपाल की नियुक्ति करने से पहले संबंधित राज्य के मुख्यमंत्री से परामर्श करना चाहिए।**
**उपरोक्त में से कौन सा/से कथन सही है/हैं?**

**a) 1, 2**
**b) 2, 3**
**c) 1, 3**
**d) उपरोक्त में से कोई नहीं**

**उत्तर: d)**

संविधान के तहत राज्यपाल का पद एक स्वतंत्र पद है। विकल्प 2 और 3 परंपराएं हैं और संविधान में इसका उल्लेख नहीं है। यह पूरी तरह से राष्ट्रपति के विवेक पर है कि वह राज्यपाल को कैसे नियुक्त करना चाहते हैं (भारत के संविधान में उल्लिखित कुछ योग्यताएं निर्धारित की गई हैं)

**4) निम्नलिखित में से किस संशोधन ने राष्ट्रपति को कैबिनेट की सलाह को पुनर्विचार के लिए वापस भेजने का अधिकार दिया?**

**a) 39वां संशोधन**
**b) 40वां संशोधन**
**c) 42वां संशोधन**
**d) 44वां संशोधन**

**उत्तर: d)**

44वां संशोधन अधिनियम, 1978 राष्ट्रपति को कैबिनेट की सलाह पर पुनर्विचार के लिए एक बार वापस भेजने का अधिकार देता है। लेकिन, पुनर्विचार की सलाह राष्ट्रपति के लिए बाध्यकारी होगी।

**5) धन्यवाद प्रस्ताव के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए।**
**1. इसे सदन के नेता द्वारा प्रस्तावित किया जाता है।**
**2. प्रस्ताव को संसद के दोनों सदनों में मतदान के लिए रखा जाता है।**
**3. इसे संसद के प्रत्येक नए सत्र की शुरुआत में प्रस्तावित किया जाता है।**
**उपरोक्त में से कौन सा/से कथन सही नहीं है/हैं?**

**a) 1, 2**
**b) 2, 3**
**c) 1, 3**

**d) 1, 2, 3**

उत्तर: **c)**

**धन्यवाद प्रस्ताव:** प्रत्येक आम चुनाव के बाद पहले सत्र और प्रत्येक वित्तीय वर्ष के पहले सत्र को राष्ट्रपति द्वारा संबोधित किया जाता है। इस संबोधन में राष्ट्रपति पूर्ववर्ती वर्ष और आगामी वर्ष में सरकार की नीतियों और कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करते हैं। राष्ट्रपति के इस अभिभाषण पर संसद के दोनों सदनों में 'धन्यवाद प्रस्ताव' नामक प्रस्ताव पर चर्चा होती है। **चर्चा के अंत में, प्रस्ताव को मतदान के लिए रखा जाता है। यह प्रस्ताव सदन में पारित होना चाहिए। नहीं तो सरकार की हार माना जाता है।**

**1) प्रोटेम स्पीकर के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए।**
**1. भारत का संविधान राज्यपाल को राज्य विधानमंडल में एक प्रोटेम स्पीकर नियुक्त करने की शक्ति देता है।**
**2. प्रोटेम स्पीकर की शक्तियां निर्वाचित अध्यक्ष की शक्तियों के साथ सहव्यापी नहीं हैं।**
**उपरोक्त में से कौन सा/से कथन सही है/हैं?**
**a) केवल 1**
**b) केवल 2**
**c) 1 और 2 दोनों**
**d) न तो 1 न ही 2**

उत्तर: **a)**

**संविधान का अनुच्छेद 180(1)** राज्यपाल को प्रोटेम स्पीकर नियुक्त करने का अधिकार देता है। अनुच्छेद कहता है कि यदि अध्यक्ष का पद रिक्त हो जाता है और उपाध्यक्ष भी नहीं हो, तो पद के कर्तव्यों का निर्वहन "विधानसभा के ऐसे सदस्य द्वारा किया जाएगा जिसे राज्यपाल इस उद्देश्य के लिए नियुक्त कर सकता है"।

एक प्रोटेम स्पीकर की शक्तियाँ व्यापक होती हैं। **बॉम्बे हाई कोर्ट ने 1994 में सुरेंद्र वसंत सिरसाट मामले** में अपने फैसले में कहा कि एक प्रोटेम स्पीकर चुने जाने तक "सभी उद्देश्यों के लिए सभी शक्तियों, विशेषाधिकारों और उन्मुक्तियों के साथ" सदन का अध्यक्ष होता है।
**ओडिशा उच्च न्यायालय ने गोदावरी मिश्रा बनाम नंदकिसोर दास, अध्यक्ष, ओडिशा विधानसभा मामले** में भी सहमति व्यक्त की, कि "प्रोटेम स्पीकर की शक्तियां निर्वाचित अध्यक्ष की शक्तियों के साथ सहव्यापक होती हैं"।

**2) संविधान में शामिल मौलिक कर्तव्यों के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए।**
**1. संविधान के 42वें संशोधन अधिनियम, 1976 द्वारा सभी मौलिक कर्तव्यों को संविधान के भाग IV-A में शामिल किया गया था।**
**2. ये कानून द्वारा प्रवर्तनीय नहीं हैं, लेकिन अदालत किसी मामले पर निर्णय देते समय उन्हें ध्यान में रख सकती है।**
**3. मौलिक कर्तव्यों की अवधारणा रूस के संविधान से ली गई है।**
**उपरोक्त में से कौन सा/से कथन सही है/हैं?**
**a) 1, 2**
**b) 1, 3**
**c) 2, 3**
**d) 1, 2, 3**

उत्तर: **c)**

**संविधान के 42वें संशोधन अधिनियम, 1976** द्वारा मौलिक कर्तव्यों को संविधान के भाग IV-A में शामिल किया गया था। वर्मन में, अनुच्छेद 51-ए के तहत वर्णित 11 मौलिक कर्तव्य हैं, जिनमें से 10 को 42वें संशोधन द्वारा पेश किया गया था और **11वें को 2002 में 86वें संशोधन द्वारा जोड़ा गया था।**

ये वैधानिक कर्तव्य हैं और कानून द्वारा प्रवर्तनीय नहीं हैं, लेकिन अदालत किसी मामले पर फैसला सुनाते समय उन्हें ध्यान में रख सकती है। इनको शामिल करने का उद्देश्य मौलिक अधिकारों के बदले नागरिक के दायित्व पर बल देना था। **मौलिक कर्तव्यों की अवधारणा रूस के संविधान से ली गई है।**

**3) भारत के विधि आयोग के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए।**

**1. भारत का विधि आयोग समय-समय पर भारत सरकार द्वारा गठित एक वैधानिक निकाय है।**

**2. आयोग का पुनर्गठन प्रत्येक पांच वर्ष में किया जाता है।**

**3. विधि आयोग द्वारा स्वत: संज्ञान के आधार पर देश में विधि संबंधी शोध एवं प्रचलित कानूनों की समीक्षा की जाती है।**

**उपर्युक्त कथनों में से कौन-से सही नहीं हैं?**

**a) 1, 2**
**b) 1, 3**
**c) 2, 3**
**d) उपर्युक्त में से कोई नहीं**

**उत्तर: a)**

विधि आयोग (Law Commission) द्वारा केंद्र सरकार द्वारा इसे सौंपे गये या स्वतः संज्ञान के आधार पर विधि संबंधी अनुसंधान और प्रचलित कानूनों में सुधार करने एवं नए कानूनों के निर्माण के लिए कानूनों की समीक्षा की जाती है। यह प्रक्रियाओं में देरी को समाप्त करने, मामलों को तेजी से निपटाने, अभियोग की लागत कम करने के लिए न्याय आपूर्ति प्रणालियों में सुधार लाने के लिए अध्ययन और अनुसंधान भी करेगा।

भारतीय विधि आयोग, भारत सरकार द्वारा समय-समय पर गठित एक **गैर-सांविधिक निकाय (non-statutory body)** है। आयोग का मूल रूप से 1955 में गठन किया गया था और इसका प्रत्येक 3 वर्ष के लिए पुनर्गठन किया जाता है। **21वें भारतीय विधि आयोग** का कार्यकाल 31 अगस्त, 2018 तक था।

विभिन्न विधि आयोग प्रगतिशील विकास और देश के कानून के संहिताकरण के बारे में महत्वपूर्ण योगदान देने में समर्थ रहे हैं।

**विभिन्न विधि आयोग देश के कानून के प्रगतिशील विकास और संहिताकरण की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान देने में सक्षम रहे हैं।**

**विधि आयोग का गठन राजपत्र में अपने आदेश के प्रकाशन की तारीख से तीन वर्ष की अवधि के लिए किया जाएगा।**

**4) भारत के विधि आयोग के कार्यों के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए।**

**1. गरीबों की सेवा में कानून और कानूनी प्रक्रिया का उपयोग करने के लिए आवश्यक सभी उपाय करना।**

**2. ऐसे कानूनों का सुझाव देना जो निदेशक तत्वों को लागू करने और संविधान की प्रस्तावना में निर्धारित उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए आवश्यक हो।**

**3. उन कानूनों की पहचान करना जिनकी अब आवश्यकता या प्रासंगिकता नहीं है और जिन्हें तुरंत निरस्त किया जा सकता है।**

**4. कानून और न्याय मंत्रालय के माध्यम से सरकार द्वारा किसी भी विदेशी देश को अनुसंधान प्रदान करने के अनुरोधों पर विचार करना।**

**उपरोक्त में से कौन सा/से कथन सही है/हैं?**

**a) 1, 2, 3**
**b) 1, 3, 4**
**c) 2, 3, 4**
**d) 1, 2, 3, 4**

**उत्तर: d)**

**भारत का विधि आयोग:**

ऐसे कानूनों की पहचान करना जिनकी अब आवश्यकता या प्रासंगिकता नहीं है और जिन्हें तुरंत निरस्त किया जा सकता है;

राज्य के नीति निदेशक तत्वों के आलोक में मौजूदा कानूनों की जांच करना और सुधार और सुधार के तरीकों का सुझाव देना और ऐसे कानूनों का सुझाव देना जो निर्देशक तत्वों को लागू करने और संविधान की प्रस्तावना में निर्धारित उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए आवश्यक हो सकते हैं;

कानून और न्यायिक प्रशासन से संबंधित किसी भी विषय पर सरकार के विचारों पर विचार करना और उनसे अवगत कराना, जिसे सरकार द्वारा कानून और न्याय मंत्रालय (कानूनी मामलों के विभाग) के माध्यम से विशेष रूप से संदर्भित किया जा सकता है;
कानून और न्याय मंत्रालय (कानूनी मामलों के विभाग) के माध्यम से सरकार द्वारा किसी भी विदेशी देश को अनुसंधान प्रदान करने के अनुरोधों पर विचार करना;
ऐसे सभी उपाय करना जो गरीबों की सेवा में कानून और कानूनी प्रक्रिया का उपयोग करने के लिए आवश्यक हो;
सामान्य महत्व के केंद्रीय अधिनियमों को संशोधित करना ताकि उन्हें सरल बनाया जा सके और विसंगतियों, अस्पष्टताओं और असमानताओं को दूर किया जा सके;

**5) निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए।**
**1. एक नागरिक का निजी संपत्ति रखने का अधिकार एक मानव अधिकार है।**
**2. 42वें संविधान संशोधन के साथ निजी संपत्ति का अधिकार मौलिक अधिकार नहीं रह गया है।**

**उपरोक्त में से कौन सा/से कथन सही है/हैं?**
a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों
d) न तो 1 और न ही 2

**उत्तर: a)**

एक नागरिक का निजी संपत्ति रखने का अधिकार एक मानव अधिकार है। सुप्रीम कोर्ट ने एक फैसले में कहा है कि राज्य उचित प्रक्रिया और कानून के अधिकार का पालन किए बिना उस पर कब्जा नहीं कर सकता है।

**अदालत ने कहा कि राज्य किसी नागरिक की निजी संपत्ति और 'प्रतिकूल कब्जे (adverse possession)' के नाम पर भूमि के स्वामित्व पर कब्ज़ा नहीं कर सकता है।**

राज्य को अपने स्वयं के नागरिकों की संपत्ति हड़पने के लिए प्रतिकूल कब्जे के सिद्धांत को लागू करके भूमि पर अपना अधिकार पूर्ण करने की अनुमति नहीं दी जा सकती है।

**"प्रतिकूल कब्जे के सिद्धांत" के तहत, एक व्यक्ति जो संपति का मूल मालिक नहीं है, वह इस तथ्य के कारण मालिक बन जाता है कि वह कम से कम 12 वर्षों से संपत्ति पर कब्जा किये हुए है।**

**1) निम्नलिखित में से कौनसी सरकारिया आयोग की सिफारिशें है/हैं?**
**1. अनुच्छेद 356 का प्रयोग अत्यंत संयम से किया जाना चाहिए और इसका उपयोग चरम मामलों में जब सभी उपलब्ध विकल्प विफल हो जाये तो अंतिम उपाय के रूप किया जाना चाहिए।**
**2. समवर्ती सूची के विषय पर कानून बनाने से पहले केंद्र को राज्यों से परामर्श करना चाहिए।**
**3. जब राष्ट्रपति राज्य के विधेयकों पर अपनी स्वीकृति रोक लेता है, तो राज्य सरकार को कारणों से अवगत कराया जाना चाहिए।**
**ऊपर दिए गए कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?**
**a) 1 , 2**
**b) 2, 3**
**c) 1, 3**
**d) 1, 2, 3**

**उत्तर: d)**

**सरकारिया आयोग**

1983 में, केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश **आर एस सरकारिया** की अध्यक्षता में केंद्र-राज्य संबंधों पर तीन सदस्यीय आयोग नियुक्त किया।

आयोग ने केंद्र-राज्य संबंधों में सुधार के लिए **247 सिफारिशें** कीं। महत्वपूर्ण सिफारिशों का उल्लेख नीचे किया गया है:

1. **अनुच्छेद 263** के तहत एक स्थायी अंतर-राज्य परिषद, जिसे अंतर-सरकारी परिषद कहा जाता है, की स्थापना की जानी चाहिए।
2. **अनुच्छेद 356 (राष्ट्रपति शासन)** का प्रयोग अत्यंत संयम से किया जाना चाहिए और इसका उपयोग चरम मामलों में जब सभी उपलब्ध विकल्प विफल हो जाये तो अंतिम उपाय के रूप किया जाना चाहिए।
3. जब राष्ट्रपति राज्य के विधेयकों पर अपनी स्वीकृति रोक लेता है, तो राज्य सरकार को कारणों से अवगत कराया जाना चाहिए।
4. केंद्र के पास राज्यों की सहमति के बिना भी अपने सशस्त्र बलों को तैनात करने का अधिकार होना चाहिए।

**2) यदि कोई प्रश्न उठता है कि कोई मामला राज्यपाल के विवेकाधिकार में आता है या नहीं, तो किसका निर्णय अंतिम होगा और क्यों?**

**a) मुख्यमंत्री क्योंकि वह मंत्रिपरिषद का प्रमुख होता है**

**b) राज्य विधानमंडल क्योंकि यह राज्य के भीतर सर्वोच्च कानून बनाने वाली संस्था है**

**c) राज्य का राज्यपाल क्योंकि संविधान उसे यह अधिकार प्रदान करता है**

**d) भारत के राष्ट्रपति जो राज्यपाल को सलाह देता है**

**उत्तर: c)**

यदि कोई प्रश्न उठता है कि कोई मामला राज्यपाल के विवेकाधिकार में आता है या नहीं, तो राज्यपाल का निर्णय अंतिम होगा, और राज्यपाल द्वारा की गई किसी भी बात की वैधता पर इस आधार पर सवाल नहीं उठाया जाएगा कि उसे उसे अपने विवेकानुसार कार्य करना चाहिए था या नहीं करना चाहिए था।

**साथ ही, संविधान निर्धारित करता है कि मंत्रियों द्वारा राज्यपाल को दी गई सलाह की किसी भी अदालत में जांच नहीं की जाएगी।**

**3) भारतीय संविधान के अनुच्छेद 32 के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए।**

**1. अनुच्छेद 32 भारतीय संविधान के भाग III में प्रदत्त अधिकारों को प्रवर्तित कराने के लिए समुचित कार्यवाहियों द्वारा उच्चतम न्यायालय में समावेदन करने का अधिकार प्रत्याभूत किया जाता है।**

**2. अनुच्छेद 32 के तहत प्रत्याभूत अधिकार पूर्ण है और उन्हें निलंबित नहीं किया जा सकता है।**

**3. मूल अधिकारों के उल्लंघन पर अनुच्छेद 226 के तहत उच्च न्यायालय में जाने का अधिकार स्वयं एक मूल अधिकार है।**

**उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही नहीं है/हैं?**

**a) 1, 2**
**b) 1, 3**
**c) 2, 3**
**d) केवल 3**

**उत्तर: c)**

**अनुच्छेद 32**

यह संविधान में सूचीबद्ध मूल अधिकारों में से एक है। यह प्रत्येक नागरिक को प्राप्त है। अनुच्छेद 32 संवैधानिक उपचारों के अधिकार से संबंधित है। अनुच्छेद 32 भारतीय संविधान के भाग III में प्रदत्त अधिकारों को प्रवर्तित कराने के लिए समुचित कार्यवाहियों द्वारा उच्चतम न्यायालय में समावेदन करने का अधिकार प्रत्याभूत किया जाता है।

इस भाग द्वारा प्रदत्त अधिकारों में से किसी को प्रवर्तित कराने के लिए उच्चतम न्यायालय को ऐसे निदेश या आदेश या रिट, जिनके अंतर्गत बंदी प्रत्यक्षीकरण, परमादेश, प्रतिषेध, अधिकार-पृच्छा और उत्प्रेषण रिट हैं, जो भी समुचित हो, निकालने की शक्ति होगी। इस संविधान द्वारा अन्यथा उपबंधित के सिवाय, इस अनुच्छेद द्वारा प्रत्याभूत अधिकार निलंबित नहीं किया जाएगा।

1975 के आपातकाल के दौरान, एडीएम जबलपुर बनाम शिवाकांत शुक्ला मामले में सुप्रीम कोर्ट की पांच-न्यायाधीशों की पीठ ने फैसला सुनाया था कि अनुच्छेद 32 के तहत संवैधानिक उपचार का अधिकार एक राष्ट्रीय आपातकाल के दौरान निलंबित रहेगा।

**44वें संशोधन ने यह भी कहा कि अनुच्छेद 359 के अनुसार, राष्ट्रीय आपात के दौरान राष्ट्रपति अनुच्छेद 20 और अनुच्छेद 21 को छोड़कर** अन्य मूल अधिकारों के प्रवर्तन के लिए किसी भी न्यायालय में जाने के अधिकार को निलंबित कर सकता है।

सिविल या आपराधिक मामलों में, पीड़ित व्यक्ति के लिए उपलब्ध पहला उपाय ट्रायल न्यायालय होता है, उसके बाद उच्च न्यायालय और फिर उच्चतम न्यायालय में अपील की जाती है। मूल अधिकारों के उल्लंघन की स्थिति में कोई व्यक्ति अनुच्छेद 326 के तहत उच्च न्यायालय या सीधे अनुच्छेद 32 के तहत सर्वोच्च न्यायालय में अपील दायर आकर सकता है। **हालांकि, अनुच्छेद 226,अनुच्छेद 32 की तरह मूल अधिकार नहीं है।**

**4) निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए।**

**1. अनुच्छेद 356 भारत सरकार अधिनियम, 1919 से प्रेरित है।**

**2. धर्मनिरपेक्ष विरोधी राजनीति करने वाली राज्य सरकार पर अनुच्छेद 356 के तहत कार्रवाई की a सकती है।**

**3. राष्ट्रपति शासन लागू करने वाली राष्ट्रपति की घोषणा न्यायिक समीक्षा के अधीन होती है।**

**उपरोक्त में से कौन सा/से कथन सही है/हैं?**

**a) 1, 2**

**b) 1, 3**

**c) 2, 3**

**d) 1, 2, 3**

**उत्तर: c)**

राष्ट्रपति शासन लागू करने वाली राष्ट्रपति की घोषणा न्यायिक समीक्षा के अधीन है। राष्ट्रपति की संतुष्टि प्रासंगिक आधार पर आधारित होनी चाहिए। राष्ट्रपति की कार्रवाई को अदालत द्वारा रद्द किया जा सकता है यदि यह अप्रासंगिक या बाहरी आधार पर आधारित होती है या यदि इसे दुर्भावनापूर्ण या अनुचित पाया गया है।

**धर्मनिरपेक्षता संविधान की 'बुनियादी विशेषताओं' में से एक है। इसलिए, धर्मनिरपेक्ष विरोधी राजनीति करने वाली राज्य सरकार पर अनुच्छेद 356 के तहत कार्रवाई की का सकती है।**

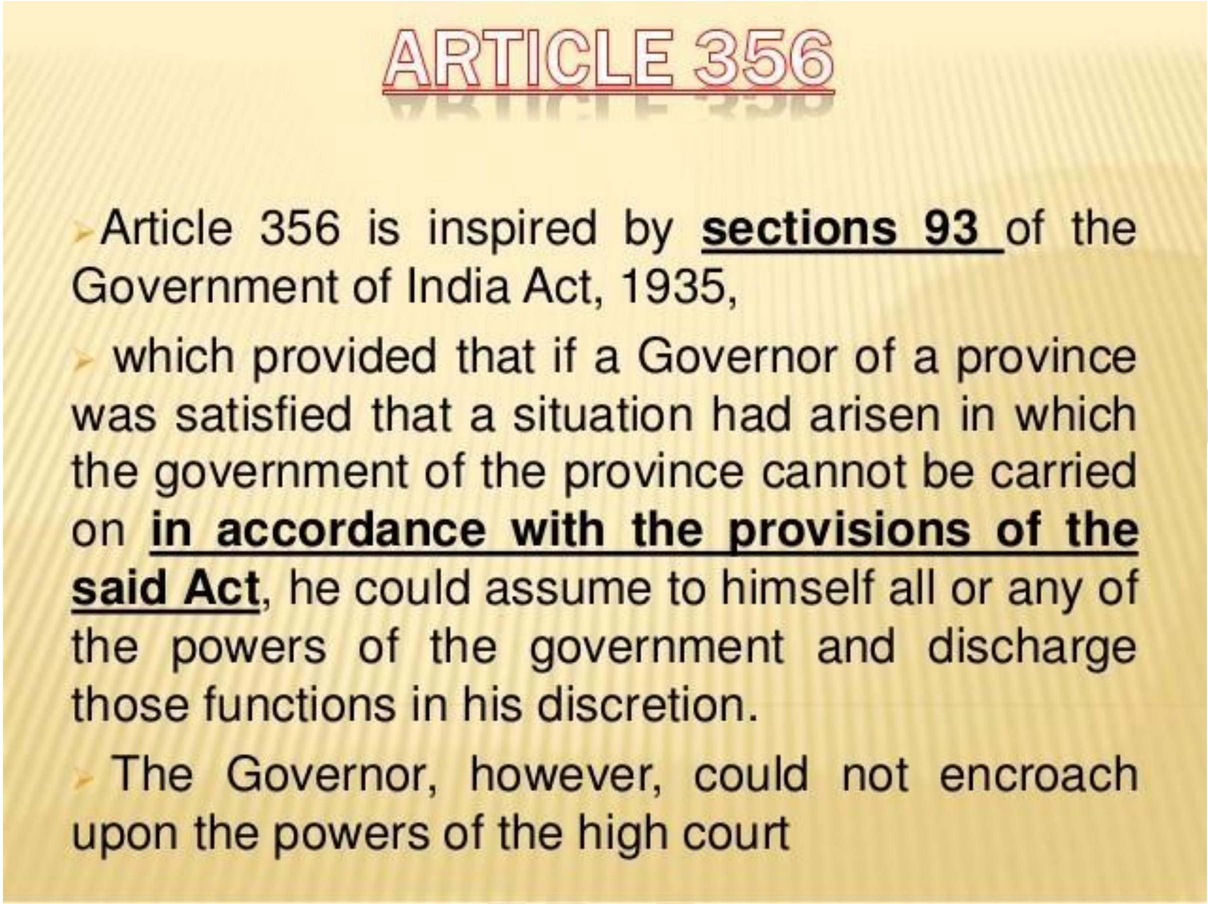
ARTICLE 356

- Article 356 is inspired by **sections 93** of the Government of India Act, 1935,
- which provided that if a Governor of a province was satisfied that a situation had arisen in which the government of the province cannot be carried on **in accordance with the provisions of the said Act**, he could assume to himself all or any of the powers of the government and discharge those functions in his discretion.
- The Governor, however, could not encroach upon the powers of the high court

**5) निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए।**

**1. चुनाव में वोट डालने का अधिकार न तो मौलिक अधिकार है और न ही साधारण कानून के तहत अधिकार।**

**2. कैदी पोस्टल बैलेट के जरिए जेल से अपना वोट डाल सकते हैं।**

**उपरोक्त में से कौन सा/से कथन सही नहीं है/हैं?**

**a) केवल 1**

**b) केवल 2**

**c) 1 और 2 दोनों**

**d) न तो 1 और न ही 2**

**उत्तर: b)**

**सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि चुनाव में वोट डालने का अधिकार न तो मौलिक अधिकार है और न ही साधारण कानून के तहत अधिकार।**

**कौन वोट कर सकता है और कौन नहीं?**

लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 62(5) के तहत, कानूनी हिरासत में और दोषी ठहराए जाने के बाद कारावास की सजा काटने वाले व्यक्ति मतदान नहीं कर सकते। विचाराधीन कैदियों को भी चुनाव में भाग लेने से बाहर रखा जाता है, भले ही उनके नाम मतदाता सूची में हों।

**केवल निवारक निरोध के तहत गिरफ्तार व्यक्ति पोस्टल मतपत्रों के माध्यम से अपना वोट डाल सकते हैं।**

**1) मौलिक अधिकार बनाम राज्य के नीति निदेशक तत्वों की स्थिति के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए।**

**1. गोलकनाथ केस, 1967 में सर्वोच्च न्यायालय ने माना कि भारतीय संविधान मौलिक अधिकारों और निर्देशक सिद्धांतों के बीच संतुलन पर स्थापित है।**

**2. संसद किसी भी मौलिक अधिकार के संचालन में सुधार के लिए राज्य के नीति निदेशक तत्वों में पूरी तरह से संशोधन कर सकती है।**

**उपरोक्त में से कौन सा/से कथन सही है/हैं?**

a) केवल 1

b) केवल 2

c) 1 और 2 दोनों

d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: d)

**मिनर्वा मिल्स मामले (1980) में, सर्वोच्च न्यायालय ने यह भी माना कि 'भारतीय संविधान मौलिक अधिकारों और निर्देशक सिद्धांतों के बीच संतुलन पर स्थापित है।**

दोनों के बीच यह सामंजस्य और संतुलन संविधान की मूल संरचना की एक अनिवार्य विशेषता है।

संसद निर्देशक तत्वों को लागू करने के लिए मौलिक अधिकारों में संशोधन कर सकती है, जब तक कि संशोधन संविधान के मूल ढांचे को प्रभावित या नष्ट नहीं करता करे।

**हालाँकि, संसद मनमाने तरीके से निर्देशक तत्वों में संशोधन नहीं कर सकती है** और भारतीय संविधान के 'कल्याणकारी राज्य' की विशेषता को प्रभावित नहीं कर सकती है क्योंकि यह मूल संरचना का एक हिस्सा है।

**2) राज्यपाल की विधायी शक्तियों के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए।**

**1. यदि राज्य विधानमंडल द्वारा पारित विधेयक राज्य के उच्च न्यायालय की स्थिति को खतरे में डालता है, तो राज्यपाल राष्ट्रपति के विचार के लिए विधेयक को सुरक्षित रखेगा।**

**2. यदि राज्यपाल द्वारा राज्य विधायिका के पुनर्विचार के लिए भेजा गया विधेयक बिना संशोधन के फिर से पारित हो जाता है, तो राज्यपाल को विधेयक पर अपनी सहमति देने का कोई संवैधानिक दायित्व नहीं है।**

**उपरोक्त में से कौन सा/से कथन सही नहीं है/हैं?**

a) केवल 1

b) केवल 2

c) 1 और 2 दोनों

d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: b)

**अनुच्छेद 200 में प्रावधान है कि जब राज्य विधानमंडल द्वारा पारित विधेयक राज्यपाल को प्रस्तुत किया जाता है और राज्यपाल घोषित करेगा कि**

1) वह विधेयक पर अनुमति देता है या

2) अनुमति रोक लेता है अथवा

3) वह विधेयक को राष्ट्रपति के विचार के लिए आरक्षित रखता है,

परंतु राज्यपाल अनुमति के लिए अपने समक्ष विधेयक प्रस्तुत किए जाने के पश्चात यथाशीघ्र उस विधेयक को, यदि वह धन विधेयक नहीं है तो, सदन या सदनों को इस संदेश के साथ लौटा सकेगा कि सदन या दोनों सदन विधेयक पर या उसके किन्हीं विनिर्दिष्ट उपबंधों पर पुनर्विचार करें और विशिष्टतया किन्हीं ऐसे संशोधनों के पुर:स्थापन की वांछनीयता पर विचार करें, जिनकी उसने अपने संदेश में सिफारिश की है और जब विधेयक इस प्रकार लौटा दिया जाता है, तब सदन या दोनों सदन विधेयक पर तदनुसार पुनर्विचार करेंगे और यदि विधेयक सदन या सदनों द्वारा संशोधन सहित या उसके बिना

फिर से पारित कर दिया जाता है और राज्यपाल के समक्ष अनुमति के लिए प्रस्तुत किया जाता है तो राज्यपाल उस पर अनुमति नहीं रोकेगा, परंतु यह और कि जिस विधेयक से, उसके विधि बन जाने पर, राज्यपाल की राय में उच्च न्यायालय की शक्तियों का ऐसा अल्पीकरण होगा कि वह स्थान, जिसकी पूर्ति के लिए वह न्यायालय इस संविधान द्वारा परिकल्पित है, संकटापन्न हो जाएगा, उस विधेयक पर राज्यपाल अनुमति नहीं देगा, किंतु उसे राष्ट्रपति के विचार के लिए आरक्षित रखेगा।

**3) मामले की सुनवाई के दौरान सरकार या उसकी एजेंसियों द्वारा सुप्रीम कोर्ट को प्रस्तुत 'मुहरबंद लिफाफा (sealed covers)' के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए।**

**1. गोपनीय सामग्री को मुहरबंद लिफाफे में अदालत में जमा करने की प्रथा किसी भी कानून द्वारा समर्थित नहीं है।**

**2. सरकार को राष्ट्रीय सुरक्षा के आधार पर कुछ दस्तावेजों और संचारों का खुलासा न करने का विशेषाधिकार प्राप्त है।**

**3. किसी भी मामले पर की गई कार्रवाई की रिपोर्ट मुहरबंद लिफाफे में अदालत को प्रस्तुत नहीं की जा सकती है।**

**उपरोक्त में से कौन सा/से कथन सही है/हैं?**

**a) केवल 2**

**b) 1, 2**

**c) 2, 3**

**d) 1, 3**

**उत्तर: a)**

**मुजफ्फरपुर आश्रय गृह यौन शोषण मामले में, पूर्व मुख्य न्यायाधीश एन.वी. रमना ने आश्चर्य जताया कि 'कार्रवाई की गई' संबंधी रिपोर्ट भी एक मुहरबंद लिफाफे में क्यों होनी चाहिए।**

यह सच है कि कानून कुछ मामलों में गोपनीय सामग्री को अदालत में जमा करने की अनुमति देता है। इसके अलावा, अदालतें कुछ सामग्री को गोपनीय रखने का आदेश दे सकती हैं। साक्ष्य अधिनियम कुछ दस्तावेजों और संचार के गैर-प्रकटीकरण के विशेषाधिकार की भी अनुमति देता है।

**4) संविधान का भाग XVII राजभाषा से संबंधित है। इसके प्रावधानों में शमिल हैं**

**1. संघ की राजभाषा**

**2. प्रादेशिक भाषाएं**

**3. न्यायपालिका और अधिनियमों की भाषा**

**सही उत्तर कूट चुनिए:**

**a) 1, 2**

**b) केवल 1**

**b) 1, 3**

**d) 1, 2, 3**

**उत्तर: d)**

**संविधान के भाग XVII के अनुच्छेद 343 से 351 राजभाषा से संबंधित है। इसके प्रावधानों को चार शीर्षों में विभाजित किया गया है-**

संघ की भाषा,

प्रादेशिक भाषाएं,

न्यायपालिका और अधिनियमों की भाषा और

विशेष निदेश।

**5) भारत के संविधान में निम्नलिखित में से कौनसे प्रावधान शक्तियों के पृथक्करण के सिद्धांत की सुविधा प्रदान करते हैं?**

**1. राष्ट्रपति या राज्यपाल अपने पद की शक्तियों और कर्तव्यों के प्रयोग और प्रदर्शन के लिए किसी भी न्यायालय के प्रति जवाबदेह नहीं होंगे।**
**2. राज्य की लोक सेवाओं में न्यायपालिका को कार्यपालिका से अलग करने के लिए राज्य कदम उठाएगा।**
**3. संसद और विधानमंडलों की कार्यवाही की वैधता पर किसी भी न्यायालय में सवाल नहीं उठाया जा सकता है।**

**उपरोक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?**

**a) 1, 2**
**b) 2, 3**
**b) 1, 3**
**d) 1, 2, 3**

**उत्तर: d)**

**शक्तियों के पृथक्करण की सुविधा प्रदान करने वाले संविधान के अनुच्छेद निम्नलिखित हैं:**

**अनुच्छेद 50:** राज्य की लोक सेवाओं में, न्यायपालिका को कार्यपालिका से पृथक् करने के लिए राज्य कदम उठाएगा। यह न्यायपालिका की स्वतंत्रता सुनिश्चित करता है।

**अनुच्छेद 122 और 212:** संसद और विधानमंडलों की कार्यवाही की वैधता पर किसी भी न्यायालय में सवाल नहीं उठाया जा सकता है। इसके अलावा, विधायकों को भाषण के संबंध में कुछ विशेषाधिकार प्राप्त हैं और संसद में कही गई किसी भी बात का उनके खिलाफ इस्तेमाल नहीं किया जा सकता है।

**संविधान के अनुच्छेद 121 और 211** के अनुसार, सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालयों के न्यायाधीश के न्यायिक आचरण पर संसद और राज्य विधानमंडल में चर्चा नहीं की जा सकती है।
**अनुच्छेद 53 और 154** में यह प्रावधान है कि संघ और राज्य की कार्यकारी शक्ति राष्ट्रपति और राज्यपाल के पास निहित होगी और वह दीवानी और आपराधिक दायित्व से मुक्त हैं।

**अनुच्छेद 361:** राष्ट्रपति या राज्यपाल अपने पद की शक्तियों और कर्तव्यों के प्रयोग और प्रदर्शन के लिए किसी भी अदालत के प्रति जवाबदेह नहीं होंगे।

**1) निम्नलिखित में से किस सिद्धांत को संसदीय सरकार का मूल सिद्धांत माना जाता है?**
**a) स्वतंत्रता**
**b) संप्रभुता**
**c) बंधुत्व**
**d) सामूहिक उत्तरदायित्व**

**उत्तर: d)**

मंत्री सामूहिक रूप से संसद के प्रति और विशेष रूप से लोकसभा के प्रति उत्तरदायी होते हैं **(अनुच्छेद 75)**। सामूहिक जिम्मेदारी के सिद्धांत का तात्पर्य है कि लोकसभा (संसद नहीं) अविश्वास प्रस्ताव पारित करके मंत्रिपरिषद (यानी, प्रधान मंत्री की अध्यक्षता वाली मंत्रिपरिषद) को हटा सकती है।

**2) संसद के सदनों में दोहरी सदस्यता के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:**
**1. यदि कोई व्यक्ति संसद के दोनों सदनों के लिए निर्वाचित हो जाता है, तो उसे एक सीट का चयन करना होता है, अन्यथा दोनों सदनों में स्थान रिक्त हो जाते हैं।**
**2. यदि कोई व्यक्ति किसी सदन में दो सीटों के लिए निर्वाचित होता है, तो उसे एक सीट का चयन करना होता है, अन्यथा दोनों सीटें खाली हो जाती हैं।**
**3. यदि एक सदन का एक मौजूदा सदस्य दूसरे सदन के लिए भी चुना जाता है, तो पहले सदन में उसका स्थान खाली हो जाता है।**
**उपरोक्त में से कौन सा/से कथन सही है/हैं?**

a) 1, 2
b) 1, 3
c) 2, 3
d) 1, 2, 3

उत्तर: c)

**एक व्यक्ति एक ही समय में संसद के दोनों सदनों का सदस्य नहीं हो सकता। इस प्रकार, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम (1951) निम्नलिखित प्रावधान करता है:**

(a) यदि कोई व्यक्ति संसद के दोनों सदनों के लिए चुना जाता है, तो उसे 10 दिनों के भीतर सूचित करना होगा कि वह किस सदन का सदस्य रहना चाहता है। ऐसी सूचना न देने पर राज्य सभा में उसकी सीट रिक्त हो जाती है।

(b) यदि एक सदन का एक मौजूदा सदस्य दूसरे सदन के लिए भी चुना जाता है, तो पहले सदन में उसका स्थान रिक्त हो जाता है।

(c) यदि कोई व्यक्ति किसी सदन में दो सीटों के लिए निर्वाचित होता है, तो उसे एक सीट का चयन करना होता है, नहीं तो दोनों सीटें रिक्त हो जाती हैं।

**इसी तरह, एक व्यक्ति एक ही समय में संसद और राज्य विधानमंडल दोनों का सदस्य नहीं हो सकता है। यदि कोई व्यक्ति इस प्रकार निर्वाचित होता है, तो संसद में उसकी सीट रिक्त हो जाती है यदि वह 14 दिनों के भीतर राज्य विधानमंडल में अपनी सीट से इस्तीफा नहीं देता है।**

**3) निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए?**

**1. संसद द्वारा बनाए गए कानून भारत के सभी राज्यों पर लागू होते हैं।**

**2. किसी भी परिस्थिति में, राज्य विधानमंडल द्वारा बनाए गए कानून राज्य के बाहर लागू नहीं होते हैं।**

**3. संसद के कानून भारतीय नागरिकों और दुनिया के किसी भी हिस्से में उनकी संपत्ति पर लागू होते हैं।**

**उपरोक्त में से कौन सा/से कथन सही है/हैं?**

a) केवल 1
b) 1, 2
c) 1, 3
d) 1, 2, 3

उत्तर: c)

संसद भारत के पूरे क्षेत्र या उसके किसी हिस्से के लिए कानून बना सकती है। भारत के क्षेत्र में राज्य, केंद्र शासित प्रदेश और भारत राज्य क्षेत्र में शामिल कोई भी अन्य क्षेत्र शामिल है।

एक राज्य विधायिका पूरे या राज्य के किसी भी हिस्से के लिए कानून बना सकती है। राज्य विधायिका द्वारा बनाए गए कानून राज्य के बाहर लागू नहीं होते हैं, जब तक कि राज्य और उस विषय के बीच पर्याप्त संबंध न हो।

**केवल संसद 'अतिरिक्त-क्षेत्रीय कानून (extra-territorial legislation)' बना सकती है।** इस प्रकार, संसद के कानून दुनिया के किसी भी हिस्से में भारतीय नागरिकों और उनकी संपत्ति पर भी लागू होते हैं।

**4) केंद्र और राज्यों के बीच कार्यकारी शक्ति का निम्न के मध्य पारस्परिक प्रत्यायोजन नहीं हो सकता है**

a) राज्यपाल के माध्यम से राज्य से केंद्र में
b) राष्ट्रपति के माध्यम से केंद्र से राज्य में
c) संसद के माध्यम से केंद्र से राज्य में
d) विधानमंडल के माध्यम से राज्य से केंद्र में

उत्तर: d)



INSIGHTSIAS

**कठोरता को कम करने और गतिरोध की स्थिति से बचने के लिए संविधान कार्यकारी कार्यों के अंतर-सरकारी प्रत्यायोजन का प्रावधान करता है।**

तदनुसार, राष्ट्रपति, राज्य सरकार की सहमति से, उस सरकार को केंद्र के किसी भी कार्यकारी कार्य को सौंप सकता है।

इसके विपरीत, किसी राज्य का राज्यपाल, केंद्र सरकार की सहमति से, उस सरकार को राज्य के किसी भी कार्यकारी कार्य को सौंप सकता है। प्रशासनिक कार्यों का यह पारस्परिक प्रत्यायोजन सशर्त या बिना शर्त के हो सकता है।

संविधान केंद्र के कार्यकारी कार्यों को उस राज्य की सहमति के बिना किसी राज्य को सौंपने का भी प्रावधान करता है। लेकिन, इस मामले में, प्रत्यायोजन संसद द्वारा होता है, न कि राष्ट्रपति द्वारा।

**इस प्रकार, संघ सूची के विषय पर संसद द्वारा बनाया गया कानून किसी राज्य को शक्तियां प्रदान कर सकता है और कर्तव्यों को लागू कर सकता है, या केंद्र द्वारा किसी राज्य को शक्तियां प्रदान करने और कर्तव्यों को लागू करने के लिए अधिकृत कर सकता है (संबंधित राज्य की सहमति के बावजूद) )**

**विशेष रूप से, राज्य विधायिका द्वारा ऐसा नहीं किया जा सकता है।**

**5) भारत के संविधान का अनुच्छेद 355 केंद्र सरकार पर निम्नलिखित में से कौन सा कर्तव्य आरोपित करता है?**

**1. ज्य को बाहरी आक्रमण और आंतरिक अशांति से सुरक्षा प्रदान करना**

**2. यह सुनिश्चित करना कि प्रत्येक राज्य सरकार संवैधानिक प्रावधानों का पालन करे**

**3. यह सुनिश्चित करना कि हर राज्य आर्थिक मंदी से सुरक्षित रहे**

**उपरोक्त में से कौन से कथन सही हैं?**

**a) 1, 2**

**b) 1, 3**

**c) 1 only**

**d) 1, 2, 3**

**उत्तर: a)**

**अनुच्छेद 355 केंद्र पर दो कर्तव्यों को लागू करता है:**

(ए) किसी बाहरी आक्रमण या आन्तरिक अशान्ति की दशा में राज्य की सुरक्षा सुनिश्चित करना; और

(बी) प्रत्येक राज्य का शासन संविधान के प्रावधानों के अनुसार चलता रहे।

**यह वह कर्तव्य है जिसके प्रदर्शन में केंद्र राज्य में संवैधानिक तंत्र के विफल होने की स्थिति में अनुच्छेद 356 के तहत किसी राज्य की सरकार को अपने हाथ में लेता है।**

**1) उद्देश्य प्रस्ताव के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए।**

**1. जवाहरलाल नेहरू ने संविधान सभा में ऐतिहासिक 'उद्देश्य प्रस्ताव' पेश किया और इसे 1950 में विधानसभा द्वारा सर्वसम्मति से स्वीकार किया गया।**

**2. इसका संशोधित संस्करण वर्तमान संविधान की प्रस्तावना है।**

**उपरोक्त में से कौन सा/से कथन सही है/हैं?**

**a) केवल 1**

**b) केवल 2**

**c) 1 और 2 दोनों**

**d) न तो 1 और न ही 2**

**उत्तर: b)**

**13 दिसंबर, 1946** को जवाहरलाल नेहरू ने विधानसभा में ऐतिहासिक 'उद्देश्य प्रस्ताव' पेश किया। इसने संवैधानिक संरचना के मूल सिद्धांतों और दर्शन को निर्धारित किया है।

22 जनवरी, 1947 को इस प्रस्ताव को विधानसभा द्वारा सर्वसम्मति से स्वीकार किया गया।

इसका संशोधित संस्करण वर्तमान संविधान की प्रस्तावना है।

**2) संविधान सभा की प्रमुख समितियों के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए।**
**1. संघ अधिकारप्राप्त समिति की अध्यक्षता जवाहरलाल नेहरू ने की थी।**
**2. प्रांतीय संविधान समिति की अध्यक्षता डॉ. बी.आर. अम्बेडकर ने की थी।**
**3. मौलिक अधिकारों पर सलाहकार समिति की अध्यक्षता सरदार वल्लभभाई पटेल ने की थी।**
**उपरोक्त में से कौन सा/से कथन सही है/हैं?**

**a) 1, 2**
**b) केवल 1**
**c) 1, 3**
**d) 2, 3**

**उत्तर: c)**

**संविधान निर्माण के विभिन्न कार्यों को संपादित करने के लिए संविधान सभा ने कई समितियों की नियुक्ति की थी। इनमें से आठ प्रमुख समितियां थीं और अन्य छोटी समितियां थीं। इन समितियों और उनके अध्यक्षों के नाम नीचे दिए गए हैं:**

1. संघ अधिकारप्राप्त समिति - जवाहरलाल नेहरू
2. संघ संविधान समिति -जवाहरलाल नेहरू।
3. प्रांतीय संविधान समिति-सरदार पटेल
4. मसौदा समिति - डॉ. बी.आर. अम्बेडकर
5. मौलिक अधिकारों, अल्पसंख्यकों और जनजातीय और बहिष्कृत क्षेत्रों पर सलाहकार समिति - सरदार पटेल।
6. प्रक्रिया समिति नियम - डॉ. राजेंद्र प्रसाद
7. राज्य समिति (राज्यों के साथ बातचीत के लिए समिति) - जवाहरलाल नेहरू
8. संचालन समिति - डॉ राजेंद्र प्रसाद

**3) भारतीय राज्य के पंथनिरपेक्ष चरित्र के लिए संविधान में कौन से प्रावधान किये गए हैं?**
**1. किसी भी व्यक्ति को किसी धर्म विशेष के प्रचार के लिए कोई कर देने के लिए बाध्य नहीं किया जाएगा।**
**2. राज्य किसी व्यक्ति को कानून के समक्ष समानता या कानूनों के समान संरक्षण से वंचित नहीं करेगा।**
**3. सार्वजनिक रोजगार के मामलों में सभी नागरिकों के लिए अवसर की समानता।**

**उपरोक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?**

**a) 1, 2**
**b) 1, 3**
**c) 2, 3**
**d) 1, 2, 3**

**उत्तर: d)**

**भारत का संविधान एक पंथनिरपेक्ष राज्यकी स्थापना करता। इसलिए, यह भारतीय राज्य के आधिकारिक धर्म के रूप में किसी विशेष धर्म को मान्यता प्रदान नहीं करता है। संविधान के निम्नलिखित प्रावधानों से भारतीय राज्य के पंथनिरपेक्ष चरित्र का पता चलता है:**

(a) पंथनिरपेक्ष ’शब्द को 1976 के 42वें संवैधानिक संशोधन अधिनियम द्वारा भारतीय संविधान की उद्देशिका में जोड़ा गया था।
(b) पंथनिरपेक्ष भारत के सभी नागरिकों को विश्वास, उपासन और पूजा की स्वतंत्रता प्रदान करती है।
(c) राज्य विधि के समक्ष किसी व्यक्ति की समानता या कानूनों के समान संरक्षण को बढ़ावा देगा (अनुच्छेद 14)।
(d) राज्य, किसी नागरिक के विरुद्ध के केवल धर्म के आधार पर कोई विभेद नहीं करेगा। (अनुच्छेद 15)।
(e) राज्य के अधीन किसी पद पर नियोजन या नियुक्ति से संबंधित विषयों में सभी नागरिकों के लिए अवसर की समता होगी। (अनुच्छेद 16)।
(f) सभी व्यक्तियो को समान रूप से अंतःकरण की और धर्म की अबाध रूप से मानने, आचरण और प्रचार करने की स्वतंत्रता

(g) प्रत्येक धार्मिक संप्रदाय या उसके उसके किसी अनुभाग को धार्मिक कार्यों के प्रबंध की स्वतंत्रता (अनुच्छेद 26)।
(h) किसी व्यक्ति को किसी विशेष धर्म के प्रचार के लिए कोई कर देने के लिए बाध्य नहीं किया जाएगा (अनुच्छेद 27)।
(i) राज्य द्वारा अनुरक्षित किसी भी शैक्षणिक संस्थान में कोई धार्मिक शिक्षा नहीं दी जाएगी (अनुच्छेद 28)।
(j) भारत के राज्यक्षेत्र या उसके किसी भाग के निवासी नागरिकों के किसी अनुभाग को, जिसकी अपनी विशेष भाषा, लिपि या संस्कृति है, उसे बनाए रखने का अधिकार होगा। (अनुच्छेद 29)।
(k) शिक्षा संस्थाओं की स्थापना और प्रशासन करने का अल्पसंख्यक-वर्गों का अधिकार (अनुच्छेद 30)।
**(l) नागरिकों के लिए एक समान सिविल संहिता (अनुच्छेद 44)।**

**4) किसी राज्य में राष्ट्रपति शासन कब लगाया जाता है**
**1. राष्ट्रपति मुख्यमंत्री की अध्यक्षता वाली राज्य मंत्रिपरिषद को बर्खास्त कर देता है।**
**2. राष्ट्रपति केवल राज्य विधान सभा को निलंबित करता है, भंग नहीं करता है।**
**3. संसद राज्य के विधायी विधेयकों और राज्य के बजट को पारित करती है।**
**सही उत्तर कूट चुनिए:**

**a) केवल 1**
**b) 1, 2**
**c) 1, 3**
**d) 1, 2, 3**

**उत्तर: c)**

**जब किसी राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाया जाता है, तो राष्ट्रपति मुख्यमंत्री की अध्यक्षता वाली राज्य मंत्रिपरिषद को बर्खास्त कर देता है।**
राज्य का राज्यपाल, राष्ट्रपति की ओर से, राज्य के मुख्य सचिव या राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त सलाहकारों की सहायता से राज्य प्रशासन का संचालन करता है।
यही कारण है कि **अनुच्छेद 356** के तहत एक उद्घोषणा को राज्य में 'राष्ट्रपति शासन' लागू करने के रूप में जाना जाता है। इसके अलावा, राष्ट्रपति राज्य विधानसभा को या तो निलंबित या भंग कर देता है।
संसद तब राज्य के विधायी विधेयकों और राज्य के बजट को पारित करती है।

**5) राज्यसभा के उपसभापति के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए।**
**1. वह सभापति के रूप में तभी कार्य करता है जब उपाध्यक्ष सदन की बैठक से अनुपस्थित रहता है।**
**2. उपसभापति राज्य सभा के सभापति के अधीनस्थ होता है।**
**3. सभापति की तरह, उपसभापति, सदन की अध्यक्षता करते हुए, पहली बार में मतदान नहीं कर सकता है।**
**उपरोक्त में से कौन सा/से कथन सही है/हैं?**
**a) 1, 2**
**b) 1, 3**
**c) 2, 3**
**d) केवल 3**

**उत्तर: d)**

**उपसभापति का चुनाव राज्य सभा द्वारा अपने सदस्यों में से ही किया जाता है। जब भी उपसभापति का पद रिक्त होता है, तो राज्य सभा रिक्ति को भरने के लिए किसी अन्य सदस्य का चुनाव करती है।**

उपसभापति निम्नलिखित तीन मामलों में अपना पद खाली करता है:
यदि वह राज्य सभा का सदस्य नहीं रहता है;
यदि वह अध्यक्ष को लिखित रूप में त्यागपत्र देता है; तथा
यदि उसे राज्य सभा के सभी तत्कालीन सदस्यों के बहुमत से पारित प्रस्ताव द्वारा हटा दिया जाता है। ऐसा प्रस्ताव 14 दिन की अग्रिम सूचना देने के बाद ही पेश किया जा सकता है।

उपाध्यक्ष अध्यक्ष के पद के रिक्त होने पर या जब उपराष्ट्रपति राष्ट्रपति के रूप में कार्य करता है या राष्ट्रपति के कार्यों का **निर्वहन करता है, तो उसके कर्तव्यों का निर्वहन करता है। वह सभापति के रूप में तब भी कार्य करता है जब वह सभा की बैठक से अनुपस्थित रहता है।**

दोनों ही मामलों में, उसके पास अध्यक्ष की सभी शक्तियां होती हैं। यहां इस बात पर बल दिया जाना चाहिए कि उपसभापति सभापति के अधीनस्थ नहीं होता है। वह सीधे राज्यसभा के प्रति उत्तरदायी होता है।

सभापति की तरह, उपसभापति, सदन की अध्यक्षता करते हुए, पहली बार में मतदान नहीं कर सकता हैं; बराबरी की स्थिति में वह केवल निर्णायक मत का प्रयोग कर सकता है। इसके अलावा, जब उपसभापति को हटाने का प्रस्ताव सदन के विचाराधीन होता है, तो वह सदन की बैठक की अध्यक्षता नहीं कर सकता, भले ही वह उपस्थित हो।

**1) भारत के निर्वाचन आयोग के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए**

**1. संविधान ने निर्वाचन आयोग के सदस्यों की योग्यता निर्धारित नहीं की है।**

**2. संविधान ने निर्वाचन आयोग के सदस्यों के कार्यकाल को निर्दिष्ट किया है।**

**3. संविधान ने सेवानिवृत्त होने वाले निर्वाचन आयुक्तों को सरकार द्वारा किसी भी नियुक्ति से वंचित कर दिया है।**

**उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?**

**a) 1, 2**

**b) 1, 3**

**c) केवल 1**

**d) 2, 3**

**उत्तर: c)**

**हालांकि संविधान ने निर्वाचन आयोग की स्वतंत्रता और निष्पक्षता को सुरक्षित रखने और सुनिश्चित किया है, लेकिन निर्वाचन आयोग के सदस्यों के संबंध में कुछ खामियों पर ध्यान दिया जा सकता है, जैसे,**

**संविधान के अनुच्छेद 324 में निर्वाचन आयोग की संरचना के संबंध में प्रावधान किए गए हैं।**

निर्वाचन आयोग में मुख्य निर्वाचन आयुक्त और अन्य निर्वाचन आयुक्तों शामिल होंगें जिनकी संख्या राष्ट्रपति समय-समय पर निर्धारित कर सकता है।
निर्वाचन आयुक्तों और क्षेत्रीय आयुक्तों की सेवा और कार्यकाल की शर्तें राष्ट्रपति द्वारा निर्धारित की जाएंगी।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त और / या दो अन्य निर्वाचन आयुक्तों के बीच मतभेद संबंधी मामलों का आयोग द्वारा बहुमत से निपटारा किया जायेगा।

**2) निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए।**

**1. संविधान का अनुच्छेद 324 सभी निर्वाचन आयुक्तों को मुख्य निर्वाचन आयुक्त के समान सुरक्षा प्रदान करता है।**

**2. मुख्य निर्वाचन आयुक्त को केवल सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश के समान ही हटाया जा सकता है।**

**उपरोक्त में से कौन सा/से कथन सही है/हैं?**

**a) केवल 1**

**b) केवल 2**

**c) 1 और 2 दोनों**

**d) न तो 1 और न ही 2**

**उत्तर: b)**

मुख्य निर्वाचन आयुक्त और निर्वाचन आयुक्तों का कार्यकाल छह वर्ष या **65 वर्ष की आयु तक,** जो भी पहले हो और वेतन एवं भत्ते सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों के लिए के समान प्राप्त करते हैं।
मुख्य निर्वाचन आयुक्त और निर्वाचन आयुक्तों को समान निर्णय लेने की शक्तियां प्राप्त हैं जो इस तथ्य का सूचक है कि उनकी शक्तियां एक-दूसरे के बराबर हैं।

हालांकि, **अनुच्छेद 324(5)** - संसद द्वारा बनाई गई किसी विधि के उपबंधों के अधीन रहते हुए, निर्वाचन आयुक्तों और प्रादेशिक आयुक्तों की सेवा की शर्तें और पदावधि ऐसी होंगी जो राष्ट्रपति नियम द्वारा अवधारित करे।

**3) भारत के वित्त आयोग के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए।**

**1. वित्त आयोग का गठन संविधान के अनुच्छेद 280 के तहत किया गया है।**

**2. केंद्रीय वित्त मंत्री आयोग के पदेन सदस्य के रूप में कार्य करते हैं।**

**3. आयोग क्रमशः केंद्र और राज्यों की कराधान शक्तियों और व्यय जिम्मेदारियों के बीच उत्पन्न असंतुलन को संबोधित करता है।**

**उपरोक्त में से कौन सा/से कथन सही है/हैं?**

**a) केवल 1**

**b) 1, 2**

**c) 2, 3**

**d) 1, 3**

**उत्तर: d)**

**FC संविधान के अनुच्छेद 280 के तहत स्थापित एक निकाय है।**

इसका प्राथमिक कार्य केंद्र और राज्यों के बीच राजस्व को कैसे वितरित करने की आवश्यकता है, इस पर उपायों और विधियों की सिफारिश करना है।

**आयोग का कोई पदेन सदस्य नहीं होता हैं, क्योंकि इसे हर पांच साल में गठित किया है।**

कर राजस्व को साझा करने के लिए तंत्र का सुझाव देने के अलावा, आयोग राज्यों और अन्य स्थानीय निकायों को सहायता अनुदान देने के सिद्धांतों को भी निर्धारित करता है।

आयोग को क्रमशः केंद्र और राज्यों की कराधान शक्तियों और व्यय जिम्मेदारियों के बीच उत्पन्न होने वाले असंतुलन को दूर करने का कार्य स्वयं करना होगा।

**4) भारतीय खाद्य निगम के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए।**

**1. यह कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय के तहत एक वैधानिक निकाय है।**

**2. खाद्यान्न और अन्य खाद्य पदार्थों की खरीद, भंडारण, परिवहन, वितरण और बिक्री करना इसका प्राथमिक कर्तव्य है।**

**उपरोक्त में से कौन सा/से कथन सही नहीं है/हैं?**

**a) केवल 1**

**b) केवल 2**

**c) 1 और 2 दोनों**

**d) न तो 1 और न ही 2**

**उत्तर: a)**

भारतीय खाद्य निगम भारत सरकार द्वारा निर्मित और संचालित एक संगठन है। यह उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय, भारत सरकार के तहत एक वैधानिक निकाय है।

अनाज और अन्य खाद्य पदार्थों की खरीद, भंडारण और स्थानांतरण / परिवहन, वितरण और बिक्री करना इसका प्राथमिक कर्तव्य है।

**5) एक विधेयक को धन विधेयक नहीं माना जाता है यदि उसमें निम्नलिखित प्रावधान शामिल होते हैं:**

**1. जुर्माना या अन्य आर्थिक दंड लगाना**

**2. भारत के सार्वजनिक खाते से धन की प्राप्ति।**

**3. स्थानीय उद्देश्यों के लिए किसी स्थानीय प्राधिकरण या निकाय द्वारा किसी भी कर का अधिरोपण, उन्मूलन, छूट, परिवर्तन या विनियमन।**

**सही उत्तर कूट चुनिए:**

**a) केवल 1**

**b) 1, 2**
**c) 1, 3**
**d) 2, 3**

**उत्तर: c)**

संविधान का **अनुच्छेद 110** धन विधेयकों की परिभाषा से संबंधित है। इस अध्याय के प्रयोजनों के लिए, कोई विधेयक धन विधेयक समझा जाएगा यदि उसमें केवल निम्नलिखित सभी या किन्हीं विषयों से संबंधित उपबंध शामिल हैं:

1. किसी कर का अधिरोपण, उत्सादन, परिहार, परिवर्तन या विनियमन;
2. भारत सरकार द्वारा धन उधार लेने का या कोई प्रत्याभूति देने का विनियमन अथवा भारत सरकार द्वारा अपने पर ली गई या ली जाने वाली किन्हीं वित्तीय बाध्यताओं से संबंधित विधि का संशोधन;
3. भारत की संचित निधि या आकस्मिकता निधि की अभिरक्षा, ऐसी किसी विधि में धन जमा करना या उसमें से धन निकालना;
4. भारत की संचित निधि में से धन का विनियोग;
5. किसी व्यय को भारत की संचित निधि पर भारित व्यय घोषित करना या ऐसे धन की अभिरक्षा या उसका निर्गमन अथवा संघ या राज्य के लेखाओं की संपरीक्षा; या
6. भारत की संचित निधि या भारत के लोक लेखे मद्धे धन प्राप्त करना अथवा ऐसे धन की अभिरक्षा या उसका निर्गमन अथवा संघ या राज्य के लेखाओं की संपरीक्षा; या
7. ऊपर विनिर्दिष्ट किसी विषय का आनुषंगिक कोई विषय।

हालाँकि, कोई विधेयक केवल इस कारण धन विधेयक नहीं समझा जाएगा कि वह जुर्मानों या अन्य धनीय शास्तियों के अधिरोपण का अथवा अनुज्ञप्तियों के लिए फीसों की या की गई सेवाओं के लिए फीसों की मांग का या उनके संदाय का उपबंध करता है अथवा इस कारण धन विधेयक नहीं समझा जाएगा कि वह किसी स्थानीय प्राधिकारी या निकाय द्वारा स्थानीय प्रयोजनों के लिए किसी कर के अधिरोपण, उत्सादन, परिहार, परिवर्तन या विनियमन का उपबंध करता है।

# Geography

**1) निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए।**

**1. गारो और खासी पहाड़ियाँ मेघालय में पूर्वांचल का विस्तार हैं जो ब्रह्मपुत्र और बराक नदी के बीच जल विभाजन बनाती हैं।**

**2. राजमहल पहाड़ियों का निर्माण जुरासिक काल की चट्टानों से हुआ है और इसका नाम राजमहल शहर के नाम पर रखा गया है जो झारखंड राज्य में पूर्व में स्थित है।**

**उपरोक्त में से कौन सा/से कथन सही नहीं है/हैं?**

**a) केवल 1**
**b) केवल 2**
**c) 1 और 2 दोनों**
**d) न तो 1 न ही 2**

**उत्तर: a)**

गारो और खासी पहाड़ियाँ उपमहाद्वीप के प्रायद्वीपीय भाग का विस्तार हैं। कार्बी आंगलोंग पठार के साथ, मेघालय पठार (गारो, खासी और जयंतिया पहाड़ियों को मिलाकर) छोटानागपुर पठार (प्रायद्वीपीय भारत का हिस्सा) से मालदा भ्रंश (पश्चिम बंगाल में) से अलग होते हैं।

**राजमहल पहाड़ियों का निर्माण जुरासिक काल की चट्टानों से हुआ है और इसका नाम राजमहल शहर के नाम पर रखा गया है जो झारखंड राज्य में पूर्व में स्थित है।**

**2) भारत में खड्ड (Ravines) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए।**

**1. भारत में खड्ड एक भूवैज्ञानिक विशेषता है जिसका निर्माण लाखों साल पहले हुआ था जब प्रायद्वीपीय प्लेट हिमालय के क्षेपित हो गई थी।**

**2. विंध्य के आसपास के क्षेत्र में खड्ड नहीं पाए जाते हैं।**

**3. मिट्टी के कटाव से नालियां बढ़ जाती हैं।**

**उपरोक्त में से कौन सा/से कथन सही है/हैं?**

**a) 1, 2**

**b) 1, 3**

**c) 2, 3**

**d) 1, 2, 3**

**उत्तर: b)**

**भारत में खड्ड एक भूवैज्ञानिक विशेषता है जिसका निर्माण लाखों साल पहले हुआ था जब प्रायद्वीपीय प्लेट हिमालय के क्षेपित हो गई थी। नेशनल रिमोट सेंसिंग सेंटर, हैदराबाद के अनुसार, भारत के लगभग सभी खड्ड विंध्य के आसपास के क्षेत्र में पाए जाते हैं, जिनमें से 60 प्रतिशत उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, गुजरात और राजस्थान में स्थित हैं।**

हालांकि, मिट्टी के कटाव से खड्डों का विस्तार होता हैं। निकटवर्ती भूमि का क्षरण हो जाता है और तीक्ष्ण ढलानों के साथ संकीर्ण खड्डों का निर्माण होता है। समय के साथ, खड्ड चौड़े हो जाते हैं, जिससे भूमि अनुपयोगी हो जाती है और ऊपरी मिट्टी का क्षरण हो जाता है।

**3) निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:**

**1. महान हिमालय की वलनों की प्रकृति सममित है।**

**2. लघु हिमालय और शिवालिकों के बीच स्थित अनुदैर्ध्य घाटी को दून के नाम से जाना जाता है।**

**3. सतलुज और काली नदियों के बीच स्थित हिमालय के हिस्से को कुमाऊं हिमालय के नाम से जाना जाता है।**

**उपरोक्त में से कौन सा/से कथन सही है/हैं?**

**a) 2, 3**

**b) केवल 3**

**c) केवल 2**

**d) 1, 2, 3**

**उत्तर: a)**

**महान हिमालय में असममित वलन पाए जाते हैं।**



INSIGHTSIAS

लघु हिमालय और शिवालिक के बीच स्थित अनुदैर्ध्य घाटी को दून के नाम से जाना जाता है। जैसे पूर्व चंडीगढ़-कालका दून, नालागढ़ दून, देहरादून, हरिके दून और कोटा दून आदि। देहरादून सभी दूनों में सबसे बड़ा है जिसकी लंबाई लगभग 35-45 किमी और चौड़ाई 22-25 किमी है।

**4) भारत के भौतिक विज्ञान के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए।**

**1. महान हिमालयन का कोर चूना पत्थर की चट्टानों से बना है।**

**2. नर्मदा नदी का ट्रफ विंध्य और सतपुड़ा पर्वतमाला के बीच बनता है।**

**3. दक्कन के पठार में पूरे वर्ष भारी वर्षा होती है क्योंकि यह मध्य और दक्षिणी भारत की प्रमुख पहाड़ियों के पवनाभिमुख की ओर स्थित है।**

**सही उत्तर कूट चुनिए:**

**a) 1, 3**

**b) केवल 2**

**c) केवल 3**

**d) 1, 2, 3**

**उत्तर: b)**

**कथन 1:** चूना पत्थर हिमालय के भारी भार को सहन नहीं कर सकता है। इसका कोर वास्तव में ग्रेनाइट चट्टानों से बना है।

**कथन 2:** यह भारत की नदियों में से एक है जो सतपुड़ा और विंध्य पर्वतमाला के बीच पश्चिम में बहने वाली भ्रंश घाटी में प्रवाहित होती है।

**कथन 3:** दक्कन का पठार एक बड़ा त्रिकोणीय पठार है, जो उत्तर में विंध्य से घिरा है और पूर्वी एवं पश्चिमी घाटों से घिरा है।

यह क्षेत्र ज्यादातर अर्ध-शुष्क है क्योंकि यह दोनों घाटों के किनारे पर स्थित है। दक्कन का अधिकांश भाग पर्णपाती चौड़ी पत्ती वाले जंगल के छोटे क्षेत्रों के साथ कुछ कांटेदार झाड़ीदार जंगल से आच्छादित है। दक्कन में जलवायु गर्म ग्रीष्मकाल से लेकर हल्की सर्दियों तक होती है।

**5) पूर्वी घाट की निम्नलिखित पहाड़ियों को दक्षिण से उत्तर दिशा की ओर व्यवस्थित कीजिए।**

**1. नल्लामाला पहाड़ियाँ**

**2. पलकोंडा की पहाड़ियाँ**

**3. जावादी पहाड़ी**

**4. नागरी पहाड़ियाँ**

**सही उत्तर कूट चुनिए:**

**a) 1-2-3-4**

**b) 2-1-3-4**

**c) 4-3-2-1**

**d) 3-4-2-1**

**उत्तर: d)**

**1)** महासागर में कई सूक्ष्म पोषक तत्व जैसे नाइट्रेट, सल्फेट्स और सिलिकेट्स, लौह अयस्क और जस्ता जैसे खनिज और कैडमियम या तांबे जैसी ट्रेस धातुएं मौजूद हैं। ट्रेस धातुओं की आपूर्ति महासागरों में कहा से होती है

1. वायुमंडलीय निक्षेप
2. महाद्वीपीय मग्नतट के साथ परस्पर क्रिया
3. महाद्वीपों से प्रवाहित
4. हाइड्रोथर्मल गतिविधियाँ

सही उत्तर कूट का चयन कीजिए:

a) 1, 2, 3
b) 1, 3, 4
c) 2, 3, 4
d) 1, 2, 3, 4

उत्तर: d)

कैडमियम या तांबे जैसी ट्रेस धातुओं की महाद्वीपों से प्रवाहित (रन-ऑफ), वायुमंडलीय निक्षेप, हाइड्रोथर्मल गतिविधियों और महाद्वीपीय मग्नतट के साथ परस्पर क्रिया द्वारा महासागरों को आपूर्ति की जाती है। ये महासागर उत्पादकता के लिए आवश्यक हैं।

**2)** ब्राह्मणी नदी बेसिन के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए।

1. ब्राह्मणी गंगा नदी की सहायक नदी है।
2. बैतरणी नदी के साथ मिलकर यह बंगाल की खाड़ी में मिलने से पहले एक बड़ा डेल्टा बनाती है।
3. यह मैंग्रोव वनस्पति के लिए प्रसिद्ध है।

उपरोक्त में से कौन सा/से कथन सही है/हैं?

a) 1, 2
b) 1, 3

c) 2, 3
d) केवल 2

उत्तर: c)

पर्यावरणविदों ने ब्राह्मणी नदी बेसिन से ताजे पानी के बड़े पैमाने पर स्थान परिवर्तन पर चिंता व्यक्त की, जो ओडिशा में प्रसिद्ध मैंग्रोव वनस्पति के लिए गंभीर खतरा पैदा कर सकता है।

बैतरणी नदी के साथ ब्राह्मणी नदी बंगाल की खाड़ी में मिलने से पहले एक बड़ा डेल्टा बनाती है।

**3) समुद्र के स्तर में वृद्धि के मुख्य रूप से कारण हैं**
**1. ग्रीनलैंड और अंटार्कटिका में बर्फ की चादरों का पिघलना**
**2. भूमि पर हिमनदों का पिघलना**
**3. गर्म समुद्र के जल का विस्तार**
**सही उत्तर कूट चुनिए:**
a) 1, 2
b) 1, 3
c) केवल 3
d) 1, 2, 3

उत्तर: d)

समुद्र के स्तर में वृद्धि मुख्य रूप से गर्म समुद्र के जल के विस्तार, जमीन पर हिमनदों के पिघलने और ग्रीनलैंड और अंटार्कटिका में बर्फ की चादरों के पिघलने के कारण होती है।

**4) रौंथी हिमनद और मृगथुनी हिमनद स्थित हैं**
a) उत्तराखंड
b) लद्दाख
c) हिमाचल प्रदेश
d) अरुणाचल प्रदेश

उत्तर: d)

**उत्तराखंड के पिंडर** नदी बेसिन के प्रमुख हिमनदों में से एक मृगथुनी ग्लेशियर 22,490 फुट की मृगथुनी चोटी से निकलता है।

**5) निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए।**
**1. पश्चिमी विक्षोभ भूमध्यसागर से आर्द्रतायुक्त बादलों का आवधिक प्रवाह है जो सर्दियों के दौरान आम हैं और उत्तरी भारत में वर्षा का कारण बनते हैं।**
**2. आर्कटिक महासागर में उच्च तापमान और गर्म जल उत्तर-भारत पर पश्चिमी विक्षोभ की तीव्रता को कम करता है।**
**उपरोक्त में से कौन सा/से कथन सही नहीं है/हैं?**
a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2 दोनों

**d) न तो 1 न ही 2**

**उत्तर: b)**

**पश्चिमी विक्षोभ के कारण उत्तर भारत में वर्षा होती है।**
पश्चिमी विक्षोभ भूमध्यसागर से आर्द्रतायुक्त बादलों का आवधिक प्रवाह है जो सर्दियों के दौरान आम है।

उच्च तापमान आर्कटिक महासागर में गर्म जल में योगदान दे रहा है और अधिक तीव्रता के साथ ध्रुवों से ठंडी हवाओं को आकर्षित करता है। इससे आर्द्रता में वृद्धि हो जाती है, जिससे उत्तर भारत में अधिक तीव्र पश्चिमी विक्षोभ गतिविधि शुरू हो गई है।

**1) बादल फटने (Cloudbursts) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए।**
**1. बादल फटना एक छोटे क्षेत्र में लंबी अवधि में तीव्र वर्षा की घटना है।**
**2. बादल फटने के दौरान आमतौर पर सापेक्षिक आर्द्रता और मेघावरण निम्न तापमान और मंद हवाओं के साथ अधिकतम स्तर पर होते हैं।**
**उपरोक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?**
**a) केवल 1**
**b) केवल 2**
**c) 1 और 2 दोनों**
**d) न तो 1 न ही 2**

**उत्तर: b)**

बादल फटना एक छोटे क्षेत्र में छोटी अवधि में तीव्र वर्षा की घटना है। **भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) के अनुसार, यह लगभग 20-30 वर्ग किमी के भौगोलिक क्षेत्र में 100 मिमी / घंटा से अधिक अप्रत्याशित वर्षा वाली एक मौसम की घटना है।**

परिणामों से पता चला कि बादल फटने के दौरान निम्न तापमान और मंद हवाओं के साथ सापेक्षिक आर्द्रता और मेघावरण अधिकतम स्तर पर था।

कई अध्ययनों से पता चला है कि जलवायु परिवर्तन से दुनिया भर के कई शहरों में बादल फटने की आवृत्ति और तीव्रता में वृद्धि हुई हैं।

**2) अटलांटिक मेरिडियनल ओवरटर्निंग सर्कुलेशन (AMOC) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए।**
**1. AMOC महासागरीय धाराओं का एक वृहत तंत्र है।**
**2. यह दुनिया के महासागरीय बेसिनों में ऊष्मा और पोषक तत्व वितरित करता है।**
**3. AMOC के बंद होने से उत्तरी गोलार्द्ध में तापमान में वृद्धि होगी।**
**उपरोक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?**
**a) 1, 2**
**b) 1, 3**
**c) 2, 3**
**d) 1, 2, 3**
**उत्तर: a)**

अटलांटिक मेरिडियनल ओवरटर्निंग सर्कुलेशन (AMOC) महासागरीय धाराओं का एक वृहत तंत्र है। यह महासागर कन्वेयर बेल्ट या थर्मोहालाइन परिसंचरण (THC) की अटलांटिक शाखा है, और पूरे विश्व के महासागरीय बेसिनों में ऊष्मा और पोषक तत्व वितरित करता है।

**AMOC उष्ण कटिबंध से उत्तरी गोलार्ध की ओर गर्म सतही जल को प्रवाहित करता है,** जहां यह ठंडा होकर सिंक हो जाता है। पुन: यह उष्णकटिबंधीय और दक्षिण अटलांटिक में गहन धारा के रूप में लौटता है। वहां से इसे अंटार्कटिक उपध्रुवीय धारा के माध्यम से सभी महासागरीय बसिनों में वितरित कर दिया जाता है।

**क्या होता है यदि AMOC समाप्त हो जाता है?**

गल्फ स्ट्रीम (AMOC का एक हिस्सा) उत्तरी अमेरिका के पूर्वी तट के साथ-साथ यूरोप में मृदु जलवायु के लिए जिम्मेदार एक गर्म धारा है। AMOC और गल्फ स्ट्रीम के अभाव में, यूरोप अत्यधिक ठंडा हो जायेगा।

**मॉडलिंग अध्ययनों से पता चला है कि AMOC बंद होने से उत्तरी गोलार्ध ठंडा हो जाएगा और यूरोप में वर्षा में कमी हो जाएगी। इसका असर अल नीनो पर भी पड़ सकता है।**

**3) ग्रीष्म संक्रांति (Summer Solstice) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए।**

**1. ग्रीष्म संक्रांति के दौरान, पृथ्वी की धुरी इस तरह झुकी होती है कि उत्तरी ध्रुव सूर्य की ओर झुक जाता है और दक्षिणी ध्रुव इससे दूर स्थित होता है।**

**2. पृथ्वी को सूर्य से प्राप्त होने वाली ऊर्जा की मात्रा भूमध्य रेखा की तुलना में उत्तरी ध्रुव पर अधिक होती है।**

**3. आर्कटिक सर्कल पर, ग्रीष्म संक्रांति के दौरान सूर्य कभी अस्त नहीं होता है।**

**4. ग्रीष्म संक्रांति के दौरान उत्तरी गोलार्द्ध के सभी स्थानों पर सबसे पहले सूर्योदय होगा या देर से सूर्यास्त होगा।**

**उपरोक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?**

**a) 1, 2**

**b) 1, 2, 3**

**c) 1, 3**

**d) 2, 3**

**उत्तर: b)**

**ग्रीष्म संक्रांति**

चूंकि पृथ्वी अपनी धुरी पर घूमती है, उत्तरी गोलार्द्ध को एक दिन के दौरान मार्च और सितंबर के बीच अधिक सीधी धूप मिलती है, जिसका अर्थ यह भी है कि उत्तरी गोलार्द्ध में रहने वाले लोग इस दौरान गर्मी का अनुभव करते हैं। शेष वर्ष, दक्षिणी गोलार्द्ध को अधिक धूप मिलती है।

संक्रांति के दौरान, पृथ्वी की धुरी इस तरह झुकी हुयी होती है कि उत्तरी ध्रुव सूर्य की ओर झुका हुआ है और दक्षिणी ध्रुव इससे दूर स्थित होता है।

**नासा के अनुसार संक्रांति, वह समय है जब उत्तरी ध्रुव वर्ष किसी भी समय सूर्य की ओर होता है।**

ग्रीष्म संक्रांति के दौरान उत्तरी गोलार्द्ध में एक विशिष्ट क्षेत्र द्वारा प्राप्त प्रकाश की मात्रा उस स्थान के अक्षांशीय स्थान पर निर्भर करती है। ग्रीष्म संक्रांति के दौरान भूमध्य रेखा से उत्तर की ओर जितना आगे बढ़ेंगे, उतना ही अधिक प्रकाश प्राप्त होता है। संक्रांति के दौरान आर्कटिक सर्कल पर सूर्य कभी अस्त नहीं होता है।

**हालांकि 21 जून 2021 को सबसे लंबा दिन होगा, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि यह यहाँ सबसे पहले सूर्योदय या देर से सूर्यास्त होगा। यह देश की अक्षांशीय स्थिति पर निर्भर करता है।**

**4) निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए।**

**1. आकाशीय बिजली वातावरण में बिजली का एक बहुत तेज़ और व्यापक स्तर पर उत्सर्जन है, जिनमें से कुछ पृथ्वी की सतह की ओर संचरित हो जाती है।**

**2. यह विशाल नमी वाले बादलों में उत्पन्न होती है, जिसका आधार आमतौर पर पृथ्वी की सतह से 10 से 12 किमी ऊपर स्थित होता है।**

**उपरोक्त में से कौन-सा/से कथन सही नहीं है/हैं?**

**a) केवल 1**

**b) केवल 2**

**c) 1 और 2 दोनों**

**d) न तो 1 न ही 2**

**उत्तर: b)**

आकाशीय बिजली वातावरण में बिजली का एक बहुत तेज़ और व्यापक स्तर पर उत्सर्जन है, जिनमें से कुछ पृथ्वी की सतह की ओर संचरित हो जाती है। **ये उत्सर्जन विशाल नमी वाले बादलों में उत्पन्न होते हैं जो 10-12 किमी ऊँचाई के होते हैं। इन बादलों का आधार आमतौर पर पृथ्वी की सतह के 1-2 किमी के भीतर होता है, जबकि इनका शीर्ष 12-13 किमी ऊँचाई पर स्थित होता है। इन बादलों के ऊपर का तापमान -35 से -45 डिग्री सेल्सियस के बीच रहता है।**

**5) सरगसो सागर के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए।**
**1. सरगसो सागर पूरी तरह से प्रशांत महासागर में स्थित है।**
**2. यह चार महासागरीय धाराओं से घिरी हुई है जो एक महासागरीय जायर (gyre) का निर्माण करती है।**
**3. यह एकमात्र ऐसा समुद्र है जिसकी कोई सीमा नहीं है।**

**उपरोक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?**
**a) 2, 3**
**b) केवल 3**
**c) 1, 3**
**d) 1, 2, 3**

**उत्तर: a)**

सरगसो सागर, जो पूरी तरह से अटलांटिक महासागर के भीतर स्थित है, एकमात्र ऐसा समुद्र है जिसकी कोई भूमि सीमा नहीं है। यह चार महासागरीय धाराओं से घिरी हुई है जो एक महासागरीय जायर (gyre) का निर्माण करती है।
यह अटलांटिक महासागर के अन्य हिस्सों से विशिष्ट भूरे रंग के सरगसुम समुद्री शैवाल और शांत नीले जल के कारण अलग दिखाई देता है।
**यह पश्चिम में गल्फ स्ट्रीम, उत्तर में उत्तरी अटलांटिक धारा, पूर्व में कैनरी धारा और दक्षिण में उत्तरी अटलांटिक भूमध्यरेखीय धारा से घिरा हुआ है, ये चारों मिलकर एक दक्षिणावर्त-परिसंचारी प्रणाली का निर्माण करती हैं, जिसे उत्तरी अटलांटिक जायर (gyre) कहा जाता है।**

# Environment

**1) निम्नलिखित में से कौन 'बायोस्फीयर' शब्द को सबसे अच्छी तरह परिभाषित करता है?**
**a) यह पृथ्वी पर सभी रूपों का अजैविक घटक है।**
**b) यह वह संकरा क्षेत्र है जहाँ भूमि, जल और वायु जीवन रूपों के निर्माण के लिए एकीकृत होते हैं।**
**c) यह स्थलमंडल का ऊपरी क्षेत्र है।**
**d) यह जलमंडल के पास का निचला वायुमंडलीय क्षेत्र है।**

**उत्तर: b)**

**पृथ्वी के जिस ठोस भाग पर हम रहते हैं उसे स्थलमंडल कहते हैं।**

पृथ्वी को घेरने वाली गैसीय परतें वायुमंडल कहलाता है, जहां ऑक्सीजन, नाइट्रोजन, कार्बन डाइऑक्साइड और अन्य गैसें पाई जाती हैं।

जल पृथ्वी की सतह के एक बहुत बड़े क्षेत्र को कवर करता है और इस क्षेत्र को जलमंडल कहा जाता है। जलमंडल में जल के सभी रूपों अर्थात बर्फ, जल और जल वाष्प का समावेश होता है।

बायोस्फीयर वह संकीर्ण क्षेत्र है जहाँ हम भूमि, जल और वायु को एक पाए जाते हैं, जिसमें जीवन के सभी रूप समाहित हैं।

**2) निम्नलिखित में से कौन आक्रामक विदेशी प्रजातियों की सामान्य विशेषताएं हैं।**

**1. उच्च विस्तार क्षमता**

**2. फेनोटाइपिक प्लास्टिसिटी**

**3. तेजी से प्रजनन और विकास**

**4. पर्यावरणीय परिस्थितियों की एक विस्तृत श्रृंखला में जीवित रहने की क्षमता**

**उपरोक्त में से कौन सा/से कथन सही है/हैं?**

**a) 1, 2, 3**

**b) 1, 3, 4**

**c) 2, 3, 4**

**d) 1, 2, 3, 4**

**उत्तर: d)**

आक्रामक विदेशी प्रजातियों की सामान्य विशेषताओं में तेजी से प्रजनन और विकास, उच्च विस्तार क्षमता, फेनोटाइपिक प्लास्टिसिटी (नई परिस्थितियों के लिए शारीरिक रूप से अनुकूलन करने की क्षमता), और विभिन्न खाद्य प्रकारों और पर्यावरणीय परिस्थितियों की एक विस्तृत श्रृंखला में जीवित रहने की क्षमता शामिल है। आक्रमण का एक अच्छा सूचक यह है कि क्या किसी प्रजाति ने कहीं और सफलतापूर्वक या असफल आक्रमण किया है।

**3) एक "बायोटोप (Biotope)" होता है?**

**1. यह एक पारिस्थितिक क्षेत्र है जो आमतौर पर एक पारिस्थितिकी तंत्र से बड़ा होता है।**

**2. यह जैविक समुदायों की एक विशेष श्रेणी का समर्थन करता है।**

**3. विशिष्ट जैव विविधता प्रसार के लिए बायोटोप्स को एक दूसरे से अलग करना एक आम बात है।**

**उपरोक्त में से कौन सा/से कथन सही है/हैं?**

**a) 1, 2**

**b) केवल 2**

**c) 2, 3**

**d) 1, 3**

**उत्तर: b)**

**यह एक पूर्णतः स्पष्ट भौगोलिक क्षेत्र है, जिसमें विशिष्ट पारिस्थितिक परिस्थितियाँ (मिट्टी, जलवायु, आदि) पाई जाती है, जो भौतिक रूप से वहां रहने वाले जीवों का समर्थन करती है।**

एक बायोटॉप को आमतौर पर बड़े पैमाने की परिघटना नहीं माना जाता है। उदाहरण के लिए, एक बायोपोटो एक पड़ोसी पार्क, बैक गार्डन, यहां तक कि पोट में उगने वाले पौधे या मछली टैंक हो सकता है।
दूसरे शब्दों में, बायोटेप जैविक विविधता के संरक्षण के लिए सूक्ष्म स्तरीय कार्य है।

**आमतौर पर इस बात पर जोर दिया जाता है कि बायोटोप्स को अलग नहीं किया जाना चाहिए।** इसके बजाय बायोटोप्स को एक-दूसरे और आसपास के जीवन से जुड़े रहने की जरूरत है क्योंकि इन कनेक्शनों के बिना जानवरों और पौधों जैसे जीवन-रूपों के लिए, बायोटॉप प्रभावी रूप से ऐसे स्थान के रूप में काम नहीं करेंगे जहां विविध जीव रहते हैं।

**तो बायोटोप्स को पुन: उत्पन्न करने के लिए सबसे प्रभावी रणनीतियों में से एक बायोटोप्स के विस्तार की योजना बनाना है, न कि केवल एक बिंदु जहां जानवर और पौधे आते हैं और जाते हैं।**

**4) "एक बड़ा पेड़ एक छोटे पौधे को छाया देता है, जिससे छोटे पौधे की वृद्धि रुक जाती है।**
**छोटे पौधे का बड़े पेड़ पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता" यह उदाहरण किस प्रकार की जैविक अंत:क्रिया से संबंधित है?**

**a) सहभोजवाद**
**b) असहभोजिता**
**c) प्रतिद्वंदिता**
**d) तटस्थता**

**उत्तर: b)**

**जैविक संपर्क के प्रकार:**

**सहभोजिता (Mutualism):** दोनों प्रजातियों को लाभ होता है, उदाहरण: परागण पारस्परिकता में, परागणकर्ता को भोजन (पराग) मिलता है, और पौधे के पराग को क्रॉस-निषेचन (प्रजनन) के लिए अन्य फूलों में स्थानांतरित कर दिया जाता है।

**सहभोजवाद (Commensalism):** एक प्रजाति को लाभ होता है, दूसरी अप्रभावित रहती है। उदाहरण: गाय का गोबर गोबर के भृंगों को भोजन और आश्रय प्रदान करता है। भृंगों का गायों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है।

**प्रतिद्वंदिता (Competition):** परस्पर क्रिया से दोनों प्रजातियों को नुकसान होता है। उदाहरण: यदि दो प्रजातियां एक ही भोजन खाती हैं, और दोनों के लिए पर्याप्त नहीं है, तो दोनों के पास अकेले की तुलना में कम भोजन की पहुंच हो सकती है। उन दोनों को भोजन की कमी का सामना करना पड़ता है

**परभक्षण और परजीवीवाद (Predation and parasitism):** एक प्रजाति को लाभ होता है, दूसरे को नुकसान होता है। उदाहरण: परभक्षण-एक मछली परजीवी को मारती है और खाती है: टिक का खून चूसने से लाभ होता है; रक्त की कमी होने से मेजबान को नुकसान होता है।

**असहभोजिता (Amensalism):** एक प्रजाति को नुकसान होता है, दूसरी अप्रभावित रहती है। उदाहरण: एक बड़ा पेड़ एक छोटे पौधे को छाया देता है, जिससे छोटे पौधे की वृद्धि धीमी हो जाती है। छोटे पौधे का बड़े पेड़ पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता।

**5) निम्न पर विचार कीजिए**
**1. मिट्टी**
**2. गैर-हरे पौधे**
**3. जल**
**4. अपघटक**
**उपरोक्त घटकों में से कौन-सा/से पर्यावरण का जैविक घटक है/हैं?**

**a) 1, 2**
**b) 2, 3**
**c) 2, 4**
**d) 3, 4**

उत्तर: c)

वह सब कुछ जो किसी जीव को उसके जीवन काल के दौरान प्रभावित करता है, सामूहिक रूप से उसके पर्यावरण के रूप में जाना जाता है जिसमें जीव (जैविक) और निर्जीव (अजैविक) दोनों घटक शामिल होते हैं। पर्यावरण स्थिर नहीं है। जैविक और अजैविक दोनों कारक लगातार बदलते रहते हैं।

| Components of Environment | |
|---|---|
| **Abiotic** | **Biotic** |
| Energy<br>Radiation<br>Temperature & heat flow<br>Water<br>Atmospheric gases and wind<br>Fire<br>Gravity<br>Topography<br>Soil<br>Geologic substratum | Green plants<br>Non-green plants<br>Decomposers<br>Parasites<br>Symbionts<br>Animals<br>Man |

**1) जीवाणुभोजी (Bacteriophage) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए।**
**1. जीवाणुभोजी एक प्रकार का बैक्टीरिया है जो वायरस को मार सकता है।**
**2. जीवाणुभोजी जीवमंडल में सबसे आम और विविध इकाईयों में से एक है।**
**3. इन्हें कई बैक्टीरिया के बहु-दवा-प्रतिरोधी स्ट्रैन के विरुद्ध एक संभावित उपचार माना जाता है।**
**उपर्युक्त कथनों में से कौन-से सही हैं?**

**a) 1, 2**
**b) 2, 3**
**c) 1, 3**
**d) 1, 2, 3**

उत्तर: b)

1. **जीवाणुभोजी (Bacteriophage)** एक वायरस हैं जो बैक्टीरिया को मार सकते हैं।
2. ये **RNA या DNA जीनोम** के आसपास मौजूद प्रोटीन से बने होते हैं।
3. ये सर्वव्यापी वायरस हैं, जहां भी बैक्टीरिया मौजूद वहीं पाए जाते हैं।
4. इन्हें कई बैक्टीरिया के बहु-दवा-प्रतिरोधी स्ट्रैन के विरुद्ध एक संभावित उपचार माना जाता है।

**2) भारत में निम्नलिखित में से किन क्षेत्रों को बाघ परिदृश्य (tiger landscapes) माना जाता है?**

**1. सुंदरबन**

**2. शिवालिक पहाड़ियाँ और गंगा के मैदान**

**3. उत्तर-पूर्वी पहाड़ियाँ और ब्रह्मपुत्र के मैदान**

**4. मध्य भारतीय परिदृश्य और पूर्वी घाट**

**सही उत्तर कूट का चयन कीजिए:**

**a) 1, 2, 3**
**b) 1, 3, 4**
**c) 1, 2, 3, 4**
**d) 2, 3, 4**

**उत्तर: c)**

**भारत में पाँच बाघ परिदृश्य हैं:** शिवालिक पहाड़ियां और गंगा का मैदान, मध्य भारतीय लैंडस्केप और पूर्वी घाट, पश्चिमी घाट, उत्तर-पूर्व की पहाड़ियाँ और ब्रह्मपुत्र का मैदान और सुंदरवन।

**3) निम्नलिखित में से कौन सी विधि मिट्टी को अधिक कार्बन जमा करने में मदद कर सकती है?**

**1. जैविक खाद और खाद का प्रयोग**

**2. इंटरक्रॉपिंग और अधिक घास क्षेत्र उगाना**

**3. व्यापक चराई**

**4. मिट्टी को कभी भी खाली न छोड़ना**

**सही उत्तर कोड चुनें:**

**a) 1, 2, 3**
**b) 1, 3, 4**
**c) 1, 2, 3, 4**
**d) 1, 2, 4**

**उत्तर: d)**

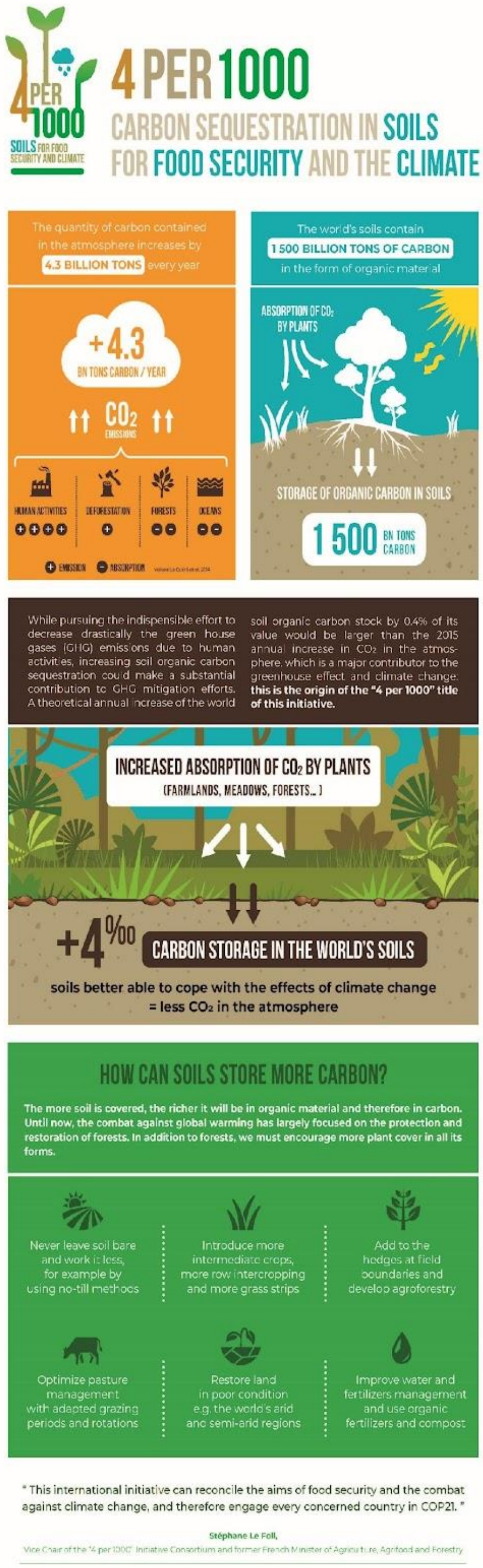
4 PER 1000
SOILS FOR FOOD SECURITY AND CLIMATE
4 PER 1000
CARBON SEQUESTRATION IN SOILS
FOR FOOD SECURITY AND THE CLIMATE
The quantity of carbon contained in the atmosphere increases by 4.3 BILLION TONS every year
+4.3
BN TONS CARBON / YEAR
$CO_2$ EMISSIONS
HUMAN ACTIVITIES
DEFORESTATION
FORESTS
OCEANS
EMISSION
ABSORPTION
The world's soils contain 1 500 BILLION TONS OF CARBON in the form of organic material
ABSORPTION OF $CO_2$ BY PLANTS
STORAGE OF ORGANIC CARBON IN SOILS
1 500 BN TONS CARBON
While pursuing the indispensible effort to decrease drastically the green house gases (GHG) emissions due to human activities, increasing soil organic carbon sequestration could make a substantial contribution to GHG mitigation efforts. A theoretical annual increase of the world soil organic carbon stock by 0.4% of its value would be larger than the 2015 annual increase in $CO_2$ in the atmosphere, which is a major contributor to the greenhouse effect and climate change: this is the origin of the "4 per 1000" title of this initiative.
INCREASED ABSORPTION OF $CO_2$ BY PLANTS
(FARMLANDS, MEADOWS, FORESTS... )
+4‰
CARBON STORAGE IN THE WORLD'S SOILS
soils better able to cope with the effects of climate change
= less $CO_2$ in the atmosphere
HOW CAN SOILS STORE MORE CARBON?
The more soil is covered, the richer it will be in organic material and therefore in carbon. Until now, the combat against global warming has largely focused on the protection and restoration of forests. In addition to forests, we must encourage more plant cover in all its forms.
Never leave soil bare and work it less, for example by using no-till methods
Introduce more intermediate crops, more row intercropping and more grass strips
Add to the hedges at field boundaries and develop agroforestry
Optimize pasture management with adapted grazing periods and rotations
Restore land in poor condition e.g. the world's arid and semi-arid regions
Improve water and fertilizers management and use organic fertilizers and compost
" This international initiative can reconcile the aims of food security and the combat against climate change, and therefore engage every concerned country in COP21. "
Stéphane Le Foll,
Vice Chair of the "4 per 1000" Initiative Consortium and former French Minister of Agriculture, Agrifood and Forestry

**4) शहरी ऊष्मा द्वीप (UHI) के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए।**

**1. एक शहरी ऊष्मा द्वीप (UHI) एक शहरी क्षेत्र होता है जो मानवीय गतिविधियों के कारण अपने आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में काफी गर्म होता है।**

**2. UHI वायु प्रदूषण को कम करता है जिससे ओजोन जैसे प्रदूषकों का उत्पादन बढ़ता है और जल की गुणवत्ता घट जाती है।**

**3. शहरी ऊष्मा द्वीप का प्रभाव रात के समय की तुलना में दिन के समय अधिक गंभीर होता है।**

**उपर्युक्त कथनों में से कौन-से सही हैं?**

**a) 1, 2**
**b) 1, 3**
**c) 2, 3**
**d) 1, 2, 3**

**उत्तर: b)**

**एक शहरी ऊष्मा द्वीप (UHI) एक शहरी क्षेत्र होता है जो मानवीय गतिविधियों के कारण अपने आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में काफी गर्म होता है।**

2. शहरी ऊष्मा द्वीप का प्रभाव रात के समय की तुलना में दिन के समय अधिक गंभीर होता है। तापमान का अंतर आमतौर पर रात में दिन की तुलना में अधिक होता है, और यह हवाएँ कमज़ोर होने पर सबसे अधिक स्पष्ट होता हैं। गर्मियों और सर्दियों के दौरान UHI सबसे अधिक दिखाई देता है। UHI प्रभाव का मुख्य कारण भूमि की सतहों में परिवर्तन से है।

UHI जैसे प्रदूषकों के उत्पादन में वृद्धि से वायु और जल की गुणवत्ता कम हो जाती है क्योंकि गर्म जल क्षेत्र की धाराओं में प्रवाहित होने लगता है और यह पारिस्थितिक तंत्र पर तनाव उत्पन्न करता है।

UHI प्रभाव का शमन हरी छतों के उपयोग और शहरी क्षेत्रों में हल्के रंग की सतहों के उपयोग के माध्यम से किया जा सकता है, जो अधिक धूप को परावर्तित करती हैं और ऊष्मा को अवशोषित नहीं करती हैं।

**ग्लोबल वार्मिंग में शहरी ऊष्मा द्वीपों के संभावित योगदान को लेकर चिंताएँ व्यक्त की गई हैं।**

**5) निम्नलिखित में से कौन से टाइगर रिजर्व अरुणाचल प्रदेश में स्थित हैं?**

**1. कमलंग टाइगर रिजर्व**

**2. नामेरी टाइगर रिजर्व**

**3. नामधापा टाइगर रिजर्व**

**4. पक्के टाइगर रिजर्व**

**सही उत्तर कूट चुनिए:**

**a) 1, 2, 3**
**b) 1, 3, 4**
**c) 1, 2, 4**
**d) 1, 2, 3, 4**

**उत्तर: b)**

नामेरी टाइगर रिजर्व असम में स्थित है।

**1) निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए।**

**1. अपघटन वह प्रक्रिया है जहां अपघटक जटिल कार्बनिक पदार्थों को कार्बन डाइऑक्साइड, पानी और पोषक तत्वों जैसे अकार्बनिक पदार्थों में तोड़ देते हैं।**

**2. अपचय वह प्रक्रिया है जिसमें कुछ रोगाणुओं द्वारा ह्यूमस का और क्षरण किया जाता है और अकार्बनिक पोषक तत्व निर्मुक्त होते हैं।**

**3. खनिजीकरण वह प्रक्रिया है जिसमें जीवाणु और कवक एंजाइम अपरद को सरल अकार्बनिक पदार्थों में बदल देते हैं।**

**उपरोक्त में से कौन सा/से कथन सही है/हैं?**

**a) केवल 1**

**b) 1, 3**
**c) 2, 3**
**d) 1, 2, 3**

**उत्तर: a)**

आपने केंचुआ को किसान का 'मित्र' कहे जाने के बारे में तो सुना ही होगा। ऐसा इसलिए है क्योंकि वे जटिल कार्बनिक पदार्थों के तोड़ने के साथ-साथ मिट्टी को ढीला करने में मदद करते हैं। इसी तरह, अपघटक जटिल कार्बनिक पदार्थों को कार्बन डाइऑक्साइड, पानी और पोषक तत्वों जैसे अकार्बनिक पदार्थों में तोड़ते हैं और **इस प्रक्रिया को अपघटन (decomposition) कहा जाता है।** मृत पौधे के अवशेष जैसे पत्ते, छाल, फूल और जानवरों के मृत अवशेष, मल पदार्थ सहित, अपघटकों का निर्माण करते हैं, जो अपघटन के लिए कच्ची सामग्री के रूप मने कार्य करते हैं। अपघटन की प्रक्रिया में महत्वपूर्ण कदम विखंडन, निक्षालन, अपचय, आर्द्रीकरण और खनिजकरण हैं।

डेट्राइवोरस (जैसे, केंचुआ) अपरद को छोटे-छोटे कणों में तोड़ देते हैं। **इस प्रक्रिया को विखंडन (fragmentation) कहा जाता है।**

निक्षालन की प्रक्रिया से, पानी में घुलनशील अकार्बनिक पोषक तत्व मिट्टी की परिच्छेदिका में नीचे चले जाते हैं और अनुपलब्ध लवण के रूप में अवक्षेपित हो जाते हैं।

जीवाणु और कवक एंजाइम अपघटकों को सरल अकार्बनिक पदार्थों में तोड़ देते हैं। **इस प्रक्रिया को अपचय (catabolism) कहते हैं।**

यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि अपघटन में उपरोक्त सभी चरण एक साथ अपरद पर कार्य करते हैं। **मिट्टी में अपघटन के दौरान ह्यूमिफिकेशन और खनिजीकरण होता है।** ह्यूमिफिकेशन से ह्यूमस नामक एक गहरे रंग का पदार्थ जमा हो जाता है जो माइक्रोबियल क्रिया के लिए अत्यधिक प्रतिरोधी होता है और बेहद धीमी गति से अपघटन की प्रक्रिया से गुजरता है। प्रकृति में कोलाइडल होने के कारण यह पोषक तत्वों के भंडार के रूप में कार्य करता है। कुछ रोगाणुओं द्वारा ह्यूमस का और क्षरण किया जाता है और अकार्बनिक पोषक तत्वों की निर्मुक्ति खनिजकरण प्रक्रिया के दौरान होती है।

**2) निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए।**

**1. खड़ी फसल को जीवित जीवों (बायोमास) के द्रव्यमान या एक इकाई क्षेत्र में संख्या के रूप में मापा जाता है।**

**2. पौधे प्रकाश संश्लेषक रूप से सक्रिय विकिरण (PAR) का केवल 30-40 प्रतिशत ही ग्रहण करते हैं।**

**उपरोक्त में से कौन सा/से कथन सही है/हैं?**

**a) केवल 1**

**b) केवल 2**

**c) 1 और 2 दोनों**

**d) न तो 1 और न ही 2**

**उतर: a)**

गहरे समुद्र के हाइड्रो-थर्मल पारिस्थितिकी तंत्र को छोड़कर, सूर्य पृथ्वी पर सभी पारिस्थितिक तंत्रों के लिए ऊर्जा का एकमात्र स्रोत है। **इस घटना में से 50 प्रतिशत से भी कम सौर विकिरण प्रकाश संश्लेषक रूप से सक्रिय विकिरण (PAR) होती है।** हम जानते हैं कि पौधे और प्रकाश संश्लेषक जीवाणु (स्वपोषी) सरल अकार्बनिक पदार्थों से भोजन बनाने के लिए सूर्य की दीप्तिमान ऊर्जा का उपयोग करते हैं। **PAR के केवल 2-10 प्रतिशत हिस्से का ही पौधे उपयोग करते हैं और ऊर्जा की यह छोटी मात्रा पूरे जीवित विश्व का भरण-पोषण करती है।**

प्रत्येक पोषी स्तर में एक निश्चित समय पर जीवित सामग्री का एक निश्चित द्रव्यमान होता है जिसे खड़ी फसल (standing crop) कहा जाता है। खड़ी फसल को जीवित जीवों के द्रव्यमान (बायोमास) या एक इकाई क्षेत्र में संख्या के रूप में मापा जाता है। **किसी प्रजाति के बायोमास को ताजा या शुष्क द्रव्यमान के रूप में व्यक्त किया जाता है। शुष्क भार के संदर्भ में बायोमास का मापन अधिक सटीक होता है।**

**3) निम्नलिखित में से किस पारिस्थितिकी तंत्र का सीधा पिरामिड होता है?**

**1. वृक्ष पारिस्थितिकी तंत्र में संख्या का पिरामिड।**

**2. घास के मैदान के पारितंत्र में ऊर्जा का पिरामिड।**

**3. समुद्र में बायोमास का पिरामिड।**

**सही उत्तर कूट चुनिए:**

**a) 1, 2**

**b) केवल 2**

**c) 2, 3**

**d) 1, 3**

**उत्तर: b)**

अधिकांश पारितंत्रों में, संख्या, ऊर्जा और बायोमास के सभी पिरामिड सीधे होते हैं, अर्थात, शाकाहारी जीवों की तुलना में उत्पादक संख्या और बायोमास अधिक होते हैं; और मांसाहारी जीवों की तुलना में शाकाहारी जीवों की संख्या और बायोमास अधिक होता है। **साथ ही, निचले पोषी स्तर पर ऊर्जा हमेशा उच्च स्तर की तुलना में अधिक होती है।**

इस सामान्यीकरण के अपवाद हैं: यदि आप एक बड़े पेड़ पर खाने वाले कीड़ों की संख्या की गणना करें तो आपको किस प्रकार का पिरामिड मिलेगा? अब कीड़ों के आधार पर छोटे पक्षियों की संख्या और छोटे पक्षियों को खाने वाले बड़े पक्षियों की संख्या का अनुमान लगाएं।

**समुद्र में बायोमास का पिरामिड आमतौर पर उल्टा होता है क्योंकि मछलियों का बायोमास फाइटोप्लांकटन से कहीं अधिक होता है।**

**ऊर्जा का पिरामिड हमेशा सीधा होता है,** और यह कभी भी उल्टा नहीं हो सकता, क्योंकि जब ऊर्जा एक विशेष पोषी स्तर से अगले पोषी स्तर तक प्रवाहित होती है, तो हर स्तर पर कुछ ऊर्जा हमेशा ऊष्मा के रूप में लुप्त हो जाती है। ऊर्जा पिरामिड में प्रत्येक बार एक निश्चित समय या सालाना प्रति इकाई क्षेत्र में प्रत्येक पोषी स्तर पर मौजूद ऊर्जा की मात्रा को इंगित करता है।

**चराई खाद्य श्रृंखला में पोषी स्तरों की संख्या प्रतिबंधित होती है क्योंकि ऊर्जा का हस्तांतरण 10 प्रतिशत सिद्धांत का अणुपालन करता है अर्थात केवल 10 प्रतिशत ऊर्जा निचले पोषी स्तर से प्रत्येक पोषी स्तर में स्थानांतरित होती है।**

**4) निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए।**

**1. चट्टानों पर प्राथमिक अनुक्रमण में, अग्रणी प्रजातियां आमतौर पर लाइकेन होती हैं।**

**2. अति आर्द्र अनुक्रमण आर्द्र क्षेत्रों में होता है और क्रमिक श्रृंखला हाइड्रिक से अति शुष्क स्थितियों की ओर बढ़ती है।**

**उपरोक्त में से कौन सा/से कथन सही है/हैं?**

**a) केवल 1**

**b) केवल 2**

**c) 1 और 2 दोनों**

**d) न तो 1 और न ही 2**

**उत्तर: a)**

**पारिस्थितिक अनुक्रमण एक क्रमिक प्रक्रिया है जिसके द्वारा पारितंत्र समय के साथ बदलते और विकसित होते हैं।**

**आवास की प्रकृति के आधार पर - चाहे वह पानी हो (या अति आर्द्र क्षेत्र) या यह अति शुष्क क्षेत्रों पर हो - पौधों के अनुक्रमण को क्रमशः अति आर्द्र (hydric) या अति शुष्क (xeric) कहा जाता है।**

हाइड्रार्च अनुक्रमण आर्द्र क्षेत्रों में होता है और क्रमिक श्रृंखला हाइड्रिक से मेसिक स्थितियों की ओर बढ़ती है।

इसके विपरीत, शुष्क क्षेत्रों में ज़ेरार्क अनुक्रमण होता है और श्रृंखला xeric से mesic स्थितियों की ओर बढ़ती है। इसलिए, दोनों हाइड्रार्क और ज़ेरार्क अनुक्रमण मध्यम पानी की स्थिति (मेसिक) की ओर बढ़ते हैं (न तो ज़ेरिक और न ही हाइड्रिक)।

वे प्रजातियाँ जो एक नंगे क्षेत्र पर वृद्धि करती हैं, **अग्रणी प्रजाति कहलाती हैं।** चट्टानों पर प्राथमिक अनुक्रमण में आमतौर पर लाइकेन होते हैं जो चट्टान का अपरदन करने के लिए एसिड का स्राव करने में सक्षम होते हैं, जिससे अपक्षय और मिट्टी के निर्माण में मदद मिलती है।

**एक कीस्टोन प्रजाति** एक ऐसी प्रजाति है जिसका प्राकृतिक पर्यावरण पर इसकी प्रचुरता के सापेक्ष बहुत अधिक प्रभाव पड़ता है। कीस्टोन प्रजातियों के बिना, पारिस्थितिकी तंत्र नाटकीय रूप से भिन्न होगा या पूरी तरह से अस्तित्व में नहीं रहेगा।

एक और महत्वपूर्ण तथ्य यह समझना है कि सभी अनुक्रमण चाहे पानी में हो या जमीन पर, एक समान चरमोत्कर्ष समुदाय - मेसिक की ओर आगे बढ़ते हैं।

**5) उष्ण कटिबंध क्षेत्र में अधिक जैव विविधता के निम्नलिखित में से कौन-से कारण हैं?**
**1. उष्ण कटिबंध में अधिक सौर ऊर्जा उपलब्ध होती है, जो उच्च उत्पादकता में योगदान करती है।**
**2. उष्णकटिबंधीय अक्षांश लाखों वर्षों से अपेक्षाकृत अप्रभावित रहे हैं।**
**3. समशीतोष्ण के विपरीत, उष्णकटिबंधीय वातावरण, निम्न मौसमी, अपेक्षाकृत अधिक स्थिर और पूर्वानुमेय होते हैं।**

**सही उत्तर कूर का चयन कीजिए:**
**a) 1, 2**
**b) 1, 3**
**c) 2, 3**
**d) 1, 2, 3**

**उत्तर: d)**

**उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों अधिक जैविक विविधता के लिए जिम्मेदार कारक क्या हो सकते हैं? इस संबंध में पारिस्थितिकीविदों और विकासवादी जीवविज्ञानियों ने विभिन्न परिकल्पनाएं प्रस्तुत की हैं; कुछ महत्वपूर्ण हैं:**
(a) प्रजातीकरण (Speciation) आम तौर पर समय का एक कार्य है, अतीत में प्राय: समशीतोष्ण क्षेत्रों (जहाँ अतीत में बारंबार हिमाच्छादन हुआ है) के विपरीत, उष्णकटिबंधीय अक्षांश लाखों वर्षों तक अपेक्षाकृत अक्षुण्ण रहा है और इस प्रकार, क्षेत्र को प्रजातियों के विविधीकरण के लिए एक लंबा विकासवादी समय प्राप्त हुआ था।
(b) समशीतोष्ण क्षेत्रों के विपरीत, उष्णकटिबंधीय पर्यावरण कम मौसमी, अपेक्षाकृत अधिक स्थिर और पूर्वानुमान-योग्य है। इस प्रकार का निरंतर वातावरण निच विशेषज्ञता (niche specialisation) को बढ़ावा देते हैं और अधिक से अधिक प्रजातियों की विविधता को जन्म देते हैं।
(c) उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में अधिक सौर ऊर्जा उपलब्ध होती है, जो उच्च उत्पादकता में योगदान करती है; यह बदले में अप्रत्यक्ष रूप से अधिक विविधता में योगदान दे सकता है।